शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 12 नवबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-309

शेख हसीना के बाद अब यूनुस सरकार के खिलाफ सड़कों पर छात्र

संस्कृति बचाओ आंदोलन ने पकड़ी रफ्तार

ढाका, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में एक नीतिगत बदलाव अब सांस्कृतिक आंदोलन में तब्दील हो गया है। देशभर की प्रमुख यूनिवर्सिटीज -ढाका, चटगांव, राजशाही, जगन्नाथ- में छात्र और शिक्षक सड़कों पर उतर आए हैं। इस बार मांगें वेतन या राजनीतिक सुधारों की नहीं, बल्कि संस्कृति को बचाने के अधिकार की हैं।

दरअसल, शेख हसीना सरकार के पतन के बाद सत्ता में आई मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने प्राथमिक विद्यालयों में संगीत और शारीरिक शिक्षा (पीटी) के शिक्षकों की नियुक्ति योजना को रद्द कर दिया है। अधिकारियों ने कारण बताया - प्रशासनिक कठिनाइयाँ और बजट की कमी। लेकिन प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार ने यह निर्णय कट्टरपंथी इस्लामी समूहों के दबाव में लिया है, जिन्होंने इन विषयों को गैर-इस्लामिक घोषित किया था। ढाका विश्वविद्यालय परिसर

में अपराजेय बंगला प्रतिमा के नीचे सैकड़ों छात्र राष्ट्रीय गान और 1971 के मुक्ति संग्राम के गीत गाते हुए जुटे। एक बैनर पर लिखा था - आप स्कूलों में संगीत को रोक सकते हैं, लेकिन बांग्लादेशियों के दिलों से उसे नहीं निकाल सकते। आर्ट्स और ह्यूमैनिटीज़ के छात्रों के नेतृत्व में यह विरोध अब पूरे देश में फैल चुका है। उनकी मुख्य मांग है - स्कूलों में संगीत और पीटी शिक्षकों की नियुक्ति बहाल की जाए। ढाका विश्वविद्यालय के थिएटर प्रोफेसर इसराफिल शाहीन ने कहा - संस्कृति कभी धर्म के खिलाफ नहीं होती। यही संस्कृति हमारी राष्ट्रीय पहचान बनाती है। इसके बिना शिक्षा अधूरी है।

वहीं संगीत शिक्षक अजीजुर रहमान तुहिन का कहना था - कला ही सभ्यता की नींव है। यदि कला को मिटाया गया, तो राष्ट्र की आत्मा खो जाएगी।

फिलहाल यूनुस सरकार ने प्रदर्शनकारियों की मांगों को ठुकरा दिया है। इसके उलट, हिफाजत-ए-इस्लाम और इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश जैसे समूह - जिन्होंने यूनुस सरकार को सत्ता मजबूत करने में सहयोग दिया था - अब संगीत और पीटी शिक्षकों की जगह धार्मिक शिक्षकों की नियुक्ति की मांग कर रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में 69 प्रतिशत मतदान

1302 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद

पटना, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लगभग तीन करोड़ 70 लाख मतदाताओं में से करीब 69 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए 1,302 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद कर दिया ।

राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 122 सीटों पर करीब 69 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

आज के मतदान में जिन दिग्गजों की किस्मत का फैसला मतदाताओं ने ईवीएम में बंद किया, उनमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी, पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, बिजेन्द्र प्रसाद यादव,डा. प्रेम कुमार, नीरज कुमार सिंह, श्रीमती लेशी सिंह,नीतीश मिश्रा, सुनील कुमार पिंटू,सुमित कुमार सिंह, जयंत राज, विजय कुमार मंडल,मोहम्मद जमा खान,प्रमोद कुमार, कृष्ण नंदन पासवान,कृष्ण कुमार ऋषि,शीला मंडल, महाबली सिंह, दुलालचंद गोस्वामी,श्रेयसी सिंह, राजू तिवारी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के

राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता, अनिल कुमार, हिदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी की बहू दीपा कुमारी और समधन ज्योति देवी समेत के अन्य महत्वपूर्ण नाम शामिल हैं।

इसी तरह महागठबंधन से जिन दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला मतदाताओं ने किया, उनमें पूर्व विधान सभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री जय प्रकाश नारायण यादव , पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, अब्दुल जलील मस्तान,बीमा भारती, कौशल यादव, पूर्णिमा यादव,राजेश राम, अजीत शर्मा, समेत अन्य शामिल हैं।

इन सबके साथ ही ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल ईमान भी दूसरे दौर के चुनावी अखाड़े में जोर आजमाइश के लिए उतरे थे।

▶10पर

बिहार एक्जिट पोल में राजग की जीत का अनुमान

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में रिकार्ड मतदान के बाद आये एक्जिट पोल के नतीजों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) स्पष्ट बहुमत के साथ पुन: सत्ता में लौटता नजर आ रहा है। अगर ये नतीजे वास्तविक परिणाम में बदलते हैं तो राजग की स्थिति नयी विधानसभा में पहले से बेहतर हो सकती है। चुनाव के वास्तविक 14 नवंबर को मतगणना के बाद सामने आयेंगे।

दूसरे चरण के मतदान के ठीक बाद मंगलवार को विभिन्न टीवी समाचार चैनलों पर प्रसारित आठ सर्वे कंपनियों द्वारा अलग अलग जारी एक्जिट पोल के सभी अनुमानों में सत्तारूढ राजग अच्छे अंतर के साथ जीत दर्ज करने जा रहा है। इन अनुमानों में राजग को 130 से 167 सीटों पर जीतता दिखाया जा रहा है।कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाले महागठबंधन को 70 से 108 सीटों पर आगे दिखाया जा रहा है। इस चुनाव में बड़े जोर शोर से मैदान में उतरी राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को शून्य से 5 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है।मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विवाद की पृष्ठभूमि में हुए इस चुनाव में कुल 243 सीटों के लिए दो चरणों में छह और 11 नवंबर को मतदान हुआ। इसमें मतदाताओं ने हिस्सेदारी का ▶10पर

दिल्ली कार विस्फोट मामले की जांच एनआईए को सौंपी गई, जल्द कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में हुए कार विस्फोट मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। उन्होंने एजेंसी को जांच रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करने और इस कृत्य में शामिल प्रत्येक दोषी को तुरंत गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को दो उच्च स्तरीय बैठकों में स्थिति की समीक्षा के बाद श्री शाह ने कहा कि इस घटना में शामिल हर व्यक्ति को जांच एजेंसियों के कहर का सामना करना पड़ेगा।बैठकों के बाद गृह मंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा - दिल्ली कार ब्लास्ट के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अधिकारियों को इस घटना के लिए जिम्मेदार हर एक दोषी को जल्द से जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। इस कृत्य में शामिल हर व्यक्ति हमारी एजेंसियों के कहर का सामना करेगा।

पहले इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा कर रही थी, लेकिन अब इसे औपचारिक रूप से एनआईए को हस्तांतरित कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, श्री शाह ने एनआईए को फोरेंसिक जांच में तेजी लाने और रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी को घटनास्थल से मिले नमूनों की जांच कर उन्हें कार में मौजूद व्यक्तियों के नमूनों से मिलान करने के निर्देश भी दिए।पहली उच्च स्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, एनआईए महानिदेशक और दिल्ली पुलिस आयुक्त मौजूद थे।इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। दूसरी बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के महानिदेशक, फोरेंसिक साइंस सर्विस के निदेशक, एफएसएल के प्रधान निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।दिल्ली पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 16 और 18, साथ ही विस्फोटक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कोतवाली थाने में मामला दर्ज किया है।एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया - जांच के तहत सभी पहलुओं की बारीकी से समीक्षा की जा रही है, और किसी भी संदिग्ध तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय राजधानी की सुरक्षा से जुड़ा कोई भी मामला सर्वोच्च प्राथमिकता पर लिया जाएगा और दोषियों को कानून के कठोरतम प्रावधानों के तहत दंडित किया जाएगा।

लाल किला विस्फोट की साजिश रचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: मोदी

थिंपू (भूटान), 11 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार देर शाम हुए विस्फोट की साजिश रचने वाले और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

भूटान की दो दिवसीय यात्रा पर आये श्री मोदी ने ग्लोबल पीस फेस्टिवल में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि इस भयानक विस्फोट की साजिश ▶10पर

भविष्य के हर युद्ध का फैसला अब तकनीक करेगी, भूगोल नहीं : सीडीएस चौहान

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि कैसे आधुनिक युद्ध की रणनीति तय करने में सबसे महत्वपूर्ण कारक होने के मामले में तकनीक धीरे-धीरे भूगोल पर हावी हो रही है। जनरल अनिल चौहान ने इस बात पर ज़ोर दिया कि युद्ध के परिणाम रणनीति और रणनीति से तय होते हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में ये कारक मुख्यतः भूगोल से प्रभावित होते थे, लेकिन अब इसमें बदलाव आने लगा है। युद्ध और युद्ध में जीत मूल रूप से रणनीति पर निर्भर करती है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा यदि आप अतीत को देखें, तो रणनीति काफी हद तक भूगोल से ली गई थी, लेकिन धीरे-धीरे, प्रौद्योगिकी का तत्व हावी हो रहा है और भूगोल को पीछे छोड़ रहा है। जनरल अनिल चौहान ने प्रमुख भौगोलिक पहलुओं पर प्रकाश डाला जो अतीत में युद्ध के परिणाम को तय करते थे जैसे कि ऊँची ज़मीन, इलाके की उपयुक्तता, रेगिस्तानों का विशाल विस्तार, पर्वत श्रृंखलाएँ और महासागर। उन्होंने कहा कि निगरानी और रक्षा के लिए ऊँची ज़मीन का महत्व, आश्चर्य और धोखे के लिए भूभाग की उपयुक्तता, गति, हमले की दिशा, रक्षा की धुरी - ये सभी भूगोल के आधार पर चुने गए थे, और ये युद्ध जीतने वाले कारक थे। ▶10पर

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ याचिका

एससी ने 2 हफ्ते में निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ द्रमुक, माकपा, पश्चिम बंगाल कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस नेताओं की याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर कवायद को चुनौती देने वाली द्रमुक, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस की अलग-अलग याचिकाओं पर दो सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा।

शीर्ष अदालत बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण करने के निर्वाचन आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर पहले से ही सुनवाई कर रही है। निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की कवायद को इ्रसटीकफ बताते हुए न्यायालय से 16 अक्टूबर को कहा था कि याचिकाकर्ता राजनीतिक दल और गैर सरकारी संगठन इस प्रक्रिया को केवल बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगाकर संतुष्ट हैं। आयोग ने न्यायालय से यह भी कहा था कि अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद से नाम हटाने के खिलाफ किसी मतदाता ने एक भी अपील दायर नहीं की है। उसने याचिकाकर्ताओं के इस आरोप का खंडन किया था ▶10पर

महिला आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

देश में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक हैं महिलाएं

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करने की मांग पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। अदालत ने सुनवाई के दौरान बेहद अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि इस देश में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक वर्ग महिलाएं हैं, जिनकी आबादी लगभग 48% है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा - भारत के संविधान की प्रस्तावना में राजनीतिक और सामाजिक समानता का अधिकार सभी नागरिकों को दिया गया है। सवाल यह है कि इस देश में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक कौन है? महिलाएं - जिनकी संख्या लगभग आधी आबादी के बराबर है। यह अधिनियम (33% आरक्षण कानून) महिलाओं की राजनीतिक समानता सुनिश्चित करने से जुड़ा है।

हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि नीतिगत मामलों में न्यायपालिका की सीमाएं होती हैं, और इस तरह के विषयों में अदालत केवल यह सुनिश्चित कर सकती है कि सरकार संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप कदम उठाए। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभा में 33% आरक्षण लागू करने की दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है। ▶10पर

बीजापुर में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में 6 नक्सली ढेर

बीजापुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों के साथ चल रहे ऑपरेशन के दौरान छह माओवादी मारे गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को सुरक्षा बलों और माओवादी विद्रोहियों के बीच कांडुलनार गाँव से लगभग छह किलोमीटर पश्चिम स्थित वन क्षेत्र में कई मुठभेड़ हुईं। यह क्षेत्र मोडकपाल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल से छह माओवादी कैडर के शव बरामद किए, साथ ही हथियार भी बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान की जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में सर्च और क्लीयरिंग ऑपरेशन जारी है ताकि शेष माओवादी तत्वों का पता लगाया जा सके और पूरे क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके।

बीजापुर पुलिस ने बताया कि जिले में एंटी-नक्सल ऑपरेशन में कई सुरक्षा बलों की टुकड़ियाँ सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। ऑपरेशन में इलाके की पूरी सफाई और शेष माओवादी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

कार्टून कॉर्नर

सिर्फ चार महीने में ढह गया चीन का 758 मीटर लंबा पुल

चेंगदू, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के आबा तिब्बती और कियु तुजिया स्वायत्त प्रीफेक्चर में स्थित शुआंगजियांगकौ जलविद्युत स्टेशन पर बना होंगकी पुल मंगलवार दोपहर अचानक ढह गया। 758 मीटर लंबा यह पुल महज चार महीने पहले ही जनता के लिए खोला गया था, और इसके गिरने से चीन के तेजी से बढ़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, पुल के अप्रोच ब्रिज और सड़क के हिस्सों में दरारें दिखाई देने के बाद यातायात को पहले ही रोक दिया गया था। हालांकि, भारी वर्षा और पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के चलते स्थिति बिगड़ गई। दोपहर करीब 2 बजे आए भूस्खलन के कारण पुल का एक बड़ा हिस्सा नदी में समा गया। सौभाग्य से, कोई जनहानि नहीं हुई, क्योंकि पुल पहले से बंद था। घटना के तुरंत बाद स्थानीय आपदा प्रबंधन ▶10पर

इसरो ने गगनयान मिशन के लिए मेन पैराशूट सिस्टम का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने गगनयान मिशन की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित बाबीना फील्ड फायरिंग रेंज (इन्नन्नछ) में 3 नवंबर 2025 को गगनयान क्रू मॉड्यूल के मेन पैराशूट सिस्टम का अहम परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह परीक्षण इंटीग्रेटेड मेन पैराशूट एयरड्रॉप टेस्ट श्रृंखला का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य पैराशूट सिस्टम की कार्यक्षमता और मजबूती को परखना था। इसरो के अनुसार, गगनयान क्रू मॉड्यूल के पैराशूट सिस्टम में कुल 10 पैराशूट शामिल हैं, जिन्हें चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है - 1.एपेक्स कवर सेपरेशन पैराशूट : पैराशूट कम्पार्टमेंट के सुरक्षा कवर को हटाने के लिए।2.ड्रोग पैराशूट : मॉड्यूल की रफ्तार कम करने और स्थिरता बनाए रखने के लिए। 3.पायलट पैराशूट : मुख्य पैराशूट को बाहर खींचने के लिए। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,27,130/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,58,270/- (प्रति किलोग्राम)

एक शाम बालाजी के नाम 4.0 में बालाजी के भजनों से गुंजा बेंगलूरु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एफटीएस युवा बेंगलूरु द्वारा आयोजित एक शाम बालाजी के नाम 4.0 का भव्य आयोजन प्रिंसेस रायन पैलेस ग्राउंड्स में हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय भजन सम्राट कन्हैया मित्तल (चंडीगढ़) ने अपनी 15 सदस्यों की टीम के साथ मंच संभाला और बालाजी, श्याम तथा राम भक्ति के अमृत भजनों से ऐसा वातावरण बनाया कि पूरा हॉल जय श्रीराम और जय बालाजी के जयकारों से गूंज उठा। उन्होंने तेरा सालासर दरबार मने अच्छा लागे से, भारत का बच्चा बच्चा जय श्रीराम बोलेगा और श्रीराम जी के दास मेरे बालाजी जैसे भजनों की प्रस्तुति दी। जिस पर श्रद्धालु नाचते झूमते नजर आए। भक्ति का यह आल्हादित माहौल देर रात तक चलता रहा और हर पंक्ति के साथ श्रोताओं की आंखों में आस्था की चमक दिखाई दी। भजनों की मधुर लहरियों के बीच जब महाआरती का समय आया, तो समूचा हॉल भक्ति से भर गया। बेंगलूरु के सभी सम्मानित सदस्य, राष्ट्रीय टीम से पधारे पदाधिकारी और हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ सामूहिक महाआरती में भाग लेकर बालाजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरा वातावरण जय श्रीराम और जय बालाजी की गूंज से अलौकिक हो उठा। महाआरती के बाद कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना से किया गया। जिसे चामराजनगर अंचल की एकल विद्यालय की एक नन्ही विद्यार्थी ने प्रस्तुत किया। वह अपनी 12 सदस्यीय टीम के साथ पहली बार इतने भव्य मंच पर आई थी। उसकी मासूम भावनाओं और नृत्य ने पूरे हॉल को भावविभोर कर दिया। उसके परिवार की आंखों में गर्व और खुशी थी कि आज उनकी बेटी को इतना बड़ा मंच मिला। यह एकल अभियान के उस उद्देश्य को साकार करता है जिसमें हर वनवासी बालक बालिका को अवसर और सम्मान दिलाना है। एफटीएस युवा अध्यक्ष प्रितेश बुरड ने बताया कि लगभग बारह हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लिया और दस हजार से अधिक भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की। उन्होंने कहा यह आयोजन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी टीम की भावना, एकता और सेवा का पर्व था। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक प्राइड ग्रुप के मुरारीलाल सरावगी (एफटीएस बेंगलूरु के संरक्षक) और एवोनप्लास्ट के सुनील बजाज थे। बजाज परिवार सहित उपस्थित रहे और भजनों की मधुर लहरियों पर जिस आनंद से झूमे वह दृश्य अविस्मरणीय बन गया। पूर्णाहुति प्रसाद घनश्याम, विजय गोयल (क्रिएशन) रहे। महामंगल आरती का सौभाग्य ईशा विक्रम अग्रवाल को मिला। श्याम बाबा श्रृंगार के लाभार्थी संजय बैद (गुरु पुनवानी), राम दरबार श्रृंगार के लाभार्थी नवीन गुप्ता (रिलायंस प्लाईवुड), बालाजी श्रृंगार के लाभार्थी सरिता आशीष गुप्ता, छप्पन भोग लाभार्थी मदनलाल माली थे। जबकि गोल्ड स्पॉन्सर भंवरलाल प्रितेश बुरड, गणपत माली, पवन राजलीवाल एवं रमेश कुमार टिबरेवाल रहे। एफटीएस सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में वनबंधु परिषद की राष्ट्रीय टीम का विशेष आगमन हुआ। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाला, राष्ट्रीय सहसचिव नीरज हरौडिया, साउथ जोन सचिव बिमल कुमार सरावगी, राष्ट्रीय महिला समिति सचिव रेणु कनौडिया, किशन केजरीवाल (कोलकाता), रासु जैन (इंदौर), उत्सव पराशर (रांची), अपर्णा बंसल (भोपाल), विशेष केडिया (रांची) सुरेन्द्र गोयल चैप्टर संरक्षक, चैप्टर अध्यक्ष हाथीमलजी बैद, सचिव वैभव गुप्ता, महिला समिति अध्यक्ष कांता काबरा और सचिव अनिता जैन सहित कई राष्ट्रीय पदाधिकारी इस आयोजन में सम्मिलित हुए। पूर्व युवा अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से वनवासी ग्रामों में संचालित एकल विद्यालयों के लिए आर्थिक सहयोग जुटाया गया। प्रत्येक विद्यालय का वार्षिक व्यय 30,000 के अनुसार, युवा टीम ने 150 विद्यालयों का वार्षिक सहयोग सुनिश्चित किया। जब मंच पर यह घोषणा हो रही थी, तभी भजन सम्राट कन्हैया मित्तल ने एकल विद्यालय से प्रभावित होकर हँसी खुशी कहा कि हमारे हिन्दू धर्म में 150 का अंक शुभ नहीं माना जाता, इसलिए एक विद्यालय का सहयोग मैं अपनी ओर से देता हूं। उनकी इस भावनापूर्ण घोषणा के साथ ही सहयोग की संख्या 151 विद्यालयों तक पहुंच गई और पूरा हॉल भारत का बच्चा बच्चा जय श्रीराम बोलेगा के जयघोष से गूंज उठा। यह राशि प्रतीक रूप में मंच पर अध्यक्ष हाथीमल बैद को भेंट की गई। महाप्रसादी व्यवस्था में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा और राजगढ़ सदलपुर नागरिक युवा संघ का विशेष सहयोग रहा। कार्यकारी अध्यक्ष पवन

राजलीवाल ने बताया कि पिछले दो महीनों से पूरी युवा टीम ने दिन रात मेहनत की। टीम के हर सदस्य ने अपनी जिम्मेदारी से बढ़कर काम किया। आज पूरे बेंगलूरु और एकल अभियान में यह कार्यक्रम चर्चा का विषय है। हर वर्ष एफटीएस युवा टीम अपने दो ऐसे सदस्यों को सम्मानित करती है, जिन्होंने पूरे वर्ष संगठन के प्रति अत्यधिक सक्रियता और समर्पण दिखाया हो।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

इस वर्ष के लिए यह सम्मान रचना डालमिया और मितेश खंडेलवाल को प्रदान किया गया। इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सदस्यों में वैभव गुप्ता, आशीष गुप्ता, विक्रम अग्रवाल, प्रितेश बुरड़, पवन राजलीवाल, विकास गुप्ता, साकेत गर्ग, गणपत माली, अमित सिंह, जयप्रकाश अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, आरती अग्रवाल, अंकुर जैन, आयुष अग्रवाला, दीपिका जैन, मितेश खंडेलवाल, रचना डालमिया, गौरव शर्मा, एकता अनंत, शुभम लोहिया, उत्तम बागरेचा, गौरव अग्रवाल, प्रहलाद जोशी, प्रवीण गहलोत, अनिल कुमार, मृदुल अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, अरुण शर्मा, डॉ. अभिषेक मोदी, पुनीत गोयल, जितेन्द्र गुप्ता एवं श्रीधर के नाम प्रमुख रहे।

गुजरात के अंकलेश्वर में लगेगा कृत्रिम पैर शिविर

16 नवम्बर को माप चौक शिविर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने के उद्देश्य से गुजरात के भरुच जिले के रोटरी क्लब ऑफ अंकलेश्वर, ओएनजीसी अंकलेश्वर तथा ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर हुब्बल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक निःशुल्क कृत्रिम पांव एवं हाथ वितरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के अंतर्गत माप चौक सत्र का आयोजन रविवार को अंकलेश्वर के ओएनजीसी कम्युनिटी हॉल में किया जाएगा। इस अवसर पर हुब्बल्ली से विशेषज्ञ तकनीशियनों एवं चिकित्सकों की टीम दिव्यांग लाभार्थियों के कृत्रिम अंगों हेतु मापन करेगी। तत्पश्चात आगामी चरण में तैयार किए गए कृत्रिम अंगों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलछा ने बताया कि संस्था, संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी के नेतृत्व में दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में शिविरों का आयोजन कर रही है और अब कर्नाटक की सिद्धारूढ़ स्वामीजी की पवित्र भूमि से लेकर गुजरात की महात्मा गांधी की पुण्यभूमि तक सेवा का विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक दिव्यांग भाई बहनों को पुनः स्वावलंबी बनाना और समाज में उनका आत्मविश्वास बढ़ाना है। महावीर लिंब सेंटर, हुब्बल्ली के तकनीकी विशेषज्ञों ने अब तक देशभर में हजारों दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदान कर नई जिंदगी दी है। कार्यक्रम आयोजन में राजेश कालरा, सुनील शारदा तथा पंकज भरवाड़ा का मुख्य सहयोग रहेगा। आयोजन समिति के सुरेश नाहर, विपिन नायर, विशाल मोदी ने अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों से शिविर में पहुंचने और इस सेवा का लाभ उठाने का अनुरोध किया है।

आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी, अध्यक्ष कांता रायसोनी के सानिध्य में मैना मांडोत के शेषाद्रिपुरम स्थित निवास पर आयोजित की गई। मैना ने सभी सदस्याओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस महीने की थीम कार्तिक पूर्णिमा का महत्व व नव्वाणु की महिमा पर चर्चा थी। शंकेश्वरी बरलोटा ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा का दिन पवित्र और शुभ माना जाता है। इस दिन स्नान, दान और दीपदान से जीवन में पाप मिट जाते हैं। कहते हैं, जो श्रद्धा से शत्रुंजय की नवानु यात्रा पूर्ण करता है, उसे अनंत जन्मों का पुण्य और आत्मिक शांति का वरदान प्राप्त होता है। इतनी अद्भुत महिमा है। नवानु यात्रा में श्रद्धा से चढ़े हुए हर कदम से पिछले कर्मों के बंधन ढीले पड़ते हैं और आत्मा पवित्रता का अनुभव करती है। खूब नए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी तमन्ना मेहता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन बेंगलूरु चैप्टर की नई कार्यकारिणी का गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन बेंगलूरु चैप्टर की नई कार्यकारिणी के गठन के साथ दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन शहर के आदर्श कॉलेज के सभागार में किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष बाबूभाई मेहता ने सभी गणमान्यों एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत अभिनंदन किया और पिछले कार्यकाल में सभी सदस्यों के सहयोग हेतु धन्यवाद आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में चेयरमैन बाबू भाई मेहता ने नव निर्वाचित अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष डॉ. वासुदेव सारडा, रुपचंद कुमट, महामंत्री प्रशांत सिंघी, कोषाध्यक्ष प्रतीक गादिया, सहमंत्री कुनाल मरलेचा के साथ नवीन कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विपिन राम अग्रवाल और कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष आरपी रवि शंकर, मंत्री शबरीश ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय व्यापारी बोर्ड, नई दिल्ली के कार्यकारिणी सदस्य प्रकाश पिरगल, एफकेसीसीआई के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर पहाड़ सिंह राजपुरोहित, जैन माइनॉरिटी मोर्चा के कर्नाटक प्रदेश प्रमुख इन्द्र कुमार नाहर के साथ अनेक संघ संस्थाओं के प्रतिनिधि और सदस्य उपस्थित थे और सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ललित डाकलिया ने अपने आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए कहा कि हमें सामाजिक, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सभी को साथ लेकर चलते हुए केंद्र और राज्य सरकारों तक व्यापारी वर्ग की आवाज पहुंचानी है और समय समय पर उच्च अधिकारियों के साथ समन्वय करके सदस्यों के बीच सेमिनार आयोजित करके व्यापारी वर्ग के हितों की बात की जाएगी। मुख्य अतिथि प्रकाश पिरगल, पहाड़ सिंह राजपुरोहित और इन्दर कुमार नाहर ने बाबू भाई मेहता और ललित डाकलिया का शाल माला और स्मृति चिन्ह से स्वागत अभिनंदन किया। नवीन कार्यकारिणी में सुनील लोढ़ा, दिनेश पोरवाड, ललित धारीवाल, नलिन चोरडिया, मनीष ए जैन, धर्मेंद्र संकलेचा, कपीश लाहोटी और पुखराज आचंलिया को शामिल किया गया है। कार्यक्रम में प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर जिया हिंगड ने अपने आप को जानें विषय पर स्पीच प्रदान की जिसे उपस्थित सदस्यों ने बहुत ही सराहा। कार्यक्रम के अंत में महामंत्री प्रशांत सिंघी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन मोनिका कुमट ने किया। कार्यक्रम में मातृछाया ग्रुप के त्रिशला कोठारी, ललिता नागोरी, रेशमा बडोला, ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खीवेंसरा, राकेश डाकलिया, वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम के सदस्यों के साथ अनेक संघ संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

लापता लड़के का शव मिला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के पेरदुर गांव के अलंगारू निवासी श्रीशन शेट्टी नामक एक लापता लड़के का शव सोमवार को पेरदुर के पास अलंगारू होलेबागिलु नदी में मिला। जानकारी के अनुसार, श्रीशन रविवार को अपने दोस्त के साथ नहाने के लिए नदी पर गया था। नहाते समय वह गलती से पानी में डूब गया। घटना से भयभीत उसके दोस्त ने घटना के बारे में कुछ नहीं बताया। परिवार के सदस्यों ने रात भर लड़के की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। श्रीशन के दोस्त से पूछताछ करने पर पुलिस को घटना की जानकारी मिली। हिरियाडका पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

आध्यात्मिक ऊर्जा, आत्मविश्वास और सकारात्मकता से भरपूर रहा ऑफिस दर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह ने अपने पांचवें कार्यकाल का प्रथम ऑफिस दर्शन सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम की मेजबानी प्रज्ञा सेठी (प्रोफेशनल टैरो कार्ड रीडर एवं न्यूमरोलॉजिस्ट) द्वारा निशांत कोरोनेशन, रिचमंड टाउन, बेंगलूरु में की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र के मंगल पाठ से हुआ, जिससे वातावरण में सकारात्मकता और ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना और सहमंत्री सुमन रांका विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

11 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, प्रज्ञा सेठी ने टैरो और न्यूमरोलॉजी के माध्यम से जीवन में स्पष्टता, आत्मविश्वास और संतुलन पाने के उपाय साझा किए। उन्होंने बताया कि टैरो आत्मा का दर्पण है, जो व्यक्ति को भय से विश्वास और भ्रम से आत्मविश्वास की ओर ले जाता है, वहीं न्यूमरोलॉजी भाग्य का विज्ञान है, जो व्यक्ति के जीवन उद्देश्य और उसकी शक्तियों का रहस्य उजागर कर सामंजस्य और सफलता की राह दिखाती है। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में प्रज्ञा सेठी ने सभी सदस्यों को व्यक्तिगत टैरो रीडिंग दी और प्रत्येक को क्रिस्टल ब्रेसलेट भेंट किया, जो सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन का प्रतीक है। इस अवसर पर कुल 35 सदस्य और 2 अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन रेफरल हेड लीला पितलिया, रेफरल लीड मीनू जैन एवं रेफरल सेक्रेटरी संगीता जैन द्वारा किया गया।

सीएम ने मेकेदातु परियोजना पर फिर दिया जोर

इस साल कर्नाटक में भारी बारिश हुई है और तमिलनाडु को भी इस साल ज्यादा पानी मिलेगा: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को एक बार फिर मेकेदातु परियोजना पर जोर दिया। बेंगलूरु में पानी की समस्या को हल करने के लिए यह कर्नाटक सरकार की महत्वकांक्षी योजना है और यही वजह है कि कर्नाटक सरकार इस पर खासा जोर दे रही है। हालांकि तमिलनाडु की आपत्ति के चलते इस पर सहमति नहीं बन पा रही है। सिद्धारामैया ने एक बार फिर से मेकेदातु परियोजना पर जोर दिया और साथ ही कहा कि इससे पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के हित प्रभावित नहीं होंगे। सिद्धरामैया ने कहा कि इस साल कर्नाटक में भारी बारिश हुई है और तमिलनाडु को भी इस साल ज्यादा पानी मिलेगा। मंगलवार को मैसूरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम

सिद्धरामैया ने कहा कि 'तमिलनाडु को सिर्फ 177 टीएमसी पानी ही दिया जाना चाहिए, लेकिन हमने 150 टीएमसी पानी अतिरिक्त दिया है। इसका मतलब ये है कि हमने तय कोटा का दोगुना पानी जारी किया। मेकेदातु जलाश्य परियोजना तमिलनाडु के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाएगी। मेकेदातु परियोजना के तहत कर्नाटक के रामनगर जिले में कनकपुरा के पास एक जलाशय का निर्माण किया जाना है। यह जगह तमिलनाडु की सीमा पर और बंगलूरू से करीब 90 किलोमीटर दूर स्थित है। योजना के तहत कर्नाटक सरकार 99 मीटर ऊंचा, 735 मीटर लंबा कंक्रीट का बांध बनाना चाहती है। साथ ही यहां एक बिजलीघर का निर्माण भी होना है। मेकेदातु परियोजना के तहत 66 हजार टीएमसी पानी की क्षमता वाले जलाशय का निर्माण होगा। इससे बंगलूरू में पानी की समस्या दूर हो सकती है। इस परियोजना की लागत 14 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। हालांकि तमिलनाडु की सरकार इस परियोजना का विरोध कर रही है। तमिलनाडु सरकार का कहना है कि मेकेदातु जलाशय कावेरी नदी के तमिलनाडु में मुक्त प्रवाह को बाधित करेगा। गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार को मेकेदातु परियोजना के लिए तमिलनाडु सरकार की मंजूरी की जरूरत है। कावेरी नदी के जल बंटवारे को लेकर कावेरी न्यायाधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कर्नाटक सरकार को कावेरी पर किसी भी परियोजना शुरू करने से पहले तमिलनाडु की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया है।

एक साल बाद भी बसों के दरवाजों पर डीसी के निर्देश लागू नहीं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चलती बसों के दरवाजे बंद रखना अनिवार्य करने संबंधी जिला प्रशासन के एक साल पहले जारी किए गए निर्देश के बावजूद, लगभग 90 प्रतिशत बसें अभी भी इस आदेश का पालन नहीं कर रही हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले में चलती बसों के फुटबोर्ड से लटके यात्रियों से जुड़ी कई दुर्घटनाओं के बाद यह निर्देश जारी किया गया था। हालांकि, रिपोर्टों से पता चलता है कि जिले के भीतर और दक्षिण कन्नड़ व उडुपी के बीच चलने वाली एक्सप्रेस और सर्विस बसों में, साथ ही उडुपी जिले में भी, अधिकांश बसों ने इस नियम का पालन नहीं किया है। कुछ केएसआरटीसी बसें भी इस निर्देश का उल्लंघन करती पाई गई हैं। हालांकि पुलिस यातायात नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा को

बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान और प्रवर्तन अभियान चला रही है, फिर भी यात्रियों द्वारा फुटबोर्ड पर यात्रा करने की समस्या बदस्तूर जारी है। ऐसे दृश्य आमतौर पर सुबह और शाम के समय देखे जाते हैं। आम जनता का कहना है कि पुलिस द्वारा जुर्माना और मामले दर्ज करने के बाद भी, अगले ही दिन स्थिति सामान्य हो जाती है। बस मालिकों ने इस निर्देश का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि ज्यादातर निजी बसों में पहले से ही दो दरवाजे होते हैं, लेकिन हर ट्रिप के दौरान उन्हें चलाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त करना अव्यावहारिक है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे समय में जब ऑपरेटर पहले से ही आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं, न्यूमेटिक दरवाजे लगाने से अतिरिक्त खर्च आएगा। उन्होंने आगे बताया कि शहरी इलाकों में, जहां हर कुछ सौ मीटर पर बस स्टॉप हैं, बार-बार दरवाजे खोलना और बंद करना असुविधाजनक और अव्यावहारिक है।

राजनुकुंटे से चन्नसंद्रा तक बाइक और कार रैली का आयोजन

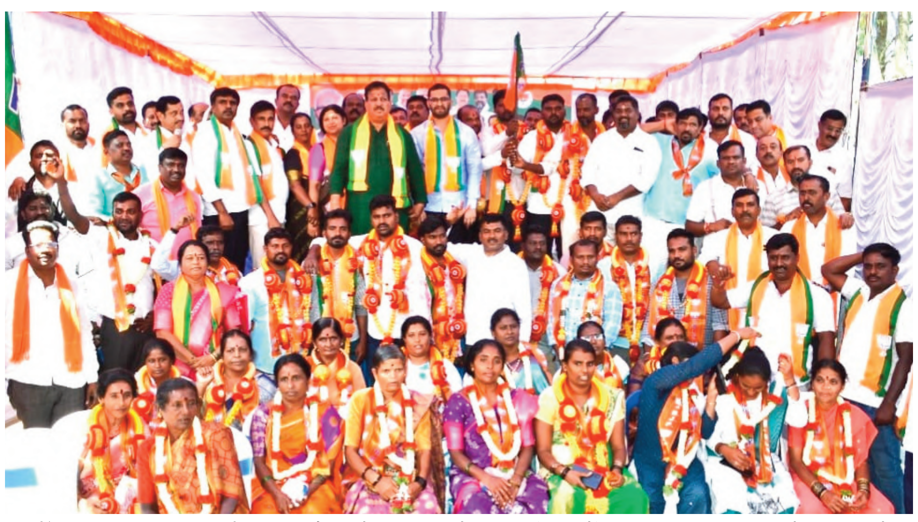

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधायक एस.आर. विश्वनाथ के विकास कार्यों, जनसरोकार और क्षेत्र की जनता व कार्यकर्ताओं से जुड़ाव की सराहना करते हुए कई नेता विभिन्न दलों को छोड़कर अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। सोन्नीनहल्ली जिला पंचायत क्षेत्र में कांग्रेस से, चेन्नसंद्रा से मोहन और विजय, आंचेपाल्या से अनिल, ब्याता गांव से मंजूनाथ, दंडनपाल्या से रवि और संतोमी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और युवा राजानुकुंटे से चन्नसंद्रा तक बाइक और कार रैली के माध्यम से बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल हुए। इन नेत-ाओं ने कहा कि हम विश्व नेता, भारत माता के गौरवशाली सपूत और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों से आकर्षित हैं। वे हमारे रक्षक, हिंदू टाइगर, विधायक एस.आर. विश्वनाथ के विकास कार्यों की सराहना करते हुए भाजपा में शामिल होंगे। सभी ने विश्वनाथ के जनता के प्रति चिंता और निर्वाचन क्षेत्र के लोगों व कार्यकर्ताओं के साथ उनके जुड़ाव की सराहना की। इस अवसर पर युवा नेता आलोक विश्वनाथ, वरिष्ठ पार्टी नेता डी.बी.ए., पूर्व अध्यक्ष डिब्बूर जयन्ना, जिला सह-प्रभारी एस.एन. राजन्ना, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राममूर्ति, महासचिव मंजूनाथ, सोमशेखर, रायत मोर्चा के राज्य सचिव कदनमले सतीश, अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष श्रीनिवास (ग्रामीण), के.एम. मुरली (शहरी), महिला मोर्चा की अध्यक्ष मंजुला महिंद्रा, कासगट्टापुर पंचायत अध्यक्ष संध्या देवराज, अनुसूचित जाति मोर्चा के महासचिव मुनिराजू और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सरकार तकनीकी प्रगति के अनुकूल होने के लिए

तकनीकी पेशेवरों को प्रचलित बाजार वेतन पर नियुक्त करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में जनता को सुविधा प्रदान करने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी से हो रहे बदलावों के साथ, कर्नाटक सरकार अब तकनीकी प्रगति के अनुकूल होने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के ज्ञान वाले उच्च योग्य तकनीकी पेशेवरों को बाजार में प्रचलित वेतन पर नियुक्त करेगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब विभाग स्कैन किए गए दस्तावेज-आधारित प्रणाली से आगे बढ़कर जीआईएस आधारित डिजिटल प्रणाली और वेब-आधारित एप्लिकेशन से मोबाइल ऐप और आईओटी उपकरणों पर स्विच करने पर विचार कर रहा है। अन्य सेवाओं के साथ-साथ लीकेज को रोकने के लिए मार्गदर्शन मूल्य निर्धारित करने हेतु प्रस्तावित डिजिटल ई-स्टाम्प और जीआईएस-आधारित मूल्यांकन के कार्यान्वयन में तेजी आने की उम्मीद है। नए आंतरिक कावेरी

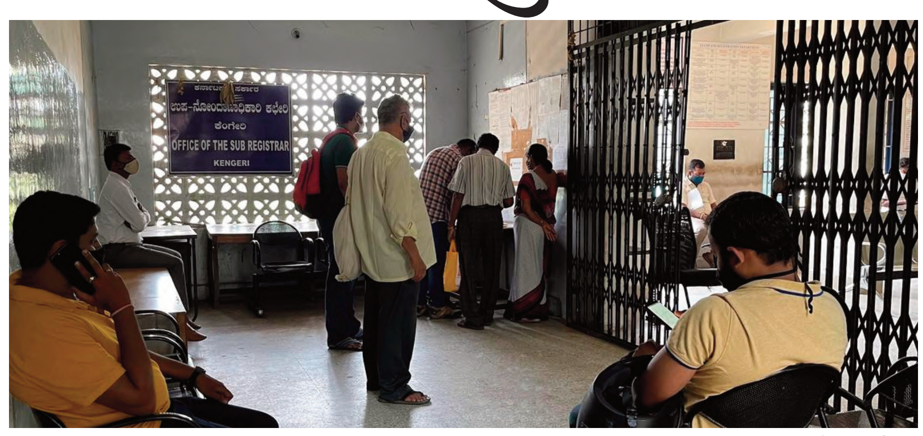

तकनीकी प्रकोष्ठ में एक मानव संसाधन एजेंसी के माध्यम से प्रचलित बाजार वेतन पर 39 उच्च कुशल तकनीकी व्यक्तियों को नियुक्त किया जाएगा। पिछले सप्ताह कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद सोमवार को इसकी औपचारिक अधिसूचना जारी की गई। यह सेल, जो अपने स्वयं के मानव संसाधन के साथ, कावेरी कंसोल में भविष्य में होने वाले परिवर्तन का संचालन करेगा या आवश्यकतानुसार कावेरी सॉफ्टवेयर का पुनर्विकास भी करेगा, की घोषणा 2025-2026 के बजट में की गई थी और इसके लिए पांच वर्षों की अवधि हेतु 69.13 करोड़ का आवंटन किया गया है। यह कावेरी 2.0 के निरंतर विकास, रखरखाव और संवर्द्धन को सुनिश्चित करने के लिए कार्य करेगा क्योंकि सॉफ्टवेयर के कानूनी संशोधनों, नए एकीकरणों और परिचालन परिवर्तनों के साथ निरंतर अनुकूलन की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक स्टाम्प अधिनियम, 1957, पंजीकरण अधिनियम, 1908 और कर्नाटक पंजीकरण नियम 1965 में संशोधनों और कर्नाटक डिजिटल ई-स्टाम्प नियम 2025 जैसे नए नियमों के लागू होने के कारण ये बदलाव आ रहे हैं। कानून या प्रक्रिया में प्रत्येक परिवर्तन के लिए सॉफ्टवेयर में संगत संशोधनों की आवश्यकता होती है। राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने कहा वर्तमान में, ई-गवर्नेंस केंद्र सॉफ्टवेयर अपडेट और एकीकरण सहायता प्रदान कर रहा है। इस पर अन्य विभागों के काम का भी बोझ है। काम की गुणवत्ता सहित कई समस्याएं थीं क्योंकि अपे-क्षाएं और कार्यान्वयन अलग-अलग थे।

उन्होंने कहा यह पहल उसी काम के लिए किसी तकनीकी कंपनी को नियुक्त करने की लागत से आधी होगी। यह सेल गति, लचीलापन, लागत दक्षता और प्राथमिकताओं पर अधिक नियंत्रण लाएगा। मानवशक्ति को एक मानवशक्ति एजेंसी के माध्यम से नियुक्त किया जाएगा, और वे विभाग के अधिकारियों की देखरेख में सिस्टम अपग्रेड, एकीकरण, बग फिक्स और प्रदर्शन निगरानी का काम संभालेंगे। कार्य निष्पादन का मूल्यांकन एक विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि मौजूदा सॉफ्टवेयर डेवलपर्स को बनाए रखना भी एक चुनौती थी क्योंकि उद्योग में वेतन बहुत अधिक था, और किसी विशेष कार्य के लिए एक निश्चित वेतन काम नहीं कर रहा था।

दिल्ली विस्फोट: कर्नाटक में हाई अलर्ट, बेंगलूरु मेट्रो, ट्रेन और बस स्टेशनों की जांच

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दिल्ली के लाल किले के पास हुए बम विस्फोट के बाद राज्य में कड़े कदम उठाए गए हैं और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जांच की जा रही है, संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की जा रही है। बेंगलूरु में मेट्रो, ट्रेन और बस स्टेशनों पर श्वान दस्ता और बम निरोधक दस्ता जांच कर रहा है। कुत्तों ने हर कोने की जांच की है। सशस्त्र कर्मियों की गश्त बढ़ा दी गई है। संदिग्ध सामान की जांच की गई है। जगह-जगह बैरिकेड्स लगाए गए हैं और संदिग्ध वाहनों

की जांच की जा रही है। दिल्ली में एक भीड़-भाड़ वाली जगह पर ट्रैफिक लाइट के पास खड़ी एक हुंडई आई20 कार में विस्फोट के बाद एक नई तरह की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। विदेशों में देखी गई ऐसी साजिशें अब भारत में भी हो रही हैं, जो एक बड़ी चुनौती पेश कर रही हैं। बेंगलूरु समेत बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम के बीच ऐसे खतरनाक वाहनों का पता लगाना मुश्किल होता है। हालांकि, पुलिस सीसीटीवी के जरिए संदिग्ध वाहनों पर नजर रख रही है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी कड़ी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने सोमवार रात से गश्त बढ़ा दी है। छुट्टी पर गए कर्मचारियों को वापस बुलाकर सुरक्षा में तैनात कर दिया गया है। संवेदनशील इलाकों में रैपिड एक्शन फोर्स, सीएआर और अन्य सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। पुलिस ने आवासीय भवनों में रह रहे संदिग्ध व्यक्तियों के दस्तावेजों की जांच की है। खुफिया कर्मियों को संवेदनशी-लता से काम करने के आदेश दिए गए हैं। हवाई अड्डे पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। कर्मचारियों को अज्ञात और संदिग्ध वस्तुओं पर तुरंत ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। सिनेमाघरों, व्यावसायिक परिसरों, बाजारों, केंद्र और राज्य सरकार के कार्यालयों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बेंगलूरु सेंट्रल जेल के अंदर डांस पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद चार कैदियों पर मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में कथित वीआईपी सुविधाओं को लेकर एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर द्वारा जेल अधिकारियों पर कार्रवाई का आदेश दिए जाने से कुछ घंटे पहले, लीक हुए एक वीडियो की जांच कर रहे जेल अधिकारियों ने एक बैरक के अंदर नशे में नाच रहे चार कैदियों का पता लगाया। प्रारंभिक जांच के बाद, जेल अधिकारियों ने चार विचाराधीन कैदियों - कार्तिक उर्फ चिट्टे, धनंजय, मंजूनाथ और चरण राव - की पहचान बैरक 8 के कमरा नंबर 7 के अंदर नाचते और पार्टी करते हुए देखी। दो दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कैदी तेज संगीत पर नाचते, प्लास्टिक के डिब्बों और प्लेटों को ढोल की तरह बजाते और कथित तौर पर नाश्ते के साथ शराब पीते हुए दिखाई दे रहे थे। लापरवाही और कर्तव्यहीनता के आरोपी, अब निलंबित जेल अधिकारी इमामसाब म्यागेरी द्वारा दायर शिकायत के आधार पर, परप्पना अग्रहारा पुलिस ने कर्नाटक कारागार अधिनियम की विभिन्न धाराओं और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 323

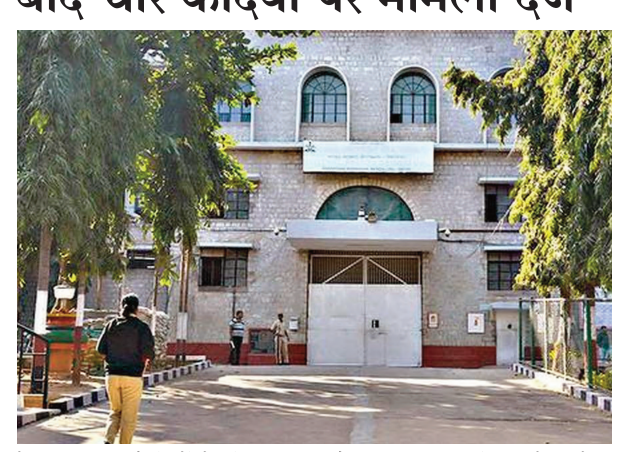

के तहत चार कैदियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, जो संपत्ति को बेईमानी या धोखाधड़ी से छिपाने से संबंधित है।

अपनी शिकायत में, म्यागेरी ने कहा कि वीडियो में न केवल कैदी नाचते और हंगामा करते दिखाई दे रहे थे, बल्कि जेल के अंदर प्रतिबंधित वस्तुओं की मौजूदगी का भी संकेत मिल रहा था। माना जा रहा है कि यह फुटेज तस्करी करके लाए गए एक मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया गया था, जिसे मीडिया में लीक कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने इस बात का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की मांग की कि फोन और प्रतिबंधित सामान जेल में कैसे पहुंचा, वीडियो किसने बनाया और इसे कैसे प्रसारित किया गया। 10 नवंबर को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक के दौरान, गृह मंत्री ने जेल कर्मचारियों द्वारा अनुशासनहीनता और लापरवाही की बार-बार होने वाली घटनाओं पर आपत्ति जताई। उन्होंने दो अधिकारियों को निलंबित करने और केंद्रीय कारागार के मुख्य अधीक्षक का तबादला करने का आदेश देते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ. परमेश्वर ने कहा जेल एक सुधारक संस्थान है, न कि पार्टियों और विशेषाधिकारों का स्थान। उन्होंने चेतावनी दी कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीसीबी की एक तकनीकी टीम लीक हुए वीडियो के स्रोत की जांच कर रही है। पुलिस ने जांच के तहत मामले के चारों आरोपियों को बॉडी वारंट पर हिरासत में लेने की तैयारी कर ली है।

सुप्रिया श्रीनेत का केंद्र सरकार पर निशाना, कहा–

देश को लग रहा है कि वह मजबूत हाथों में नहीं है

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को हालिया सुरक्षा घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री उसी दिन बरामद की गई जिस दिन लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार विस्फोट हुआ था। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार यह निर्धारित कर सकती है कि यह आतंकवादी घटना थी या नहीं। श्रीनेत ने कहा कि यह बहुत चिंता का विषय है। यह उसी दिन हुआ जिस दिन फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी। सरकार यह निर्धारित नहीं कर सकती कि यह आतंकवादी घटना थी या नहीं। ऐसे समय में जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ऐसे कठिन समय में प्रधानमंत्री मोदी भूटान गए हैं।

उन्होंने सरकार की ख़ुफ़िया जानकारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या सरकार के पास इस घटना के बारे में कोई ख़ुफ़िया जानकारी नहीं थी? सुरक्षा में गंभीर चूक हो रही है। देश को लग रहा है कि वह मज़बूत हाथों में नहीं है। देश को विश्वास में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए। सोमवार को लाल किले के पास सुभाष मार्ग ट्रैफ़िक सिग्नल के पास धीमी गति से चल रही हुंडई ळ20 कार में हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

इस घटना के संभावित आतंकी हमले जैसे दिखने के संकेतों के बीच, एनआईए सहित केंद्रीय एजेंसियों को जाँच में शामिल किया गया है। इस बीच, गृह मंत्रालय ने औपचारिक रूप से मामला एनआईए को सौंप दिया है। एनआईए अब प्रासंगिक आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत व्यापक जाँच का नेतृत्व करेगी। पहले दौर की बैठकों के समापन के बाद, गृह मंत्रालय ने इसे एक संभावित आतंकी कृत्य मानते हुए मामले की जाँच एनआईए को सौंप दी।

यह निर्णय विस्फोट की प्रकृति और उससे जुड़े संबंधों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है।

एनआईए औपचारिक रूप से दिल्ली पुलिस से जाँच का कार्यभार संभालेगी और विस्फोट में प्रयुक्त सामग्री और संभावित आतंकी संबंधों सहित मामले के सभी पहलुओं की जाँच करेगी। मामले को एनआईए को सौंपना इस घटना की व्यापक और समन्वित जाँच सुनिश्चित करने के केंद्र के इरादे को दर्शाता है। विस्फोट के बाद कई राज्यों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी, और सरकार ने सुरागों की गहनता से जाँच करते हुए किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है। सभी एजेंसियों को विस्फोट की प्रकृति और कारणों की व्यापक जाँच करने और जल्द से जल्द एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

बीएमसी चुनाव : मुंबई के 227 वार्डों का आरक्षण लॉटरी से तय, महिलाओं को आधी सीटें

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने मंगलवार को आगामी निकाय चुनावों के लिए 227 वार्डों के आरक्षण हेतु अपनी लॉटरी की घोषणा कर दी। ये चुनाव अगले साल की शुरुआत में होने की उम्मीद है। ड्रॉ सुबह 11 बजे बांद्रा पश्चिम स्थित बालगंधर्व रंगमंडी में शुरू हुआ।

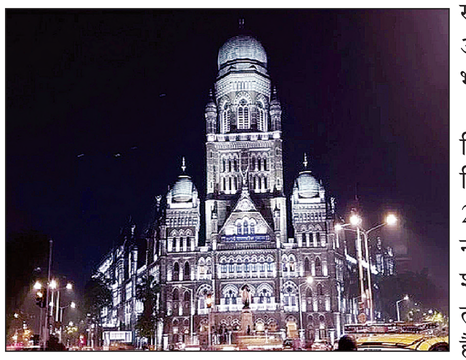

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में आगामी नगर निगम चुनावों में कुल 227 सदस्य होंगे, जिनमें से 114 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। आरक्षण का विवरण वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में प्रतिनिधित्व को दर्शाता है, जो इस प्रकार है: अनुसूचित जाति (एससी): 15 वार्ड, जिनमें से 8 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

अनुसूचित जनजाति (एसटी): 2 वार्ड, जिनमें से 1 महिलाओं के लिए आरक्षित है।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी): 61 वार्ड, जिनमें से 31 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

सामान्य श्रेणी: 149 वार्ड, जिनमें से 74 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

यह आवंटन सुनिश्चित करता है कि कुल सीटों में से 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित हों, जिससे स्थानीय शासन में लैंगिक संतुलन को बढ़ावा मिलता है। यह वितरण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व भी बनाए रखता है।

राज्य भर में 29 नगर निकायों के चुनाव, जिनमें वित्तीय रूप से महत्वपूर्ण 227 सदस्यीय बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) भी शामिल है, जनवरी 2026 तक संपन्न होने की उम्मीद है।

नागरिक 14 से 20 नवंबर तक वार्ड आरक्षण के संबंध में अपनी आपत्तियां और सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। बीएमसी आयुक्त 21 से 27 नवंबर के बीच इन आपत्तियों की समीक्षा करेंगे और अंतिम निर्णय लेने से पहले उन पर सुनवाई करेंगे।

राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के अनुसार, वार्ड आरक्षण की अंतिम सूची 28 नवंबर को जारी की जाएगी।

तुर्किये का सैन्य मालवाहक विमान जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त, अजरबैजान से भरी थी उड़ान

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

तुर्किये का एक सैन्य मालवाहक विमान मंगलवार को जॉर्जिया में अजरबैजान की सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

तुर्किये और जॉर्जियाई अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तुर्किये के समाचार चैनलों पर दिखाए गए वीडियो फुटेज में विमान को आसमान में घूमते हुए नीचे गिरते और सफेद धुएं की एक लंबी लकीर छोड़ते हुए देखा गया।

तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह सी-130 सैन्य विमान अजरबैजान से उड़ान भरकर तुर्किये लौट रहा था, तभी यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कितने लोग सवार थे, यह अभी स्पष्ट नहीं है। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तइप एर्दोआन ने संकेत दिया कि इस हादसे में कुछ लोग हताहत हुए हैं। हालांकि उन्होंने कोई विवरण साझा नहीं किया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अजरबैजान और जॉर्जिया के अधिकारियों के साथ मिलकर खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है।

जॉर्जिया के गृह मंत्रालय ने बताया कि विमान जॉर्जिया के सिगनाघी नगरपालिका क्षेत्र में अजरबैजान सीमा के पास गिरा। इस दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है। राष्ट्रपति एर्दोआन ने कहा कि वह इस हादसे बेहद दुखी हैं। उन्होंने मृतकों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

जेल में आतंकी के फोन के इस्तेमाल को लेकर गहराया विवाद, नेता विपक्ष ने की एनआईए जांच की मांग

बेंगलूरु, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक में जेल के अंदर कथित तौर पर एक संदिग्ध आतंकी के फोन इस्तेमाल करने का विवाद बढ़ता जा रहा है। विधानसभा में नेता विपक्ष आर. अशोक ने अब मांग की है कि परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में एक संदिग्ध आतंकवादी द्वारा कथित तौर पर मोबाइल का इस्तेमाल किए जाने के मामले को विस्तृत जांच के लिए छ्ख- को सौंप दिया जाना चाहिए।

बीजेपी नेता ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जानी चाहिए कि संदिग्ध आतंकवादी फोन पर किसके संपर्क में था।

बीजेपी नेता आर अशोक ने कहा कि उन्होंने सोमवार को दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट से जुड़े संदिग्ध और इस संदिग्ध आतंकवादी के बीच किसी तरह का संबंध होने का संदेह व्यक्त किया। हाल ही में कुछ वीडियो सामने आए थे, जिनमें बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में कथित तौर पर कुख्यात अपराधियों और एक संदिग्ध आतंकवादी सहित विभिन्न कैदियों को स्मार्टफोन और निजी टेलीविजन सेट जैसी विशेष सुविधाओं का आनंद लेते हुए देखा गया था।

वीडियो वायरल होने के बाद विवाद काफी बढ़ गया है। पिछले सप्ताह सामने आए वीडियो में कथित तौर पर कुख्यात अपराधियों को स्मार्टफोन का उपयोग करते हुए दिखाया गया था, जिसमें बलात्कार के आरोपी उमेश रेड्डी और एक संदिग्ध आतंकवादी- जुहाद हमीद शकील मन्ना शामिल था। आर अशोक ने कहा कि संदेह है कि दिल्ली में हुई घटना एक आतंकवादी घटना थी। इसकी पुष्टि होना अभी बाकी है और केंद्रीय जांच एजेंसियों ने इस घटना के सिलसिले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है।

बीजेपी नेता ने मीडिया कर्मियों से बातचीत में कहा कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि परप्पना अग्रहारा जेल में बंद संदिग्ध आतंकवादी का दिल्ली विस्फोट के अपराधियों से कोई संबंध है या नहीं। क्या वह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इसमें शामिल था? यह बहुत महत्वपूर्ण है। इस कोण से भी जांच होनी चाहिए। जांच एनआईए को सौंपी जानी चाहिए।

उन्होंने संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि वह फोन पर किससे बात कर रहा था? उसे फोन किसने दिया? इसके पीछे कौन है? यह सब सामने आना चाहिए। यह देशद्रोह का कृत्य है और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

इतना ही नहीं, उन्होंने इस मामले में चिकित्सकों और अन्य उच्च शिक्षित लोगों के आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता ने दिल्ली विस्फोट की घटना का हवाला दिया और कहा कि वे हाई-टेक आतंकवादी हैं और उनके प्रति अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा एक विशेष समुदाय का तुष्टीकरण ही इन सबका मूल कारण है।

तमिलनाडु चुनाव को लेकर निर्मला सीतारमण ने की भाजपा नेताओं संग बैठक

कोयंबटूर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसको लेकर भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में कोयंबटूर में भाजपा कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में कोयंबटूर और नीलगिरी संभाग के 500 से ज्यादा पार्टी नेता शामिल हुए, जिनमें प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और विधायक वनथी श्रीनिवासन भी शामिल थे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, भाजपा सरकार की योजनाएं किसानों, युवाओं, गरीबों और आम लोगों तथा महिलाओं के विकास को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। ये योजनाएं महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर निशाना साधते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि यहां के मुख्यमंत्री झूठा प्रचार कर रहे हैं कि केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को उचित वित्तीय आवंटन नहीं दिया है। अगर राज्य की डीएमके सरकार सभी योजनाएं सिर्फ कोयंबटूर के करदाताओं को ही देगी, तो क्या यह सही है?उन्होंने कहा कि यहां की सरकार केंद्र सरकार की सभी योजनाएं लागू नहीं कर रही है, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अगर सरकार सभी योजनाओं को समय से लागू कर दे तो जनता के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि केंद्र सरकार जनता के हित में कई योजनाएं चला रही है।साथ ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में लोगों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें जीएसटी कम होने से जन औषधि केंद्रों आदि जैसी विभिन्न सरकारी पहलों से लाभ मिल रहा है। इसके साथ ही एक एलआईसी बीमा सखी से भी बातचीत की और उन्हें केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

तमिलनाडु की 234 सीट के लिए विधानसभा चुनाव होना है, जिसको लेकर सभी पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने शानदार जीत दर्ज करते हुए सत्ता में वापसी की थी, जबकि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) को हार का सामना करना पड़ा था।

सपा नेता आजम खान को कोर्ट से बड़ी राहत

भड़काऊ भाषण केस में बरी, नहीं मिल पाए साक्ष्य

रामपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सिविल लाइंस थाने में छह साल पहले सपा नेता आजम खां पर दर्ज भड़काऊ भाषण के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। मंगलवार को हुई सुनवाई में साक्ष्य के अभाव में आजम खान को बरी कर दिया है।

2019 के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन एसडीएम सदर पीपी तिवारी की ओर से सपा नेता आजम खान के खिलाफ भड़काऊ भाषण का मामला दर्ज कराया गया था।

यह मामला कोर्ट में विचार-ाधीन था। इस मामले में अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से अंतिम बहस पूरी हो चुकी थी।

मंगलवार को इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के लिए सपा नेता आजम खान दोपहर में कोर्ट पहुंचे, जहां पर मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट शोभित बंसल ने साक्ष्य के अभाव में सपा नेता को बरी कर दिया।

कश्मीर से दिल्ली तक फैला डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल, जांच में चौथा एमबीबीएस गिरफ्तार

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली लाल किला विस्फोट की चल रही जाँच का दायरा बढ़ गया है, अधिकारियों ने एक और चिकित्सा पेशेवर को हिरासत में लिया है, जिसकी पहचान पुलवामा के बंदज़ू निवासी नज़ीर अहमद मल्ला के बेटे डॉ. सज्जाद अहमद मल्ला के रूप में हुई है। एमबीबीएस और एमडी की डिग्री रखने वाले डॉ. सज्जाद से 10 नवंबर को हुए विस्फोट के पीछे के आतंकी मॉड्यूल से उसके संदिग्ध संबंधों के बारे में पूछताछ की जा रही है। इस विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे और 20 से ज़्यादा घायल हुए थे। वह कश्मीर-फरीदाबाद-दिल्ली आतंकी मामले में गिरफ्तार किए गए चौथे डॉक्टर हैं। अधिकारी बढ़ते आतंकी मॉड्यूल की जाँच के तहत उसके संबंधों की जाँच कर रहे हैं।

दिल्ली विस्फोट की जाँच में अब चार डॉक्टर शामिल हैं - तीन कश्मीर से और एक लखनऊ से - जिनके बारे में माना जाता है कि वे फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल से जुड़े एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा हैं।

डॉ. उमर उल नबी डार: पुलवामा निवासी, जो अल-फलाह विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में काम करता था। बताया जाता है कि उसने विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार खरीदी थी। उसके परिवार के सदस्य डीएनए परीक्षण के लिए हिरासत में हैं।

डॉ. आदिल: अनंतनाग निवासी, इसी साल अक्टूबर में शादी हुई। वह जीएमसी अनंतनाग में बरामद एके-47 राइफल से जुड़ा है।

डॉ. मुज़म्मिल शकील: भी पुलवामा निवासी, फरीदाबाद में काम करता था, और डॉ. शाहीन के साथ उसके संबंध सामने आने के बाद उसकी जाँच चल रही है।

डॉ. शाहीन: लखनऊ की एक महिला डॉक्टर, जिस पर भर्ती और समन्वय में केंद्रीय भूमिका निभाने का संदेह है।

हरियाणा सरकार का भूतपूर्व अग्निवीरों को बड़ा तोहफा, सीधी भर्ती में मिली आयु सीमा में छूट

चंडीगढ, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार ने राज्य के मूल निवासी भूतपूर्व अग्निवीरों को सैन्य सेवा पूरी करने के बाद सीधी भर्ती के दौरान ऊपरी आयु सीमा में छूट देने का निर्णय लिया है, एक आधिकारिक बयान में कहा गया है। इस आशय का एक पत्र मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी किया गया है। सरकार के निर्णय के अनुसार, भूतपूर्व अग्निवीरों को ग्रुप बी और ग्रुप सी के पदों पर सीधी भर्ती के लिए निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट मिलेगी। इसके अतिरिक्त, भूतपूर्व अग्निवीरों के पहले बैच के सदस्यों को आयु सीमा में पाँच वर्ष की छूट मिलेगी।

सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। 17 जून को, भारत सरकार ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी करके भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 में संशोधन किया। यह संशोधन आधिकारिक तौर पर गृह मंत्रालय (एमएचए) को सशस्त्र बलों से अपने चार साल के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होने वाले अग्निवीरों के करियर की प्रगति के समन्वय और सुविधा प्रदान करने की ज़िम्मेदारी सौंपता है।

राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है, संविधान के अनुच्छेद 77 के खंड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं। अधिसूचना के अनुसार, गृह मंत्रालय नोडल मंत्रालय के रूप में कार्य करेगा और विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के साथ निकट समन्वय में काम करेगा।

भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में, शीर्षक गृह मंत्रालय के अंतर्गत, उप-शीर्षक 1. राज्य विभाग (राज्य विभाग) के अंतर्गत, प्रविष्टि 18 के पश्चात, निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, अर्थात्: - 19. भूतपूर्व अग्निवीरों की आगे की प्रगति के लिए गतिविधियों का समन्वय करना, राजपत्र अधिसूचना में आगे उल्लेख किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बाराबंकी को दी 1,734 करोड़ की सौगात

254 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

लखनऊ/बाराबंकी 11 नवंबर (एजेंसियां) ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रदेश में विरासत का सम्मान करते हुए विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। राज्य सरकार बाबा लोधेश्वर नाथ की पावन धरा को श्री काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर महादेवा कॉरिडोर में बदलने का कार्य कर रही है। हॉकी के लिए सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले बाराबंकी के लाल केडी सिंह 'बाबू' की हवेली को भव्य म्यूजियम के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री आज बाराबंकी में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती समारोह अभियान के अन्तर्गत 'एकता यात्रा' के शुभारम्भ अवसर पर 1,734 करोड़ रुपये की 254 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक,प्रमाण-पत्र वितरित किये। इस अवसर पर उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा बाबा साहब डॉ बीआर आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष नये भारत का दिग्दर्शन कराने वाला वर्ष है। अखण्ड भारत के शिल्पी लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के 150 वर्ष पूर्ण होने के साथ राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' ने अपनी रचना के 150वें वर्ष में प्रवेश किया है। यह जनजातीय समुदाय को नई पहचान देने तथा देश की स्वाधीनता की चेतना को जागरूक करने वाले भगवान बिरसा मुण्डा का 150वीं जयन्ती वर्ष भी है। बाबा साहब द्वारा रचित संविधान के 75 वर्ष पूर्ण हुए हैं। इस वर्ष की शुरुआत में प्रयागराज महाकुम्भ के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। आगामी 25 नवम्बर को 500 वर्षों की प्रतीक्षा के उपरान्त अयोध्या में निर्मित भगवान श्रीरामलला मन्दिर पर केसरिया झण्डा लहराया जाएगा। अंग्रेज नहीं चाहते थे कि भारत स्वतंत्र हो, इसके लिए उन्होंने भारत को विभिन्न तरीकों से बांटने की साजिश रची। मुगल काल व ब्रिटिश काल में इस प्रकार की विभाजनकारी कोशिशें हुईं। जो भारत हजारों वर्षों से एक व अखण्ड रहा, ब्रिटिश काल में उसके कई भाग एक-एक कर अलग होते गए। इनमें से सबसे दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन 14 अगस्त, 1947 को हुआ, जब अंग्रेजों ने भारत की दो भुजाओं को अलग कर एक बड़ी चोट दी। उनकी मंशा भारत को अलग-अलग भागों में विभाजित करने की थी, जिससे नागरिकों में यह भाव आए कि भारत एक नहीं रह सकता। भारत को आजाद करते समय अंग्रेजों ने इसे दो हिस्सों में बाँटने की शर्त रखी। देशी रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने अथवा स्वतंत्र रहने की छूट दी गई। यह लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की सूझ-बूझ तथा दृढ़ संकल्प था कि उन्होंने 563 रियासतों को शांतिपूर्ण ढंग भारत का हिस्सा बनाकर लोगों के मन में जगह बना ली। उस समय हैदराबाद का निजाम व जूनागढ़ का नवाब भारत में शामिल न होकर अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखना चाहते थे। लौहपुरुष के कड़े संदेश के उपरान्त हैदराबाद के निजाम को आत्मसमर्पण करना पड़ा तथा जूनागढ़ का नवाब पाकिस्तान भाग

गया। महमूदाबाद का राजा मुस्लिम लीग का कोषाध्यक्ष बनकर पाकिस्तान को धनराशि उपलब्ध कराता था। वह भारत की सम्पत्ति को भारत के ही खिलाफ प्रयोग कर रहा था तथा कड़ाई के बाद वह भी भाग कर पाकिस्तान चला गया। महमूदाबाद के राजा के वंशज आज भारत में अपनी सम्पत्ति प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। यह सम्पत्ति शत्रु सम्पत्ति है, जिस पर भारत के नागरिकों का अधिकार है। राष्ट्रीय एकता केवल एक शब्द नहीं बल्कि हमारी आन-बान-शान है। यह हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य है। बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1876 में 'वन्दे मातरम्' गीत की रचना कर भारत की जन चेतना को जागृत करने के लिए स्वाधीनता संग्राम का एक मंत्र दिया था। इस गीत ने राष्ट्र के यज्ञ में अपना योगदान करने के लिए लोगों को प्रेरित किया। भारत के युवा क्रान्तिकारियों ने आजादी के आन्दोलन में 'वन्दे मातरम्' गाते हुए फांसी के फन्दे को गले लगाने में संकोच नहीं किया। उन्होंने भावी पीढ़ियों को यह संदेश दिया कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। विगत 7 नवम्बर को प्रधानमंत्री ने 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम का उद्घाटन किया था। 'वन्दे मातरम्' का विरोध भारत माता का विरोध है। राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' किसी व्यक्ति, जाति, क्षेत्र, ईश्वर व उपासना विधि के प्रति आग्रही नहीं बनाता। यह भारत माता की वन्दना है, जो राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर प्रदान करती है। यह उस स्वर का प्रतीक है, जो हमारे अन्तःकरण के भाव को व्यक्त करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने माँ दुर्गा, माँ सरस्वती तथा माँ लक्ष्मी का पूजन कर भारत तथा भारतीयता को आगे बढ़ाने की शक्ति अर्जित की है। राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के माध्यम से 'शस्यश्यामलाम् मातरम्' के भाव को ध्यान में रखकर देवी के तीन रूपों की वन्दना करने का आग्रह प्रत्येक नागरिक से किया है। देशवासी राष्ट्रगीत से जुड़कर भारत की राष्ट्रीयता को मजबूती प्रदान करें। भारत की एकता और अखण्डता के प्रतीकस्वरूप राष्ट्रगीत का विरोध किसी भी दशा में नहीं होना चाहिए। कोई भी व्यक्ति, जाति व मजहब राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। देशवासियों के लिए राष्ट्र प्रथम होना चाहिए। यदि राष्ट्र सुरक्षित है, तो हम भी सुरक्षित हैं। राष्ट्र एक है, तो हम भी एक हैं। जातिवाद, परिवारवाद, क्षेत्रवाद, मत और मजहब के नाम पर विभाजन जैसी समाज की दुष्प्रवृत्तियों को कभी स्वीकार नहीं करना चाहिए। विदेशी ताकतों तथा विधर्मियों ने देश में आकर सर्वप्रथम हमें आपस में लड़ाने का काम किया। उन्होंने जातियों को आपस में लड़ाने हेतु जातीय सेनाएं खड़ी कर देश की ताकत को कमजोर किया। इतिहास केवल पढ़ने का विषय नहीं, बल्कि आत्मावलोकन का अवसर प्रदान करता है। इतिहास की गलतियों का परिमार्जन हमें तत्परता से करना चाहिए। इतिहास के गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा लेकर भविष्य को स्वच्छ और सुन्दर बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में भारत शानदार यात्रा तय कर आगे बढ़ा है। इस यात्रा में देश का विकास, गरीबों का कल्याण तथा विरासत का सम्मान निहित है। स्वतंत्र भारत में सर्वप्रथम अटल बिहारी वाजपेयी ने सरदार पटेल की जयन्ती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय समारोह के रूप में आयोजित करने का निर्णय लेकर उन्हें सम्मान देने का कार्य किया था। प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया। सरदार पटेल की जयन्ती के अवसर पर प्रत्येक जनपद में 'रन फॉर यूनिटी' का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रधानमंत्री जी ने गुजरात के केवड़िया में सरदार पटेल की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित कर एक वीरान स्थल को टूरिज्म का बेहतरीन केन्द्र बनाकर उनके विराट व्यक्तित्व के अनुरूप सम्मान देने का कार्य किया। प्रधानमंत्री द्वारा बाबा साहब डॉ भीमराव आम्बेडकर को सम्मान देने हेतु बाबा साहब से जुड़े पंच तीर्थों का विकास कार्य किया । उनकी जन्मस्थली पर भव्य स्मारक का निर्माण किया गया। इंग्लैण्ड में बाबा साहब ने जिस भवन में रहकर उच्च शिक्षा अर्जित की, उसे ब्रिटिश सरकार से खरीदकर प्रधानमंत्री ने बाबा साहब का स्मारक बनवाया। साथ ही अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु शोध केन्द्र के रूप में विकसित करने का कार्य इंग्लैण्ड में किया है। बाबा साहब ने दिल्ली के जिस भवन में रहकर अपना सार्वजनिक जीवन व्यतीत किया, उसे इण्टरनेशनल सेण्टर के रूप में विकसित किया। मुम्बई में बाबा साहब की अंतिम यात्रा स्थली चैत्य भूमि तथा नागपुर में दीक्षा स्थल पर भव्य स्मारक बनाने का कार्य किया। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में श्रीरामलला के भव्य मन्दिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

नैमिषारण्य की पौराणिक पहचान को पुनःस्थापित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के नेतृत्व में लोधेश्वर महादेव में कॉरिडोर का निर्माण काशी की तर्ज पर किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा गोला गोकर्णनाथ में कॉरिडोर निर्माण तथा मथुरा, वृन्दावन, बरसाना, गोकुल, बलदेव, गोवर्धन तीर्थ स्थलों का विकास किया जा रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भागवत भूमि शुकतीर्थ तथा विदुर कुटी का विकास कर एक भव्य कॉरिडोर बनाने का कार्य किया जा रहा है।हाल ही में जीएसटी रिफॉर्म में प्राकृतिक मेंथा पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका प्रत्यक्ष लाभ मेंथा का उत्पादन करने वाले अन्नदाता किसानों को प्राप्त हो रहा है। यहाँ के प्रगतिशील किसान पद्मश्री सम्मानित राम सरन वर्मा के अलावा सन्दीप वर्मा, मोईनुद्दीन, निमित सिंह ने कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है, जो यहाँ के लोगों के लिए प्रेरणादायी है। एफपीओ के माध्यम से अन्नदाता किसानों के जीवन में परिवर्तन लाया जा सकता है। तहसील रामसनेही घाट के ग्राम कंदई में 232 एकड़ क्षेत्रफल में बाराबंकी औद्योगिक क्षेत्र का विकास कार्य किया जाएगा। हैदरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के निकट 220 हेक्टेयर में इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर का विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। यदि प्रगतिशील अन्नदाता किसान और इण्डस्ट्री के लिए इन्वेस्टमेण्ट एक साथ आएगा, तो यहाँ की आमदनी बढ़ेगी और रोजगार का सृजन होगा। सरदार पटेल की स्मृति को जीवन्त बनाए रखने तथा उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रत्येक जनपद में कम से कम 100 एकड़ क्षेत्रफल में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल इण्डस्ट्रियल एण्ड एम्प्लॉयमेण्ट जोन का निर्माण किया जाएगा। इससे युवाओं का स्किल डेवलपमेण्ट होगा तथा अपने जनपद में ही उन्हें जॉब की गारण्टी मिलेगी। डबल इंजन सरकार प्रत्येक क्षेत्र में विकास कार्य करा रही है। 08 वर्ष पूर्व इन्फ्रास्ट्रक्चर में प्रदेश पिछड़ा तथा बीमारू राज्य माना जाता था। प्रदेश के समक्ष पहचान का संकट था। अन्नदाता किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर थे। आज सड़क, एयर, रेलवे, मेट्रो तथा इनलैण्ड वॉटर-वे कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेण्ट से प्रदेश के विकास की गति को नया आयाम मिला है। अन्नदाता किसान कई गुना अधिक मुनाफा कमा रहे हैं। अन्नदाता किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ प्राप्त हो रहा है। देश का पहला इनलैण्ड वॉटर वे तथा पहली रैपिड रेल प्रदेश में संचालित हो रही है। प्रदेश में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण कार्य आगे बढ़ा है। इसमें पहला सत्र प्रारम्भ हो चुका है।

राज्य सरकार 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' के दायरे को आगे बढ़ा रही है। प्रत्येक क्षेत्र में समग्र विकास ही विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का राज है। प्रदेश की सम्भावनाएं तथा सामर्थ्य खुलकर सामने आयी है। जब राष्ट्रीय एकता की बात हो, तो हमें आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति समर्पण और 'राष्ट्र प्रथम' भाव के साथ एकता के सूत्र में बँधना चाहिए। इससे प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना साकार होगी। जब देश आजादी के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा होगा, तब विकसित भारत के साथ विकसित उत्तर प्रदेश तथा विकसित बाराबंकी के सपने को साकार कर सकेंगे।कार्यक्रम में भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन तथा बाराबंकी के विकास पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी तथा राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन किया गया।कार्यक्रम को खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा एवं विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, विधायक दिनेश रावत, विधान परिषद सदस्य इं अवनीश कुमार सिंह, उमेश द्विवेदी, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजारोहण

अयोध्या, 11 नवंबर (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 नवंबर को अयोध्या पहुंचकर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के 161 फीट ऊंचे मुख्य शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे। ध्वजारोहण कार्यक्रम के अंतर्गत राम मंदिर के सातों शिखर पहली बार भगवा ध्वज से सुशोभित होंगे। मुख्य शिखर के ठीक नीचे विराजमान रामलला की दृष्टि जैसे ही ध्वज पर पड़ेगी, तो यह एक अलौकिक घटना के रूप में देश-विदेश के करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की स्मृति में सदा के लिए अंकित हो जाएगी।

ध्वजारोहण समारोह को अब तक का सबसे भव्य आयोजन बनाने के लिये स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उनके निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी कई दिनों से अयोध्या में डेरा डाले हुए हैं। तैयारियों की हर पल की जानकारी सीधे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाई जा रही है।

25 नवंबर को होने वाले इस आयोजन का सीधा प्रसारण दूरदर्शन सहित सभी प्रमुख न्यूज चैनलों एवं

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। वहीं, श्रीराम जन्मभूमि परिसर में 200 फीट चौड़ी विशाल एलईडी स्क्रीन लगाई जाएगी। इसके साथ ही, अयोध्या के प्रमुख चौराहों (रामपथ तिराहा, सहादतगंज, टेढ़ी बाजार, नयाघाट पुल, रिकाबगंज, लता मंगेशकर चौक, सुग्रीव किला, राम की पैड़ी सहित 30 से अधिक स्थलों) पर बड़ी-बड़ी एलईडी स्क्रीनें लगाई जाएंगी, ताकि लाखों श्रद्धालु प्रधानमंत्री को मंदिर शिखर पर ध्वज फहराते हुए लाइव देख सकें।

शहर को दीपोत्सव से भी अधिक भव्य रूप दिया जा रहा है। राम मंदिर परिसर को विशेष रोशनी से नहलाया जाएगा। जैसे ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिखर पर ध्वज फहराएंगे, वैसे ही पूरा शहर फूलों की मालाओं, रंग-बिरंगी लाइटों और भगवा ध्वजों से आच्छादित नजर आएगा। हर चौराहे पर भव्य तोरणद्वार बनाए जाएंगे, जिन पर सुनहरे अक्षरों में 'जय श्री राम' अंकित होगा।

21 से 25 नवंबर तक चलने वाले अनुष्ठानों के दौरान नगर में अभूतपूर्व सांस्कृतिक आयोजन होंगे। दीपोत्सव और प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तरह प्रमुख चौराहों और स्थलों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी कलाकारों से संपर्क कर रहे हैं ताकि रामकथा, नृत्य, भजन और लोक प्रस्तुतियों से पूरे शहर का माहौल भक्तिमय बन सके।

नगर निगम की टीमें दिन-रात साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण में लगी हैं। प्रमुख मार्गों की मरम्मत, घाटों पर रंग-रोगन, सड़क किनारे पौधारोपण कर फूलों के गमले सजाए जा रहे हैं। सरयू तट को भी स्वर्णिम रूप दिया जा रहा है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि शहर को प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तर्ज पर सजाया जा रहा है। हर गली-मोहल्ले को स्वच्छ और आकर्षक बनाया जा रहा है ताकि आने वाले लाखों श्रद्धालु अयोध्या की भव्यता को देख अभिभूत हो उठें। यह आयोजन केवल ध्वजारोहण नहीं, बल्कि रामनगरी की नई पहचान का प्रतीक होगा। यह एक ऐसा क्षण होगा जिसका पूरा देश साक्षी बनेगा और इस पावन स्मृति को युगों-युगों तक याद रखेगा।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ध्वजारोहण पूजन से निकालेगा कलश यात्रा

अयोध्या, 11 नवम्बर (एजेंसियां) । श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में ध्वजारोहण समारोह की शुरुआत 21 नवम्बर से विभिन्न मंदिरों में पूजन अर्चन से होगी, लेकिन ध्वजारोहण समारोह विधि विधान और उत्सव पूर्वक आयोजित हो उसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र पावन सलिला सरयू का भी आशीर्वाद लेगा। इसके लिए 20 नवम्बर को सरयू के कच्चे घाट से राममंदिर तक कलश यात्रा निकालेगी।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कलश यात्रा सरयू तट के कच्चे घाट से निकलेगी। कच्चे घाट से कलश यात्रा नया घाट पुलिस चौकी, वीणा चौक से छोटी देवकाली से पोस्टआफिस तिराहा पहुंचेगी और यहां से मत गजेंद्र चौराहा से तोत्राद्रिमठ होते हुए यूनियन बैंक से रामकोट बैरियर से क्रॉसिंग 2 से होते हुए राममंदिर में प्रवेश करेगी।

रोटी की तलाश में दिल्ली आया था: धमाके ने छीन लिया सहारा, मेरठ के मोहसिन की दर्दनाक मौत

मेरठ, 11 नवंबर (एजेंसियां) । देश की राजधानी दिल्ली के लाल किले के पास सोमवार को हुए ब्लास्ट ने कई परिवारों को उजाड़ दिया। इस हादसे में रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे कई मजदूर और कामगार इसकी चपेट में आए। इन्हीं में से एक मेरठ का मोहसिन भी था, जो ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पेट पालता था।

मोहसिन (35) पिछले दो साल पहले मेरठ से दिल्ली आया था। वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ दिल्ली के डिलाइट क्षेत्र में रह रहा था। रोज 500 से 600 रुपये कमाकर वह अपने परिवार का खर्च पूरा कर रहा था। सोमवार को भी वह सवारियों को लेकर जा रहा था, तभी ई-रिक्शा में हुए ब्लास्ट में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।मोहसिन की शादी लगभग 10 साल पहले हुई थी। उसके परिवार में पांच भाई और बहनें हैं। उसका परिवार मेरठ में किराए के मकान में रहता है और सभी सदस्य मजदूरी कर जीवनयापन करते हैं।

मोहसिन ही परिवार का मुख्य सहारा था, जिसकी मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।मां ने रोते बिलखते हुए बताया कि उसका नसीब ही खराब था, कई बार उसकी गाड़ी पकड़ ली गई, कई बार वह कहता था अम्मी 20 हजार रुपये दे दो! मेरा बच्चा बहुत सीधा था। अब गाड़ी भी चली गई और मेरा बच्चा भी चला गया।मोहसिन के शव को सुबह उसके पैतृक आवास पर लाया गया जहां शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों को कहना है कि मोहसिन की पत्नी दिल्ली में है, वह नहीं आई है। मोहसिन के शव को मेरठ में ही सुपुर्द ए खाक किया जाएगा।

बताया कि मोहसिन को गाने का शौक था, वह बहुत सीधा था। हम चाहते है कि आरोपियों को कड़ी सजा मिले और पीड़ितों को अर्थिक मदद मिले। मोहसिन अपने परिवार को पालने के लिए दिल्ली गया था लेकिन अब परिवार का सहारा ही छिन गया है। मोहसिन के पिता रफीक, जो हैंडलूम फैक्टरी में मजदूर हैं, उन्होंने सरकार से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि परिवार की आय पहले ही सीमित थी, अब घर का सहारा खो जाने के बाद स्थिति और भी कठिन हो गई है। परिवार ने सरकार से आर्थिक सहायता और बच्चों के भविष्य की सुरक्षा की मांग की है।

महोबा : कुएं में गिरीं तीन सगी बहनें, तीनों की मौत

महोबा, 11 नवंबर (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक हादसा सामने आया। अजनर थाना क्षेत्र के आरी गांव में तीन नाबालिग सगी बहनों के शव पुराने कुएं से बरामद किए गए। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर तीनों के शव बाहर निकलवाए और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।

महोबा के पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने बताया कि कल 112 पर एक सूचना मिली थी, जिस पर पुलिस ने तत्काल कार्यवाही की थी। उन्होंने बताया कि दिन में तीन बजे गांव आरी थाना अजनर में एक बच्ची ने बताया कि वह अपनी तीन बहनों के साथ खेल रही थी। उन्हीं खेतों में एक कुआं भी है, जिसमें दो फुट की गहराई तक पानी भरा है। उसकी गहराई 15 फीट के आसपास है। ये तीन बच्चियां खेत पर रह गई और कुएं में गिरने से उनकी मौत हो गई।इसके पहले पांच थानों की पुलिस ने मिलकर सर्च अभियान चलाया। तथ्य सामने आने के बाद कुएं से सभी शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पूरे मामले की तहकीकात की जा रही है। मौके पर सभी अधिकारी मौजूद हैं। पोस्टमार्टम के बाद सारी जानकारी दी जाएगी।पुलिस ने बताया कि आरी गांव निवासी रम्मू की तीन बेटियां घर के पास खेल रही थीं। जब वे देर रात तक वापस नहीं लौटीं, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान गांव वालों को पास के खेत में बने एक पुराने कुएं के पास बच्चों की चप्पलें दिखाई दीं।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से कुएं में तलाशी अभियान चलाया गया। तीनों बच्चियों के शव कुएं से निकाले गए। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। प्रारंभिक जांच में हादसे का ही मामला प्रतीत होता है।आशंका जताई जा रही है कि तीनों बहनें खेलते-खेलते कुएं के पास पहुंचीं और फिसलकर एक-एक कर कुएं में गिर गईं। कुआं जर्जर और खुला होने के कारण हादसा संभव हुआ। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों से बातचीत की।पुलिस ने कहा है कि मामले की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि की जाएगी। वहीं, इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है।

मौलाना तौकीर रजा की हिरासत 25 नवंबर तक बढ़ी

बरेली, 11 नवंबर (एजेंसियां) ।

फतेहगढ़ सेंट्रल जेल में निरुद्ध आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। अदालत ने 14 दिन अतिरिक्त न्यायिक हिरासत मंज़ूर करते हुए अगली पेशी 25 नवंबर तय कर दी है।

मंगलवार दोपहर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जरिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में मौलाना तौकीर रजा सहित 46 अन्य आरोपियों को पेश किया गया। अदालत ने सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ाते हुए अगली सुनवाई 25 नवंबर कर दी।

दिल्ली धमाके: सहारनपुर से लेकर नेपाल सीमा तक सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी

कई जिलों में चल रही है छानबीन

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां) ।

दिल्ली में हुए धमाके के बाद प्रदेश में सहारनपुर से लेकर नेपाल सीमा के जिलों तक पुलिस की सक्रियता बढ़ गई है। यूपी एटीएस के साथ एनआईए भी संदिग्धों की तलाश कर रही है। सहारनपुर से फरीदाबाद माड्यूल से जुड़े डॉ. आदिल की गिरफ्तारी के बाद उसके 5 करीबियों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि डॉ. आदिल पर शिकंजा कसने के बाद उसके साथ जुड़े लोग नेपाल के रास्ते भाग सकते हैं, जिसकी वजह से नेपाल सीमा के जिलों पर पुलिस चौकन्नी है।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा सहारनपुर और लखनऊ में आरोपियों के ठिकानों पर छापे के बाद यूपी एटीएस भी पूरे मामले की गहनता से पड़ताल कर रही है। वहीं, दूसरी ओर गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली धमाके की जांच एनआईए के सुपुर्द करने के बाद लखनऊ स्थित एनआईए कार्यालय भी अलर्ट पर है और कई जिलों में छानबीन शुरू कर दी गई है।

खासकर जैश-ए-मोहम्मद के स्लीपिंग माड्यूल्स जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं और उनको चिह्नित करने के साथ पूछताछ की जा रही है। एटीएस और एनआईए के अधिकारी नेपाल सीमा पर एसएसबी के संपर्क में हैं और सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। बता दें कि नेपाल सीमा से तमाम कश्मीरी नागरिक आते-जाते रहते हैं, जिसकी वजह से खास सतर्कता बरती जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर डीजीपी मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों ने दोपहर में बैठक भी की। एटीएस के अधिकारियों ने डीजीपी राजीव कृष्ण को जम्मू-कश्मीर पुलिस के ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी।

दिल्ली धमाके के बाद प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित करते ही हर जिलों में पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है। अयोध्या, मथुरा, वाराणसी के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के साथ महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों के परिसरों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। डीजीपी ने मंगलवार को कई संवेदनशील जिलों की सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लेने के साथ भीड़भाड़ वाले बाजारों, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे आदि में पुलिस बल की सक्रियता बढ़ाने के दिशा-निर्देश भी दिए हैं। वहीं जीआरपी को ट्रेनों में संदिग्धों की तलाशी लेने को कहा गया है।

सलाह

7 दिनों तक खाली पेट खाएं लहसुन और शहद, शरीर को मिलेंगे इतने फायदे

लहसुन को सबसे शक्तिशाली सुपरफूड्स में से एक माना जाता है। हालांकि, इसकी तेज गंध हर किसी को पसंद नहीं आती है, लेकिन लहसुन से कई बीमारियों को होने से पहले की रोका जा सकता है। लहसुन से एथेरोस्क्लेरोसिस, कोरोनरी हार्ट डिजीज, हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम करने में मददगार होता है।

छोटी-मोटी बीमारियों जैसे आम सर्दी, फ्लू, बुखार, फंगल इंफेक्शन, दस्त और कीड़े के काटने में कारगर इलाज साबित होता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को समाप्त कर प्रतिरक्षा बढ़ता है और यह प्रभावी रूप से पुराने ऑस्टियोअर्थराइटिस, बढ़े हुए प्रोस्टेट और मधुमेह के लक्षणों का इलाज करता है।

जब अदरक और शहद के साथ लहसुन को मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका प्रभाव अधिक बढ़ाया जाता है। यह शरीर से उन जहरीले पदार्थों को निकालने की क्षमता रखता है, जिनमें कीमोथेरेपी जैसे आक्रामक उपचार की जरूरत होती है।

बेहतर परिणाम के लिए लहसुन को कच्चा ही उपयोग करना चाहिए। लहसुन को कुचल कर करीब 15 मिनट के लिए छोड़ दें फिर खा लें। इसे कुचल कर खाने से इसमें मौजूद तत्वों की बायोअवेलेबिलिटी (जैवउपलब्धता) बढ़ जाती है। गर्म करने पर लहसुन में पाया जाने वाले एक्टिव कंपाउंड एलिसिन की क्षमता कम हो जाती है। सीधी भाषा में कहें, तो खाना पकाने से इसके चिकित्सकीय गुण कम हो जाते हैं।

लहसुन को खाली पेट खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि पेट भरा होने पर इसके पोषक तत्वों पूरी तरह अवशोषित नहीं हो पाते हैं। शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए नियमित रूप से शहद और लहसुन के टॉनिक का सेवन करना चाहिए।

एनर्जी बढ़ने के लिए यह करें

2 से 3 लहसुन की कलियों को पीस कर एक चम्मच शहद के साथ रोजाना लें। इससे शरीर की ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और कुल मिलाकर स्वास्थ्य सही रहता है।

फ्लू का टॉनिक बनाने के लिए

लहसुन की 5 कलियां कटी हुई, 2 लाल मिर्च कटी हुई, 1 चम्मच अदरक कटी हुई, एक नींबू का रस, कच्चा और अनफिल्टर्ड सेब साइडर सिरका मिलाकर पीने से फ्लू का असर नहीं होता है।

अंधेरे में मोबाइल का इस्तेमाल बना सकता है अंधा

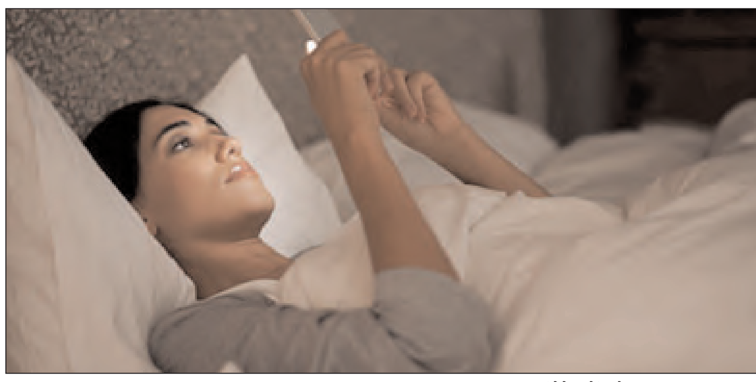

अगर आप अक्सर अंधेरे में स्मार्टफोन इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि यह आपकी आंखों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि जो लोग रात में बेड में लेटकर तीस मिनट तक मोबाइल पर नजरें गड़ाए रखते हैं, उनको अंधेपन का सामना कर पड़ सकता है।

डॉक्टरों का कहना है कि जब भी आप रात में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करें तो उसकी स्क्रीन को डार्क रखें। यानी ब्राइटनेस बिल्कुल खत्म कर दें। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में छपे में एक लेख के मुताबिक डॉक्टरों के पास इस तरह के दो केस अब तक सामने आ चुके हैं।

यह दोनों महिलाएं थीं। इन दोनों ने क्षणिक अंधेपन की बात बताई। डॉक्टर का कहना था कि क्षणिक अंधापन आंखों को नुकसान पहुंचाता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर स्मार्टफोन का इस्तेमाल सावधानी से किया जाए तो इस समस्या से दूर रहा जा सकता है।

हो सकती हैं ये परेशानियां

अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से बॉडी में मेलाटोनिन हॉर्मोन का लेवल कम होने लगता है। मेलाटोनिन हॉर्मोन का लेवल कम होने के साथ-साथ ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

अगर आप अंधेरे में रोज 30 मिनट तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं तो आंखें ड्राई होने लगती हैं, साथ ही इससे हमारी आंखों के रेटिना पर बुरा असर पड़ता है। अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से हमारी आंखों और ब्रेन पर काफी बुरा असर पड़ता है।

दो साल के बच्चे जैसे होते हैं डॉगी, समझें भाषा

पेट पैरेंट्स के दिमाग में यही सवाल कौंधता रहता है कि आखिर हमारा पेट हमसे क्या कहना चाहता है, अगर थोड़ा ध्यान दें तो पेट की भाषा को समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

कुत्ता पालना न सिर्फ एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बल्कि पेट ओनर बनने के लिए आपके अंदर ऐसी शारीरिक क्षमता होनी चाहिए कि आप अपने कुत्ते या पेट की बॉडी लैंग्वेज समझ सकें। पेट पैरेंट्स के दिमाग में यही सवाल कौंधता रहता है कि आखिर हमारा पेट हमसे क्या कहना चाहता है, या फिर ये अपनी पूंछ क्यों हिला रहा है? क्या ये इस वक्त खुश है या फिर डरा हुआ है, ये मेरे-पीछे पीछे पूरे घर में क्यों घूम रहा है? कहीं इसलिए तो नहीं कि इसको भूख लगी है या फिर ये मुझसे बहुत प्यार करता है इसलिए ऐसा कर रहा है? वैसे अगर आप थोड़ा ध्यान दें तो अपने पेट की भाषा को समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

आप उसके बिहेवियर से आसानी से जान सकते हैं कि वह इस वक्त खुश है या परेशान है। कई रिसर्च से पता चला है कि कुत्ते इंसानों खासकर टीनेजर्स की तरह न सिर्फ मूडी होते हैं, बल्कि छोटे बच्चों की तरह इमोशनल भी होते हैं। इन रिसर्चों में पता चला है कि इनके ब्रेन की बनावट इस मामले में इंसानों से मेल खाती है और उनके ब्रेन में भी ठीक वैसे ही केमिकल चेंज होते हैं, जैसे किसी इमोशनल बच्चे के दिमाग में होते हैं।

यह भी पाया गया है कि इनके दिमाग में भी दूसरों के लिए प्यार और ममता जैसे भावों के दौरान ब्रेन में बनने वाला केमिकल ऑक्सिटॉसिन बनता है। लेकिन इनके हर तरह के इमोशन को समझने के लिए फिर भी इंसान को थोड़ी मेहनत करनी होगी। एक वयस्क आदमी के बजाय कुत्ते का बिहेवियर एक दो साल के बच्चे की तरह होता है। कुत्तों के दिमाग में छोटे बच्चों वाले इमोशन ज्यादा भरे होते हैं। अपने कुत्ते के इमोशंस को समझने के लिए आपको नीचे बताए गए पॉइंट्स पर काम करना होगा ताकि आपका कुत्ता आपको समझे और आप उसे।

हमेशा पेट से हंस कर मिलें - कुत्ते बेहद सेंसिटिव होते हैं। उनके सामने आपका बिहेवियर कैसा है, यह बहुत मायने रखता है। जिस तरह एक दो साल का बच्चा आपकी तरफ अपनी हर जरूरत के लिए देखता है, उसी तरह कुत्ते का बिहेवियर आप पर डिपेंड करता है।

आपके पॉजिटिव और नेगेटिव इमोशन का उस पर बहुत बड़ा असर पड़ता है। कुत्ते इंसान की बॉडी लैंग्वेज समझने के काबिल भी होते हैं, इसलिए जरूरी है कि आप जब भी अपने पेट से मिलें तो हंस कर मिलें। अगर आप गुस्से में अपने कुत्ते को डांटते हैं और उसने अपना सिर झुका लिया है तो यह मत समझिए कि वह गिल्ट महसूस कर रहा है। इसका मतलब होता है कि वह आपके गुस्से को महसूस कर रहा है। इसलिए कुत्ते से नाराज होने पर डांटना अवॉइड ही करें, क्योंकि वह इसे नहीं समझता।

उसकी डाइट का ख्याल रखें - उसे हमेशा कंप्लीट और बैलेंस डाइट दें। यह पता लगाना कि आपके डॉग के लिए क्या अच्छा रहेगा बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि डॉग्स भी आपके बच्चों की तरह ही इमोशनल होते हैं। जबकि उनकी खाने-पीने की जरूरतें हमसे बेहद अलग होती हैं। हम लोग सोचते हैं कि हम खुद जो खाते हैं, वहीं अपने पेट को देकर हम उससे लाड़ जता रहे हैं। जबकि यह एकदम गलत है।

अगर आप भी अपने डॉग को अपने जैसी ही डाइट देते हैं, तो अपने आपसे पूछिए, क्यों छोटे बच्चों को बड़ों के मुकाबले हाई प्रोटीन, फैट और माइक्रो न्यूट्रीएंट वाला खाना दिया जाता है? क्योंकि उनकी शारीरिक रचना अलग होती है और उनकी ग्रोथ भी अलग होती है।

किसी बच्चे की तरह ही डॉग को भी प्रॉपर डाइट चाहिए होती है, जिससे उन्हें अपनी शारीरिक रचना के मुताबिक पोषण की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिले। क्या आपको पता है कि डॉग्स को अपनी डाइट में विटमिन सी की जरूरत नहीं होती, क्योंकि वे इसे खुद बना लेते हैं। जबकि वे विटामिन डी नहीं बना सकते, इसलिए उन्हें अपनी डाइट में इसकी जरूरत होती है। छोटे डॉगी को एक बच्चे के मुकाबले में तीन से चार गुना प्रोटीन और 50 गुना ज्यादा आयरन चाहिए होता है।

उसकी आंखों में देखें- आंखें आत्मा के आइने की तरह होती हैं। अमेरिकन सोसायटी फॉर द प्रिवेंशन टु क्रुअलटी टु एनिमल्स के मुताबिक, अगर आपका कुत्ता खुश और आराम में नजर आ रहा है, तो उसकी आंखें नॉर्मल शेप में होंगी। जब आपका कुत्ता अलग-अलग गतिविधियों में मशगूल होता है, तब उसकी नजरों की तरफ ध्यान देना चाहिए। अगर उसकी आंखें सामान्य से बड़ी हैं, तो वह तनाव में हो सकता है या उसे किस चीज का डर भी हो सकता है।

खान-पान

मांसाहार का बेहतर विकल्प सोया पनीर टोफू

कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर सोया पनीर बढ़ते बच्चों से लेकर गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों तक के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे सोया दूध से बनाया जाता है। टोफू शरीर में कैल्शियम और प्रोटीन के स्तर को संतुलित रखता है। जिम जाने वालों के लिए भी यह बॉडी बिल्डिंग का अच्छा विकल्प हो सकता है। **आइए जानें कैसे** -

कलेस्ट्रॉल कम करने में मददगार टोफू से शरीर में खराब कलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। अगर आप मांस की जगह टोफू का सेवन करेंगे, तो ट्राइग्लिसराइड और कलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो जाएगा।

बीमारियों से बचाए

इसके अलावा इसमें मिलने वाले ऐंटिऑक्सिडेंट शरीर में पैदा होने वाले फ्री रेडिकल्स को नष्ट करता है, जिससे आप उम्र से जवां नजर आते हैं। अगर पर्याप्त मात्रा में टोफू का सेवन किया जाए, तो यह ब्रेस्ट कैंसर, हृदय की बीमारियों और ऑस्टियोपरोसिस को भी रोकता है।

हड्डियों को मजबूत बनाए

टोफू खाने के फायदों में एक हड्डियों की मजबूती भी है। टोफू मांसपेशियों के साथ हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसमें पाए जाने वाले प्रोटीन और मिनरल्स हड्डियों को मजबूत बनाए रखते हैं। इसका उचित मात्रा में सेवन महिलाओं के लिए भी फायदेमंद होता है।

मांसाहार का अच्छा विकल्प

टोफू मांसाहार का अच्छा विकल्प होने के कारण शाकाहारियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। एक शोध से पता चला है कि नियमित और पर्याप्त मात्रा में टोफू का सेवन करने वाले मांसाहार खाने वालों की तुलना में ज्यादा प्रोटीन लेते हैं। इसमें वह सब पाया जाता है, जो मांस में होता है। इसमें अमीनो ऐसिड और आइसोफ्लेवोनिस पदार्थ पाया जाता है, जिससे मांसपेशियां तेजी से विकसित होने लगती हैं।

प्रोटीन से भरपूर

टोफू प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत है। सिर्फ आधे कप टोफू से हमें 10 ग्राम प्रोटीन मिलता है। इतना ही नहीं इस 10 ग्राम प्रोटीन में 88 कैलरी एनर्जी होती है। यह एनर्जी बिना त्वचा वाले एक मुर्गे से सिर्फ 45 कैलरी कम होती है। टोफू में जिंक, आयरन, सेलेनियम, पटेशियम और अन्य कई विटमिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं।

...तो ऐसे होगी कम पैसों में ज्यादा शॉपिंग

शॉपिंग करना भला किसे अच्छा नहीं लगता, लेकिन इसे करने का मजा तब दोगुना हो जाता है जब आप कम पैसों में ज्यादा चीजें खरीदती हैं। अगर आप प्लानिंग से चलेंगी, तो आप अपना बजट 25 त्न तक कम कर सकती हैं, **बस जरूरत है इन्हें फॉलो करने की...**

सबसे पहले उन चीजों को एक डायरी पर लिख लें, जो आपको खरीदनी हो। क्वॉन्टिटी भी जरूर लिखें। यह न हो कि चाहिए दो ड्रेस और आप खरीदकर ले आएं चार ड्रेस। लिस्ट में चीजों को प्रेफरेंस के बेस पर खरीदें।

अगर सारी चीजें न खरीद पाएं, तो जरूरी चीजें लें। चीजों पर कितना खर्च होगा उसे काउंट करें और उसमें से 25 पर्सेंट कम कर दें। खास ख्याल रखें कि अब जो खर्च आया है, उसी पर टिके रहें।

आप सोच रहे होंगे कि आखिर कैसे/ तो इसके लिए ध्यान रखें उन दिनों चल रही सेल व ऑफर्स पर। यह आपके बजट को कम कर देगा। एक ही दुकान पर जाकर शॉपिंग शुरू न कर दें। पहले दो से तीन दुकान के रेट चेक कर लें।

जगह तय करें

शॉपिंग किस मार्केट से करनी है, यह पहले डिसाइड कर लें। जगह ऐसी चुनें, जहां रीजनेबल प्राइस में अच्छी चीज मिल सके। अगर आप प्लैनिंग करके नहीं चलेंगे, तो आप केवल एक दुकान से दूसरी दुकान पर घूमते रह जाएंगे।

और आखिर में जो मिलेगा उसे खरीद लेंगे। इससे समय तो खराब होता ही है, पैसे वेस्ट होंगे। सबसे अच्छा तो यह है कि उन जगहों की लिस्ट बना लें, जहां आपकी पसंद का सामान सही प्राइस में मिलता हो। उसके बाद उन जगहों में से एक को फाइनल कर लें और वहीं शॉपिंग करें।

क्रेडिट कार्ड से तौबा

शॉपिंग करते समय क्रेडिट कार्ड का यूज न करें। दरअसल, क्रेडिट कार्ड से पेमेंट आप फटाफट करते चले जाते हैं, जबकि कैश करने पर आपको सोचना पड़ता है। क्रेडिट कार्ड से ऐसी चीजें भी खरीद ली जाती हैं, जिनकी बहुत जरूरत नहीं होती, क्योंकि उस समय दिमाग में यह रहता है कि इस समय खरीद लेते हैं, बाद में किस्त देते रहेंगे।

पता कर लें प्राइस

आपको जो सामान या चीज खरीदनी हो, उसकी जानकारी के लिए आप उनकी वेबसाइट चेक करें। इंटरनेट पर आपको अलग- अलग ब्रैंड्स के प्रॉडक्ट्स की कीमत भी पता चल जाएगी। इससे आप यह भी जान पाएंगे कि कहां कौन-सा रेट चल रहा है। कौन-सी कंपनी क्या ऑफर दे रही है और कितना/

स्कैनर पर रखें नजर

पेमेंट करते समय स्कैनर पर जरूर नजर रखें। हो सकता है कि कैशियर एक प्रॉडक्ट को दोबारा बिल में जोड़ दे या वह किसी प्रॉडक्ट की कीमत ज्यादा लिख दे।

पीक आवर्स में शॉपिंग न करें

हमेशा शॉपिंग ऐसे समय पर ही करने जाएं, जब भीड़ कम हो और पेमेंट के लिए लाइन छोटी हो। साथ ही आपके पास भी फुर्सत हो। हमें कोशिश करनी चाहिए कि शाम, रात और रविवार की दोपहर में शॉपिंग पर न जाएं।

रेसिपी

घर में ऐसे बनाएं गुजराती नमकीन चोराफली

सामग्री

गुजराती डिश में हम आपको एक गुजराती नमकीन की रेसिपी बताने जा रहे हैं। इसे एक बार बनाकर रखने से आप इसे एक महीने तक खा सकते हैं। गुजराती नमकीन का नाम चोराफली है।

इस नमकीन को चोराफली फाफड़ा भी कहते हैं। आमतौर पर गुजरात में चोराफली त्योहारों पर बनाया जाता है, लेकिन कुरकुरे और चटपटे चोराफली को आप अपने स्नैक्स के लिए बनाकर रख सकते हैं।

चोराफली के लिए सामग्री

- बेसन- 100 ग्राम
- उरद दाल का आटा- 50 ग्राम
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- तलने के लिए
- बेकिंग सोडा(मीठा सोडा)- 1/2 छोटा चम्मच
- काला नमक- 1/2 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच

ऐसे बनाएं

- » चोराफली को बनाने के लिए बेसन, उरद दाल का आटा, 2 टेबल स्पून तेल और नमक डालकर मिला लें
- » इसे पानी की मदद से सख्त आटा गूंथ लें
- » तैयार आटे को 1 घंटे के लिए ढककर रख दें
- » एक घंटे के बाद आटे को एक बार फिर अच्छे से मसलते हुए सॉफ्ट कर लें
- » अब इसकी छोटी-छोटी लोइयां काटें

लोइयों को पतला बेलें

- » तैयार पूरी को 1-1.5 सेमी की चौड़ाई में लंबी-लंबी पट्टियों में काट लें
- » इसके बाद कढ़ाई में तेल गर्म करें और इन्हें तलें
- » जब ये फूलकर उपर आ जाएं तो इन्हें पलटें और हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें
- » गर्म चोराफली पर ही काला नमक और लालमिर्च पाउडर छिड़ककर मिक्स करें
- » इस तरह तैयार गुजराती नमकीन चोराफली

माउथवॉश से दूर हो जाएंगी स्किन की पुरानी से पुरानी परेशानियां, ऐसे करें ट्राई

मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए लोग माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं। क्या आपको पता है कि माउथवॉश सिर्फ मुंह की दुर्गंध के लिए ही नहीं बल्कि और भी कई परेशानियों का हल है।

माउथवॉश से जुड़े ब्यूटी टिप्स शायद ही महिलाओं को मालूम हों। माउथवॉश से ब्यूटी से जुड़ी कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। अगली स्लाइड में जानिए माउथवॉश को किस तरह इस्तेमाल करने से स्किन की समस्याएं दूर हो जाएंगी।

मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए लोग माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं। क्या आपको पता है कि माउथवॉश सिर्फ मुंह की दुर्गंध के लिए ही नहीं बल्कि और भी कई परेशानियों का हल है।

माउथवॉश से जुड़े ब्यूटी टिप्स शायद ही महिलाओं को मालूम हों। माउथवॉश से ब्यूटी से जुड़ी कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। अगली स्लाइड में जानिए माउथवॉश को किस तरह इस्तेमाल करने से स्किन की समस्याएं दूर हो जाएंगी।

रूसी

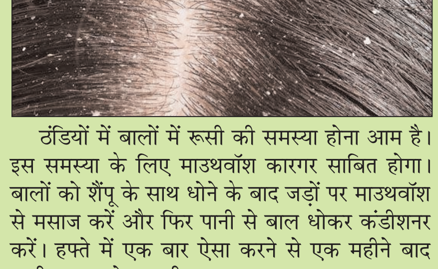

ठंडियों में बालों में रूसी की समस्या होना आम है। इस समस्या के लिए माउथवॉश कारगर साबित होगा। बालों को शैंपू के साथ धोने के बाद जड़ों पर माउथवॉश से मसाज करें और फिर पानी से बाल धोकर कंडीशनर करें। हफ्ते में एक बार ऐसा करने से एक महीने बाद रूसी गायब हो जाएगी।

संपादकीय

पाक का 'संवैधानिक तानाशाह'

सैयद असीम मुनीर अहमद शाह को पाकिस्तान का 'शहंशाह' कहें अथवा 'संवैधानिक तानाशाह' कहें या बेताज बादशाह कह लें, लेकिन वह ऐसे शख्स हैं, जो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सर्वोच्च अदालत से भी 'सुप्रीम' हैं। दुनिया में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। सैन्य शासक 'तानाशाह' हो सकते हैं या उत्तरी कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन है, लेकिन कोई देश जम्हूरियत (लोकतंत्र) का स्वांग भरे, चुनाव कराने का ढोंग किया जाए, वहां का सेना प्रमुख, अंततः, 'मुल्क का शहंशाह' बन जाए, यह विरला उदाहरण पाकिस्तान में ही सामने आया है। 'कठपुतली प्रधानमंत्री' शहबाज शरीफ शुक्र मना सकते हैं कि उनकी हुकूमत का तख्तापलट नहीं किया गया। अलबत्ता पाकिस्तान में कथित निर्वाचित सरकारों की हुकूमतें पलटी जाती रही हैं और सेना प्रमुख 'तानाशाह राष्ट्रपति' बनते रहे हैं। अयूब खान, याह्या खान, जिया उल हक और परवेज मुशर्रफ सरीखे तानाशाहों ने पाकिस्तान पर हुकूमत की है, लेकिन उनके अंत बेहद त्रासद् और दयनीय रहे हैं। मौजूदा फील्ड मार्शल एवं सेना प्रमुख जनरल मुनीर इन तमाम तानाशाहों को पीछे छोड़ कर एक ऐसा उदाहरण बन चुके हैं, जो दुनिया में लोकतंत्र, संविधान, संसद, मानवाधिकार सरीखी व्यवस्थाओं और उनके नागरिक मूल्यों को चिढ़ा रहे हैं। उनका मखौल उड़ा रहे हैं। मुनीर खुद ही पाकिस्तान का 'नया तानाशाह' नहीं बना। उन्होंने हुकूमत और संसद को विवश किया है। संसद और सीनेट में यह संविधान संशोधन पारित किया गया है और मुनीर के लिए एक नए पद का सृजन किया गया है-'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ)।' यह पद 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' भारत में भी है, लेकिन वह निरंकुश और स्वयंभू नहीं है। वह राष्ट्रपति और केंद्रीय कैबिनेट के अधीन सेवारत है। पाकिस्तान के सीडीएफ मुनीर को न तो राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री हटा सकते हैं और न ही सर्वोच्च अदालत में कोई केस किया जा सकता है। वह कानून और अपराध से बहुत परे हैं। वह ताउम्र फौजी की वर्दी पहन सकेंगे और थल सेना, वायुसेना, नौसेना के प्रमुखों की नियुक्ति करेंगे। दरअसल अब पाकिस्तान में राष्ट्रपति सेनाओं के सुप्रीम कमांडर नहीं, बल्कि सीडीएफ मुनीर नए 'सर्वोच्च जनरल' होंगे। तीनों सेनाएं और उनके प्रमुख अब सीडीएफ को जवाबदेह होंगे। जाहिर है कि राष्ट्रपति भी 'कठपुतली' बन कर रह जाएंगे। मुनीर को उनकी नई सत्ता से बेदखल करने का एक ही अंतिम रास्ता है-संसद में महाभियोग सरीखा प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित कराना। यह भी असंभव लगता है, क्योंकि उस प्रस्ताव की इजाजत फौज से भी ली जाएगी। क्या कोई सेना प्रमुख अपने सीडीएफ के खिलाफ महाभियोग की अनुमति देने का दुस्साहस कर सकता है? दूसरा असंभव-सा रास्ता यह लगता है कि अंततः अदालती फैसलों के बाद इमरान खान जेल से बाहर आएं और उनके नेतृत्व में पाकिस्तान की अवाम सड़कों पर बिछ जाए। उस आंदोलन को 'जमात-ए-इस्लामी' का भी समर्थन हो। मरने-कटने की परवाह न हो। आजादी की नई लड़ाई जैसा संघर्ष हो, तब मुनीर को पाकिस्तान छोड़ कर भागने को विवश किया जा सकता है! दुनिया में बड़े-बड़े, ताकतवर राष्ट्रध्यक्षों, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों को देश छोड़ कर भागने पर मजबूर होना पड़ा है, इसका इतिहास साक्षी है। पाकिस्तान के भी बदतर हालात हैं। अफगानिस्तान के तालिबान, बलूच लड़ाके, टीटीपी, टीएलपी, पाक अधिकृत कश्मीर के विद्रोही आदि ने चारों तरफ से पाकिस्तान को घेर रखा है। अफगान तालिबान ने पाकिस्तान को सात खंडों में विभाजित करने को मोर्चे तैनात कर लिए हैं। विद्रोही पाकिस्तान के पंजाब तक पहुंच चुके हैं और इस्लामाबाद को हिला देने की हुंकारें भर रहे हैं। खैबर, बलूचिस्तान, अफगान सीमा पर पाकिस्तान के फौजियों को विस्फोटों से उड़ा कर मारा जा रहा है। उनकी चौकियों पर कब्जे किए जा रहे हैं। सीडीएफ बनकर मुनीर कौन-सा मोर्चा फतेह कर लेगा? वह अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ 'सौदेबाजी' कर सकता है और मुल्क का शहंशाह बन सकता है। सवाल है कि अमरीकी राष्ट्रपति कब तक और किसके सगे हुए हैं? मुनीर पाकिस्तान के दुर्लभ खनिजों के सौदे अमरीका के साथ नहीं कर सकते, क्योंकि वहां विद्रोही सशस्त्र तैनात हैं और वे अब पाकिस्तान से अलग होने पर आमादा हैं।

सैन्य शासक 'तानाशाह' हो सकते हैं या उत्तरी कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन है, लेकिन कोई देश जम्हूरियत (लोकतंत्र) का स्वांग भरे, चुनाव कराने का ढोंग किया जाए, वहां का सेना प्रमुख, अंततः, 'मुल्क का शहंशाह' बन जाए, यह विरला उदाहरण पाकिस्तान में ही सामने आया है। 'कठपुतली प्रधानमंत्री' शहबाज शरीफ शुक्र मना सकते हैं कि उनकी हुकूमत का तख्तापलट नहीं किया गया। अलबत्ता पाकिस्तान में कथित निर्वाचित सरकारों की हुकूमतें पलटी जाती रही हैं और सेना प्रमुख 'तानाशाह राष्ट्रपति' बनते रहे हैं। अयूब खान, याह्या खान, जिया उल हक और परवेज मुशर्रफ सरीखे तानाशाहों ने पाकिस्तान पर हुकूमत की है, लेकिन उनके अंत बेहद त्रासद् और दयनीय रहे हैं। मौजूदा फील्ड मार्शल एवं सेना प्रमुख जनरल मुनीर इन तमाम तानाशाहों को पीछे छोड़ कर एक ऐसा उदाहरण बन चुके हैं, जो दुनिया में लोकतंत्र, संविधान, संसद, मानवाधिकार सरीखी व्यवस्थाओं और उनके नागरिक मूल्यों को चिढ़ा रहे हैं। उनका मखौल उड़ा रहे हैं। मुनीर खुद ही पाकिस्तान का 'नया तानाशाह' नहीं बना। उन्होंने हुकूमत और संसद को विवश किया है। संसद और सीनेट में यह संविधान संशोधन पारित किया गया है और मुनीर के लिए एक नए पद का सृजन किया गया है- 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ)।' यह पद 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' भारत में भी है, लेकिन वह निरंकुश और स्वयंभू नहीं है। वह राष्ट्रपति और केंद्रीय कैबिनेट के अधीन सेवारत है। पाकिस्तान के सीडीएफ मुनीर को न तो राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री हटा सकते हैं और न ही सर्वोच्च अदालत में कोई केस किया जा सकता है।

कुछ अलग

दंभी को सबक

एक बार गौतम बुद्ध से एक जमींदार मिलने आया, जो दंभ की भावना से ग्रस्त था और साधारण व गरीब लोगों को तुच्छ समझता था। बुद्ध उसकी मानसिकता समझ गए। उन्होंने अपने कक्ष में अंधेरा करवाया और उस जमींदार से उसकी कीमती रत्नजड़ित अंगूठी लेकर फर्श पर गिरा दी। अंगूठी गिरने की आवाज सुनते ही जमींदार ने तुरंत पत्थर मंगवाया और उससे आग जलाकर रोशनी की। पल भर में उसने अंगूठी खोज ली। बुद्ध मुस्कुराए और बोले, 'देखो, दो कौड़ी के पत्थर की वजह से तुम्हें अपनी कीमती अंगूठी मिल गई। अब सोचो, जिन्हें तुम तुच्छ समझते हो, वही समाज में असली प्रकाश ला सकते हैं।' यह सुनकर जमींदार का हृदय परिवर्तन हो गया। उसने अपनी सोच बदल ली और सबको सम्मान से देखने लगा।

एग्रो विकास के अवसरों और संभावनाओं का उत्तर प्रदेश में बहुत महत्व है

एग्रो इकॉनमी बना सकती है यूपी को विकसित उत्तर प्रदेश

पंकज जायसवाल

1 ट्रिलियन डॉलर का मतलब लगभग 90 लाख करोड़ रुपये है जबकि यूपी की वर्तमान जीडीपी लगभग 30 .8 लाख करोड़ रुपये है। इसका मतलब है कि यूपी को 1 ट्रिलियन $ अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्तमान जीडीपी से 2 गुना अधिक लक्ष्य प्राप्त करना है। वर्तमान का 30 .8 लाख करोड़ भी बीते 6 साल में दुगुना हुआ है . यह अच्छी छलांग है . यह बैंकिंग प्रोत्साहन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और कर की आसानी के विभिन्न उपायों के माध्यम से गैर-रिपोर्टिंग सौदों को कवर कर लेने से लगभग दोगुना तो हो सकता है लेकिन फिर भी, तीन गुना और 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक बड़े अंतर को पाटना होगा। यदि सीएम योगी आदित्यनाथ इस लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं तो उन्हें यूपी को दुनिया में एग्रो इकॉनमी का अगुवा बनाना होगा और प्रदेश को उपभोक्ता राज्य से निर्यात राज्य में बदलना होगा। एग्रो इकोनॉमिक्स, सप्लाई चेन इंफ्रा, एमएसएमई और ओडीओपी कार्यान्वयन इस 1 लक्ष्य में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ आने वाले कुछ सालों में यूपी की 1 ट्रिलियन अमरीकी डालर की अर्थव्यवस्था को लक्षित कर रहे हैं तथा साल 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य लेकर चल रहें हैं। इस अभियान में प्रवासियों को जोड़ने के लिए हिस्सा मैं भी रहा हूँ. 1 ट्रिलियन डॉलर का मतलब लगभग 90 लाख करोड़ रुपये है जबकि यूपी की वर्तमान जीडीपी लगभग 30.8 लाख करोड़ रूपये है। इसका मतलब है कि यूपी को 1 ट्रिलियन $ अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्तमान जीडीपी से 2 गुना अधिक लक्ष्य प्राप्त करना है। वर्तमान का 30.8 लाख करोड़ भी बीते 6 साल में दुगुना हुआ है. यह अच्छी छलांग है. यह बैंकिंग प्रोत्साहन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और कर की आसानी के विभिन्न उपायों के माध्यम से गैर-रिपोर्टिंग सौदों को कवर कर लेने से लगभग दोगुना तो हो सकता है लेकिन फिर भी, तीन गुना और 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक बड़े अंतर को पाटना होगा। यदि सीएम योगी आदित्यनाथ इस लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं तो उन्हें यूपी को दुनिया में एग्रो इकॉनमी का अगुवा बनाना होगा और प्रदेश को उपभोक्ता राज्य से निर्यात राज्य में बदलना होगा। एग्रो इकोनॉमिक्स, सप्लाई चेन इंफ्रा, एमएसएमई और ओडीओपी कार्यान्वयन इस 1 लक्ष्य में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। एग्रो विकास के अवसरों और संभावनाओं का उत्तर प्रदेश में बहुत महत्व है। हमें मालूम है, किसी भी उद्योग को चलाने के लिए फैक्ट्री, मैनपावर, टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट, सपोर्ट सिस्टम और फाइनेंस की जरूरत होती है और यूपी में हमारे पास सभी चीजें हैं। यूपी में, एग्रो इकोनॉमी के लिए फैक्ट्री की तरह सर्वोत्तम उपलब्ध कृषि भूमि, सर्वोत्तम श्रम, सर्वोत्तम कृषि विश्वविद्यालय हैं और यूपी के पास बेस्ट ब्रेन हैं. यूपी में नदी, रेल और चारों तरह के मौसम का एक प्राकृतिक सपोर्ट सिस्टम उपलब्ध है, एक सूत्र में पिरोने का काम तो योगी आदित्यनाथ कर ही रहें हैं. केवल वित्त ही यूपी का एक समस्या क्षेत्र है जहाँ नीति-निर्माताओं को ध्यान देने की आवश्यकता है. इस कृषि अर्थशास्त्र के लिए यूपी के पास पांच प्रमुख रास्ते हैं। सबसे पहले, रेलवे, यूपी के पास रेलवे का बहुत अच्छा नेटवर्क है जो सभी प्रकार के पोर्ट के साथ वेयरहाउसिंग कोल्ड स्टोरेज और लिंकेज की स्थापना करके आपूर्ति श्रृंखला इन्फ्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। दूसरा, राजमार्ग, आजकल यूपी के पास भारत के सर्वश्रेष्ठ राजमार्ग हैं। तीसरा, आई-वे, लगभग सर्वश्रेष्ठ टेक्नोक्रेट यूपी के हैं और उनके आईटी इनपुट विकास श्रृंखला प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। चौथा, एयरवेज, रीजनल कनेक्टिविटी और कार्गो एयरपोर्ट लिंक। पांचवें, जलमार्ग, यूपी में प्राचीन नदी परिवहन प्रणाली थी और अगर हम इसे पुनर्जीवित करते हैं तो लागत-प्रभावशीलता और परिवहन की आवाजाही आपूर्ति श्रृंखला में क्रांति ला सकती है। उपरोक्त प्रमुख तरीकों को चैनलाइज़ करने और सक्रिय करने के लिए सरकार को कुछ चुनौतियों का समाधान करना होगा। पहली

चुनौती यह है कि यदि फसल की लागत अधिक होगी तो खाद्य कीमतें अपने आप उच्च होंगी जिससे समाज का मध्य वर्ग प्रभावित होगा और दूसरी तरह अगर फसल की कीमत कम है तो किसान बुरी तरह प्रभावित होगा। दूसरी चुनौती, एग्रो इकोनॉमिक्स पूरी तरह से प्रकृति पर निर्भर है जो अपने आप में अनिश्चित है. मौसम में कोई भी बदलाव किसान को बुरी तरह प्रभावित करता है। तीसरी चुनौती यह है कि फसल के नुकसान की बीमा प्रक्रिया उतनी आसान और अनुकूल नहीं है। किसान का पूरा स्टॉक बिना किसी सुरक्षा के खुले आसमान के नीचे है। चौथी चुनौती है, परिवार के विभाजन के कारण व्यक्तिगत किसान के हाथ में अंतिम भूमि दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। पांचवी चुनौती है किसान की युवा अगली पीढ़ी अब खेती से खुद को विदा कर रही है। छठी चुनौती बाजार की कम पहुंच, तीव्र मार्केटिंग की कम जानकारी, सप्लाई चेन, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी की है। उपरोक्त चुनौतियों के समाधान के रूप में, किसान को जितना संभव हो, उतना बाजार से प्रत्यक्ष जुड़ा होना चाहिए। जितना किसान बाजार से प्रत्यक्ष जुड़ा होगा, उसे बाजार से अधिक लाभ मिलेगा। ई-कॉमर्स पोर्टल, मोबाइल ऐप या ऑनलाइन डेटाबेस मॉडल का उपयोग का इस्तेमाल इसके लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, सरकार को बुनियादी आवश्यकता और गैर-बुनियादी आवश्यकता के बीच माल और फसलों की समीक्षा करनी चाहिए। गैर-बुनियादी आवश्यकता वाली फसलों को खुले बाजार में छोड़ देना चाहिए ताकि किसानों को लाभ हो सके। इसके लिए, यदि एपीएमसी अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता है तो सरकार को ऐसा करना चाहिए। यदि मुद्रास्फीति के कारण कुछ फसलों पर मूल्य प्रतिबंध है, तो एक किसान को मिश्रित फसल की खेती के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। किसान को सिखाया जाना चाहिए कि खेती में नवीनतम तकनीक और नवाचार का उपयोग करके उत्पादन की लागत में कटौती कैसे करें, यह दोनों उसे मूल्य प्रतिबंधों के जोखिम से बचाने में मदद करेगा। कैश क्रॉप और मिक्स क्रॉप प्रमोशन भी उन्हें कीमत से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करेंगे। दूसरी और तीसरी चुनौतियों के लिए, वर्तमान बीमा प्रथाओं पर समीक्षा की आवश्यकता है। निजी बीमा कंपनी और जीआईसी को पूरी तरह से एक समीक्षा और योजना बनानी चाहिए ताकि फसल सर्वेक्षण आसान हो सके और क्षेत्रवार बीमा मुआवजे के बजाय इसे व्यक्तिगत खेती की जमीन के नुक्सान के आधार पर दिया जा सके। चौथी चुनौती, जो सबसे बड़ी समस्या है, वह है भूमि के आकार दिन-ब-दिन छोटा होना। सरकार को जागरूकता शिविरों का आयोजन करना चाहिए जिसमें उन्हें भूमि विभाजन के नुकसान के बारे में बताना चाहिए। किसान को सहकारी खेती और किसान उत्पादक कंपनी के बारे में शिक्षित और प्रेरित किया जाना चाहिए। पांचवीं चुनौती, युवाओं को खेती के लिए आकर्षित करना है। यह केवल सरकार, शैक्षिक संस्थानों, बैंकिंग, बीमा और पूंजी बाजार संस्थानों के संयुक्त प्रयास से ही हो सकता है। एमबीए, एग्रो इंजीनियरिंग या एग्रो डिग्री के बाद एक युवा खेती के लिए आकर्षित होगा यदि वे इसमें अच्छे मौद्रिक संख्या देखेंगे। यदि कोई भी शिक्षित व्यक्ति सहकारी या अनुबंध खेती के माध्यम से 20 एकड़ से अधिक भूमि प्राप्त करता है और अपनी विशेषज्ञता, बैंक, बीमा का उपयोग करता है, और सरकार उसे धन और बीमा की सुविधा प्रदान करती है तो निश्चित रूप से वह इस उद्यम में अच्छे नंबर देख सकता है। वह स्वयं लाखों लाभ प्राप्त करेगा और सहयोगी भूमि मालिक किसान सदस्यों को भी समय पर लाखों लाभ प्राप्त होंगे। नए नवाचार और तकनीकों का ज्ञान युवाओं को लागत में कटौती करने और उत्पादन को अधिकतम करने में मदद करेगा और किसान अंततः लाभान्वित होंगे। नई बीमा पॉलिसी उन सभी को किसी भी जोखिम से बचाएगी। इस वित्त पोषण के अवसरों के साथ-साथ एग्रो इकोनॉमिक्स में वेंचर फंडिंग को भी बढ़ावा देना चाहिए। छठी चुनौती के लिए यूपी को एग्रो कार्गो हवाई अड्डे के माध्यम से यूपी के लैंडलॉक को तोड़ना है। जेवर एयरपोर्ट पर बन रहे कार्गो पोर्ट से हम इसे तोड़ रहें हैं. एक ऐसा ही कार्गो एयरपोर्ट पूर्वांचल में भी बनना चाहिए. हम जानते हैं कि भारत के साथ-साथ दुनिया के विकसित राज्य, आम तौर पर समुद्र किनारे हैं जबकि यूपी और इसी तरह के अन्य देश लैंडलॉक हैं जिसके कारण उनके एग्रो इकोनॉमिक्स में आपूर्ति श्रृंखला एक बड़ी समस्या है। एग्रो प्रोडक्शंस में से कई उत्पाद अल्प आयु वाले होते हैं और अगर इसे उचित समय में नहीं पहुंचाया गया तो ये ख़राब हो जाते हैं, इसलिए महत्वपूर्ण समाधान है लैंड लॉक को तोड़ना। सरकार को इसके लिए कार्गो एयरपोर्ट को रेल नेटवर्क से जोड़ना चाहिए क्यूँकि दूर-दराज के इलाकों में भी यूपी का बहुत समृद्ध रेल नेटवर्क है। रेलवे के पास लैंड बैंक की बहुत अच्छी मात्रा है। यदि रेलवे अपने लैंड बैंक का उपयोग विभिन्न पहचाने गए स्थानों पर वेयरहाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज के लिए करता है तो किसान ही नहीं, रेलवे भी इससे अच्छी कमाई कर सकता है। आगे डेटा के एकीकरण और ई-कॉमर्स के संवर्धन के माध्यम से, इसे बढ़ाया जा सकता है। एक समेकित डेटाबेस को सभी फसलों, उत्पादन और एक जिला एक उत्पाद जानकारी से भर इसे ग्लोबल मार्केट से अच्छी तरह से जोड़ा जा सकता है।

देश दुनिया से

सीमाओं की आंतरिक सुरक्षा की चुनौती का मुकाबला

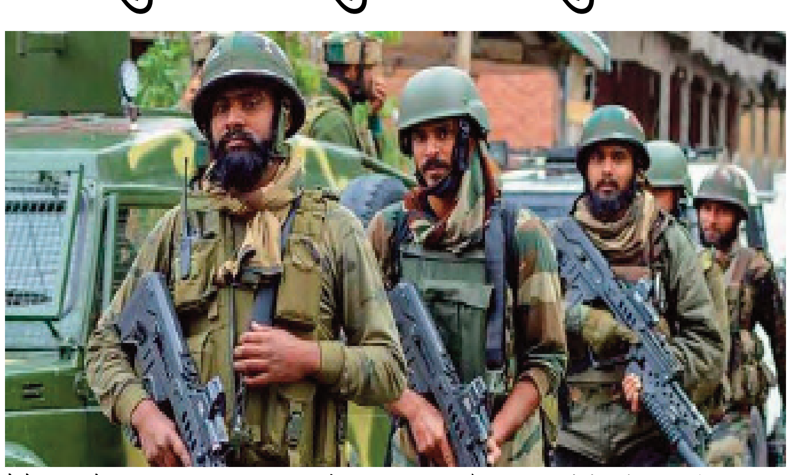

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत, पहली प्राथमिकता सीमावर्ती राज्यों से स्थानीय पलायन रोकने, दूसरे सीमावर्ती राज्यों के निवासियों को केन्द्र-राज्य सरकारों के कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत लाभ मिले। तीसरा सीमा व उसकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। भारत की हजारों किलोमीटर की सीमा कई देशों से लगती है जिनमें चीन, म्यांमार, पाकिस्तान और बांग्लादेश ऐसे हैं जहां से हमारे लिए खतरा है। इन सीमाओं की रक्षा के लिए भारतीय सेना व सीमा सुरक्षा बल मजबूती से तैनात है। लेकिन एक नई आंतरिक समस्या सिर उठा रही है। यानी दुश्मन हमें भीतर से कमजोर करना चाहता है। इसके तहत सीमावर्ती इलाकों में वह अपने लोग तो बसा ही रहा है, हमारे इलाकों में कई तरह के ढांचे तैयार करवाने की कोशिश कर रहा है। समस्या यह है कि उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कठिन जीवन होने के कारण वहां से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है और कई महत्वपूर्ण जगहों पर तो स्थानीय निवासी हैं ही नहीं। उत्तराखंड में तो यह बहुत बड़ा सिरदर्द है जहां 275 किलोमीटर की सीमा चीन से लगती है। वहां के गांवों में बड़े स्तर पर पलायन से वहां सन्नाटा है और दुश्मन के लिए मौका है। ऐसा ही खतरा पंजाब और बंगाल में है जहां दुश्मन बहुत सक्रिय है। बांग्लादेश से लगती बंगाल, त्रिपुरा और असम के सीमावर्ती इलाकों में तो डेमोग्राफिक बदलाव देखे जा रहे हैं। वहां सीमा पर धार्मिक ढांचे भी बनाये जा रहे हैं। जिससे सीमा की सुरक्षा को खतरा है। इन राज्यों में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों और यहां तक कि रोहिंग्याओं का घुसपैठ होता रहा है और इन्हें इन धार्मिक स्थानों में शरण तक मिल जाती है। यह खतरे की घंटी है क्योंकि इससे हमारी सीमाएं असुरक्षित हो जाती हैं। इसे ध्यान में रखकर ही गृह मंत्रालय ने बंगाल सहित सत्रह राज्य सरकारों को पत्र लिखा है और उनसे फौरन कार्रवाई करने को कहा है। इतना ही नहीं गृह मंत्री ने बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान वगैरह देशों से सटे राज्यों की सरकारों को कहा है कि वे सीमा के अंदर 30 किलोमीटर तक बने अवैध धार्मिक ढांचों को गिरा दें। दरअसल आसन्न खतरे को देखते हुए भारत सरकार और गृह मंत्रालय ने अपनी नीति में अग्रसक्रिय यानी पहले ही सक्रिय हो जाने की नीति अपनाई है ताकि किसी तरह की विपरीत समस्या से मुकाबला करने का अवसर न आये। डेमोग्राफिक चेंज यानी जनसांख्यिकीय बदलाव देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। ऐसा जानबूझकर किया जा रहा है और यह स्वाभाविक रूप से नहीं हुआ है। इससे दुश्मन को मदद मिल सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से यह मुद्दा उठाया था और कहा था कि सीमावर्ती राज्यों में एक साजिश के तहत जनसांख्यिकीय बदलाव किया जा रहा है। यह देश की सुरक्षा को बड़ा खतरा है। इसका मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री ने उच्च अधिकार वाली जनसांख्यिकी बदलाव मिशन तैयार करने की घोषणा भी की ताकि स्थानीय आबादी को बाहर वालों से बदलने की साजिश को रोकें। इस रणनीति के तहत हाल ही में दो दिनी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम वर्कशॉप किया गया। इसमें गृह मंत्री ने जिला कलेक्टरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने जिलों में सीमा से 30 किलोमीटर तक के अवैध धार्मिक ढांचों को ढहा दें। यह रणनीतिक कदम समस्या खड़ी होने से पहले उठा लिया जाए। जीवंत गांव कार्यक्रम यानी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम तीन बिंदुओं पर आधारित हैं। पहला तो यह है कि सीमावर्ती राज्यों से स्थानीय पलायन रोका जाये। दूसरे सीमावर्ती राज्यों के निवासियों को केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत लाभ मिले। तीसरा यह है कि इस प्रोग्राम के तहत सीमा और उसकी सुरक्षा को और मजबूत करने के उपाय किये जायें। इस कार्यक्रम के तहत पहले से चिन्हित गांवों को जल्दी ही राष्ट्रीय और सीमा सुरक्षा के केन्द्र में लाया जायेगा। सरकार वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगी। साथ ही वहां की संस्कृति को बनाये रखने में मदद करेगी। इन इलाकों में पर्यटन के जरिये रोजगार सृजित होंगे। अरुणाचल प्रदेश में तो कार्यक्रम कार्यान्वयन से कई सीमावर्ती गांवों में जनसंख्या में बढ़ोतरी भी हुई है। इस जीवंत गांव कार्यक्रम का केन्द्र सरकार ने पूरी तरह से वित्त पोषण किया है। ताकि हमारे सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित और जीवंत रहें। इन गांवों पर कुल 6,839 करोड़ रुपये का खर्च करने की योजना बनाई गई है। यह धन अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के उन गांवों पर 2028-29 तक खर्च किया जायेगा, जिनकी रणनीतिक भूमिका है। केन्द्र सरकार सुधार, निष्पादन और परिवर्तन के मंत्र को लेकर चल रही है ताकि देश के सुरक्षातंत्र को मजबूत किया जा सके। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण से बचाने का काम चलता रहेगा क्योंकि यह उसकी संपूर्ण सुरक्षा रणनीति का मुख्य तत्व है। सरकार का मानना कि देश की बाह्य सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा दोनों पर एक साथ जोर दिये बगैर बात नहीं बनेगी। भारतीय सेना दुनिया की सबसे मजबूत सेनाओं में से है और उसे आमने-सामने की लड़ाई में हराना नामुमकिन है।

आप का नजरिया

और कितने पांडव

हिमाचल अचानक इतिहास में पहुंच गया या कौरव-पांडवों के बीच फिर से चरित्र के तराजू में बयानबाजी की जुबान निकल आई। गंभीर बहस के अगंभीर पहलू में दुबके नेता अब इस स्तर पर पहुंच गए कि हमारी राजनीतिक सोच मदारी बन गई। गुटबाजी के पर्याय में कोई पांडव बना, तो किसी को कौरव बना दिया गया, लेकिन यथार्थ यह भी है कि राजनीति के चेहरे छोटे और मुकदमे लंबे होते जा रहे हैं। अब यह कहना आसान नहीं कि भाजपा बनाम कांग्रेस के बीच कौन किसकी सतह पर आबाद है, लेकिन आज के दौर में हर जगह 'महाभारत' का दौर जरूर है। यह समाज के चरित्र में भी नजर आता है और देश के सामने व्यवस्था के प्रश्न बन कर दर्ज हो रहा है। हम चाहकर भी देश के हित में पांडव नहीं चुन पाते और न चाहकर भी कौरवों के बीच पहुंच जाते। आने वाले हैं पंचायत चुनाव और तब गांव की पंचायत के लिए अगर हम 'पांडव' नहीं ढूंढ पाएंगे, तो कौरवों की जीत में हम सभी दोषी हैं। देहरा में प्रशासन, शासन और जनता की नजरों के सामने महिला अगर एसडीएम कोर्ट में आए एक बुजुर्ग की पिटाई के साथ मुंह पर स्याही फेंक देती है, तो वहां न पांडव बचे और न ही कौरव। हमीरपुर में एक नाबालिग की दरिंदगी का शिकार महिला मर जाती है, तो खुद में पांडव देखने वाला समाज आखिर है कहां। हम विडंबनाओं की सेज पर नेताओं में मजबूरी के पांडव और कौरवों की सहमति में तांडव देखने में मशगूल हैं। चुराह के विधायक का प्रकरण अपने भीतर महाभारत के कई चरित्र खड़े कर रहा, लेकिन द्रौपदी के कथन पर विश्वास करने के लिए वर्तमान युग शायद तैयार नहीं होगा। इस प्रकरण में महाभारत कितना लौटेगा, यह किसी को मालूम नहीं, लेकिन मर्यादा की चरागाहों में चरित्र की आवारगी में हम किसके कहने पर अमल करें या किसे स्वीकार करें। बेशक आजादी के बाद हमने कई देवता बना लिए या जनप्रतिनिधियों में देवताओं की झलक पाने की कोशिश कितने ही प्रयोग और संविधान संशोधन कर डाले, मगर जिन्हें पांडव माना उन्हीं पर भरोसा टूटा। दल बदल की फौज में जो शामिल होते रहे या जो जातियों में मूर्तियां बनाते रहे, उनमें पांडवों का संघर्ष कहां से लाते। बहस अब पांडव की है भी नहीं, कौरवों के बीच से हमें कोई किनारा चाहिए ताकि जनता की भाषा में सिर्फ मोहलत बन कर गुजर जाए तेरी हुकूमत का यह नजारा। आश्चर्य यह कि कांग्रेस और भाजपा संगठनात्मक क्षमता में कौरव और पांडव खोजे जा रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक वैज्ञानिक आधार या इतिहास की दृष्टि में जीने का आधार कैसे देखा जाए। इसी परिप्रेक्ष्य में आगामी शीतकालीन सत्र की सुर्खियां जब सामने आएंगी, तो गिने जाएंगे वे कदम जो किसी विधानसभा क्षेत्र की धूल के साथ विधानसभा के तपोवन परिसर तक पहुंचेंगे। आधुनिक पांडवों में चर्चा का शाश्वत विषय मिल जाएगा या हर बहिर्गमन में कौरवों के पांव बाहर निकल जाएंगे। यह फैसला शायद ही हिमाचल की विधानसभा कर पाएगी कि कौन पांडवों की तरह रहा और कौन कौरवों की सेना बना। क्या हमारे स्कूल-कालेज पांडव पैदा कर रहे हैं या हर दिन अस्पताल मरीजों को देखकर कौरव समझ बैठता है। आधुनिक कौरव अगर जनता की तरह इंगित हो जाए, तो भी गनीमत है कि किसी ने सरकार से पूछने की कोशिश की वरना हर दिन एक महाभारत मीडिया के माध्यम से या सोशल मीडिया की वजह से कहीं न कहीं लड़ा जरूर जाता है। ऐसे में आज कौरव और पांडवों के बीच किसी धर्मयुद्ध का फैसला इसलिए संभव नहीं क्योंकि युद्धक उन्माद में कोई भी पक्ष सदाबहार नहीं। जंगल में पेड़ चुने जा रहे हैं ताकि कोई ऊंची जगह पर बैठ कर शोर करे। यह शोर है। आगे चलकर और बढ़ेगा। बढ़ता रहेगा ताकि शोर के बीच जनता अपनी भाषा भूल जाए।

गंभीर बहस के अगंभीर पहलू में दुबके नेता अब इस स्तर पर पहुंच गए कि हमारी राजनीतिक सोच मदारी बन गई। गुटबाजी के पर्याय में कोई पांडव बना, तो किसी को कौरव बना दिया गया, लेकिन यथार्थ यह भी है कि राजनीति के चेहरे छोटे और मुकदमे लंबे होते जा रहे हैं। अब यह कहना आसान नहीं कि भाजपा बनाम कांग्रेस के बीच कौन किसकी सतह पर आबाद है, लेकिन आज के दौर में हर जगह 'महाभारत' का दौर जरूर है। यह समाज के चरित्र में भी नजर आता है और देश के सामने व्यवस्था के प्रश्न बन कर दर्ज हो रहा है। हम चाहकर भी देश के हित में पांडव नहीं चुन पाते और न चाहकर भी कौरवों के बीच पहुंच जाते। आने वाले हैं पंचायत चुनाव और तब गांव की पंचायत के लिए अगर हम 'पांडव' नहीं ढूंढ पाएंगे, तो कौरवों की जीत में हम सभी दोषी हैं। देहरा में प्रशासन, शासन और जनता की नजरों के सामने महिला अगर एसडीएम कोर्ट में आए एक बुजुर्ग की पिटाई के साथ मुंह पर स्याही फेंक देती है, तो वहां न पांडव बचे और न ही कौरव। हमीरपुर में एक नाबालिग की दरिंदगी का शिकार महिला मर जाती है, तो खुद में पांडव देखने वाला समाज आखिर है कहां। हम विडंबनाओं की सेज पर नेताओं में मजबूरी के पांडव और कौरवों की सहमति में तांडव देखने में मशगूल हैं।

दृष्टि कोण

अमरीकी शटडाउन : व्यवस्था की कमजोरी

जबकि दुनिया इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए अनुचित और बहुपक्षीय व्यापार नियमों के विरुद्ध टैरिफ पर चर्चा कर रही है, एक महत्वपूर्ण विषय जिस पर अभी तक विस्तृत चर्चा नहीं हुई है, वह है अमेरिकी सरकार का शटडाउन, जो 1 अक्टूबर 2025 से चल रहा है और 4 नवंबर को, इस शटडाउन ने पिछले ट्रंप प्रशासन के दौरान 2018 के पिछले 35 दिनों के शटडाउन को पीछे छोड़ते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाया है। 1 अक्टूबर से, अमेरिकी सरकार का कामकाज लगभग ठप हो गया है, लगभग 900000 संघीय कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है, और 20 लाख अन्य को बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। केवल स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य सहायता और परिवहन सुरक्षा प्रशासन जैसी आवश्यक सेवाएं ही अपवाद हैं। अमेरिकी इतिहास में यह 11वां शटडाउन है जिसके परिणामस्वरूप सरकारी सेवाएं ठप हो गई हैं। इससे पहले सबसे लंबा शटडाउन 2018-19 में हुआ था, जो पिछले ट्रंप के कार्यकाल में 35 दिनों तक चला था, हालांकि यह पूर्ण सरकारी शटडाउन नहीं था। जरा सोचिए, अगर ऐसा भारत में होता, जहां सभी सरकारी प्रतिष्ठान बंद हो जाते और सरकारी कर्मचारियों को छुट्टी पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ता, तो दुनिया भर में, खासकर अमेरिका में, भारतीय संविधान और व्यवस्था की आलोचना करते हुए ढेरों लेख लिखे जाते। फिर भी, अमेरिका में हुई इतनी बड़ी घटना की भी बहुत कम रिपोर्टिंग हो रही है। अमेरिका में दो प्रमुख पार्टियां हैं : रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी। गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी से हैं। रिपब्लिकन द्वारा संचालित सदन ने तुरंत एक वित्त पोषण विधेयक पारित किया, लेकिन सीनेट में इसे समर्थन नहीं मिला। डेमोक्रेटिक पार्टी का दावा है कि स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी (खासकर अफोर्डेबल केयर एक्ट से संबंधित) बजट में शामिल नहीं हैं। इसके अलावा, कांग्रेस ने शिकायत की है कि राष्ट्रपति प्रशासन बजट प्रक्रिया में कांग्रेस की शक्तियों का अतिक्रमण कर रहा है। कांग्रेस को डर है कि बिना शर्त बजट अनुमोदन

कांग्रेस की शक्तियों का हनन होगा। शटडाउन ने न केवल सरकारी कामकाज को ठप कर दिया है, बल्कि 4 करोड़ से ज़्यादा लोगों के लिए खाद्य सहायता, खासकर पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (स्नैप) के बंद होने का भी खतरा पैदा कर दिया है। कुछ विभागों ने सैन्य कर्मियों को वेतन सुनिश्चित करने के लिए निजी क्षेत्र से भी धन जुटाया है। हालांकि, डेमोक्रेट अड़े नहीं हैं। उन्होंने अपनी मांग को घटाकर केवल 20 अरब डॉलर कर दिया है, जो उनकी पिछली मांग से काफी कम है, फिर भी समाधान दूर की कौड़ी है। मौजूदा मामले में, संघर्ष सिर्फ पार्टियों के बीच का नहीं है। सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी मतभेद हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 3 नवंबर 2026 को बड़े पैमाने पर चुनाव होने वाले हैं। इन मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और अमेरिकी सीनेट की 100 में से 35 सीटों के लिए चुनाव होंगे, जिससे 120वीं संयुक्त राज्य कांग्रेस का गठन होगा। 29 राज्य और क्षेत्रीय गवर्नर चुनाव, साथ ही कई राज्य और स्थानीय चुनाव भी लड़े जाएंगे। अमेरिका में आगामी मध्यावधि चुनाव वास्तव में सरकारी बंद के त्वरित या स्थायी समाधान में बाधा बन रहे हैं। राष्ट्रीय हित पर आम सहमति से ज़्यादा राजनीतिक गुणा-भाग महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में लगातार जारी बंद केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि अमेरिकी आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था की गहरी संरचनात्मक और वैचारिक कमजोरियों का लक्षण है।

एआई रोबोट ने 10 सेकंड में काट दिए स्टाइलिश बाल, बार्बर की टेंशन बढ़ी

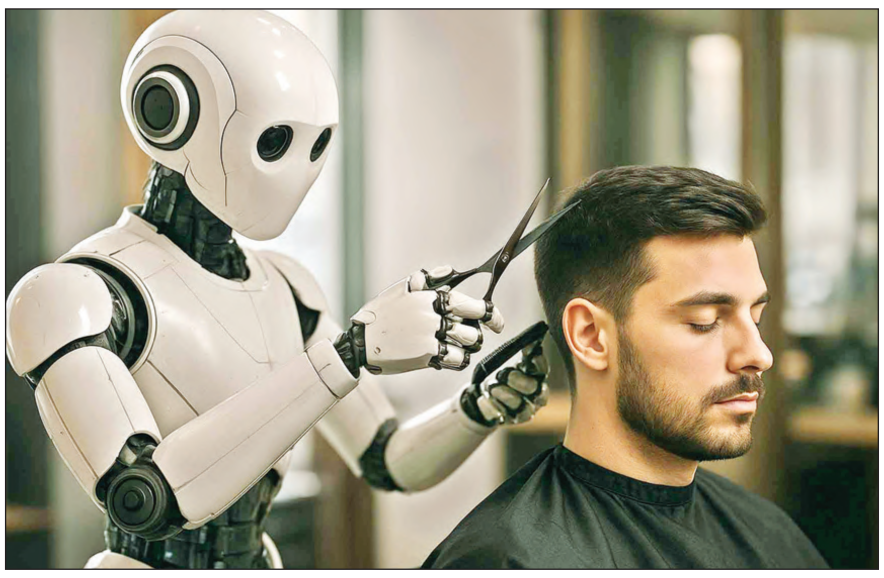

यह लेजर गाइडेड है, एक भी बाल इधर-उधर नहीं होता, कलर भी करता है

टोक्यो, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

अब नाई की दुकान पर घंटों इंतजार करते हुए भैया थोड़ा छोटा करो, अरे नहीं इतना नहीं, जैसे डायलॉग बोलने की जरूरत ही खत्म हो जाएगी। इस समय एक वीडियो ने दुनिया में तहलका मचा रखा है। वीडियो में एआई वाला रोबोट बार्बर महज 10 सेकंड में ऐसा हेयरकट दे रहा है कि देखकर बड़े-बड़े सैलून वाले परेशान हो गए। इसे जापान की टेक्नोलॉजी कंपनी ने बनाया है जिसका नाम है- एआई इंस्टेंट बार्बर प्रो मेक्स। वीडियो में साफ दिख रहा है कि शख्स मशीन के अंदर सिर डालता है, टच स्क्रीन पर अपना मनचाहा हेयरकट चुनता है और ठीक 10 सेकंड बाद जब सिर बाहर निकालता है तो बाल बिल्कुल परफेक्ट कटे हुए नजर आते हैं। लोग भी इसका परफेक्शन देख हैरान हैं। इस एआई मशीन का काम करने का तरीका देख आप दंग रह जाएंगे। सबसे पहले यह 360 डिग्री 8के कैमरे से आपके सिर को स्कैन करती है। फिर एआई अल्गोरिदम हर बाल की मोटाई, लंबाई, ग्रोथ डायरेक्शन और फेस शेप एनालाइज करता है। इसके बाद 32 रोबोटिक आर्म्स जो कार्बन फाइबर ब्लेड्स से लैस है, मिलीसेकंड में कटिंग शुरू करता है। सबसे खास बात यह है कि यह लेजर गाइडेड है, एक भी बाल इधर-उधर नहीं होता। लड़कियों के लिए अलग मोड है जिसमें लेयर्स, स्टेप कट, बॉब कट सब 15-20 सेकंड में हो जाता है। इससे आप बाल कलर भी कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो को सबसे पहले जापान के टेक इन्फ्लुएंसर ने शेयर किया जो 24 घंटे में 50 मिलियन व्यूज और 2 मिलियन शेयर्स मिल चुके हैं। लोगों ने वीडियो पर कई तरह के कमेंट्स कर अपनी दिलचस्पी दिखाई। इस वीडियो से नाई समाज डरा व सहमा हुआ है, वहीं टेक लवर्स खुश हैं कि अब सुबह-सुबह लेट होने की टेंशन खत्म। इस मशीन को बनाने वाली कंपनी का दावा है कि यह 2026 में भारत में भी लॉन्च हो जाएगा और शुरुआती कीमत सिर्फ 49,999 रुपए होगी। इसमें लाइफटाइम फ्री सर्विस और पांच साल तक फ्री ब्लेड रिप्लेसमेंट दिया जाएगा यानी इसे घर में लगाओ, हॉस्टल में लगाओ या सैलून में, हर जगह काम आएगी।

न्यूज ब्रीफ

एमसी4आर जीन दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

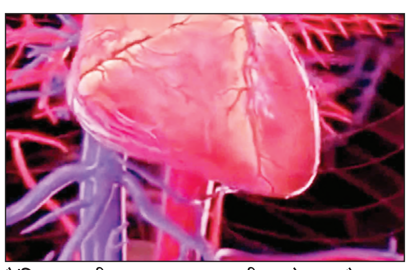

कैंब्रिज। एमसी4आर नामक एक जीन, जो आमतौर पर वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार माना जाता है, वास्तव में हृदय को स्वस्थ रखने में भी मदद कर सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज की एक नई रिसर्च ने पारंपरिक सोच को चुनौती दी है। यह खोज मोटापे और दिल की बीमारियों के बीच संबंध को लेकर वैज्ञानिकों को एक नया नजरिया देती है। शोध के अनुसार, जिन लोगों में एमसी4आर जीन का एक दुर्लभ संस्करण (रेयर वेरिएंट) पाया गया, उनमें खराब कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल (एडीएल) का स्तर अन्य लोगों की तुलना में काफी कम था। साथ ही, इनमें हृदय रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत कम देखा गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह जीन लगभग एक प्रतिशत मोटे वयस्कों और करीब पांच प्रतिशत मोटे बच्चों में मौजूद होता है। ब्रिटेन में किए गए एक सर्वे के अनुसार, हर 300 में से एक व्यक्ति में इस जीन में म्यूटेशन पाया गया है। एमसी4आर जीन मस्तिष्क में एक विशेष प्रोटीन तैयार करता है, जो भूख और ऊर्जा के स्तर को नियंत्रित करता है। सामान्य स्थिति में यह जीन व्यक्ति को जरूरत के मुताबिक भूख लगने और संतुलित भोजन करने में मदद करता है। लेकिन जब इस जीन में गड़बड़ी होती है, तो व्यक्ति अत्यधिक भूख महसूस करता है, जिससे उसका वजन तेजी से बढ़ने लगता है। यही कारण है कि इस जीन को लंबे समय से मोटापे से जोड़ा जाता रहा है। हालांकि, अब रिसर्च से यह सामने आया है कि इस जीन का दुर्लभ संस्करण शरीर में फैट मेटाबॉलिज्म को इस तरह प्रभावित करता है कि खराब कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर कम हो जाता है। नतीजतन, हृदय रोग का खतरा घटता है। इस शोध में वैज्ञानिकों ने 7,719 बच्चों और 124 वयस्कों के जीन का विश्लेषण किया, जिनमें मोटापा एमसी4आर जीन के कारण था। इसके बाद उनके डेटा की तुलना यूके बायो बैंक के 3.36 लाख प्रतिभागियों से की गई। नतीजे चौंकाने वाले थे एमसी4आर जीन वाले व्यक्तियों का ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल लेवल और समग्र हृदय स्वास्थ्य उन लोगों से बेहतर पाया गया, जिनमें यह जीन मौजूद नहीं था। शोधकर्ताओं का कहना है कि एमसी4आर जीन मस्तिष्क और शरीर के बीच फैट मेटाबॉलिज्म का संतुलन बनाए रखता है। यह जीन दिमाग को यह संकेत देता है कि शरीर में कितनी ऊर्जा और वसा स्टोर हो रही है।

थैंक्सगिविंग हॉलिडे सीज़न में फ्लाइट कैंसिल........अमेरिका में हजारों यात्री हो रहे परेशान

वाशिंगटन। अमेरिका में फ्लाइट कैंसिल होने और सरकारी शटडाउन से दैनिक दिनचर्या पर काफी असर पड़ा है।

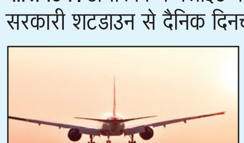

अमेरिकी सीनेट द्वारा सरकारी खर्च के लिए बजट पास न होने के कारण सरकारी शटडाउन लगा हुआ है। खबर में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ जैसे फैसलों का असर लोगों पर पड़ रहा है, और शटडाउन भी इसी क्रम में हुआ। कैंसिल फ्लाइट्स की संख्या: रविवार को जहां 2,100 से अधिक फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। वहीं शुक्रवार को 1,000 से अधिक फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। इतना ही नहीं रविवार को 7,000 से अधिक फ्लाइट्स देरी से उड़ीं। करीब शनिवार को 1,500 फ्लाइट्स देरी से उड़ीं। यातायात सचिव सीन डफी के अनुसार, शटडाउन के कारण एयर ट्रैफिक सबसे खराब स्थिति में पहुँच गया है। एयरपोर्ट पर कई एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को वेतन नहीं मिला, जिसके कारण उन्होंने काम करना बंद कर दिया, और उड़ानों की संख्या में कटौती करनी पड़ी।

तालिबान की धमकी के बाद पाकिस्तान लगा गिड़गिड़ाने......हम बातचीत को तैयार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे तनाव के खत्म होने की कोई सूरत नहीं दिख रही है।

स्थिति ये है कि सीमा पर भिड़ने के बाद दोनों वार्ता के लिए टेबल पर आए हैं, लेकिन इसका कोई व्यावहारिक हल निकल नहीं है। दोनों देशों के बीच तीन दौर की वार्ता हो चुकी है लेकिन सीजफायर को लेकर कोई ठोस हल नही निकाला है। फिर इस्तांबुल में बातचीत फेल हुई, तब तालिबान ने पाकिस्तान को सीधे-सीधे धमकाया कि व्यावहारिक मांगों पर ही सहमति बन सकती है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताक़ी ने कहा कि काबुल और इस्लामाबाद के बीच हुई बातचीत इसलिए नाकाम रही क्योंकि पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने गलत मांगें रखीं। पाकिस्तान पहले तालिबान से इस बात की गारंटी मांग रहा था कि पाकिस्तान में कोई आतंकी घटना नहीं होगी। जब तालिबान इस पर भड़का उठा तब पाकिस्तान बातचीत को तैयार हुआ। तालिबान सरकार के विदेश मंत्री मुत्तकी के मुताबिक, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से यह गारंटी मांगी कि आगे पाकिस्तान में कोई सुरक्षा घटना नहीं होगी, जो संभव नहीं है।

वैज्ञानिकों ने एक सल्फर गुफा में दुनिया का सबसे बड़ा मकड़ी का जाला खोजा

हैरानी की बात दो दुश्मन मकड़ियां साथ रह रहीं थी

लंदन, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

वैज्ञानिकों ने अल्बानिया और ग्रीस की सीमा पर एक सल्फर गुफा में दुनिया का सबसे बड़ा मकड़ी का जाला खोज लिया है। यह जाला 106 वर्ग मीटर (करीब 1,040 वर्ग फुट) में फैला है, जो आधे टेनिस कोर्ट से भी बड़ा है। इसमें दो अलग-अलग प्रजातियों की 111,000 से ज्यादा मकड़ियां एक साथ रह रही हैं। ये मकड़ियां आमतौर पर दुश्मन होती हैं, लेकिन यहां वे शांतिपूर्ण तरीके से रह रही हैं। ऐसा पहली बार देखने को मिला है। यह खोज 2022 में चेक स्पेलियोलॉजिकल सोसाइटी के गुफा खोजने वाले ने की। वे व्रोमोनर कैनियन में सल्फर गुफा की खोज कर रहे थे। 2024 में रोमानिया की सैपिएंटिया हंगेरियन यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रांसिल्वेनिया के जीवविज्ञानी शोधकर्ता ने अपनी टीम के साथ नमूने इकट्ठा किए।

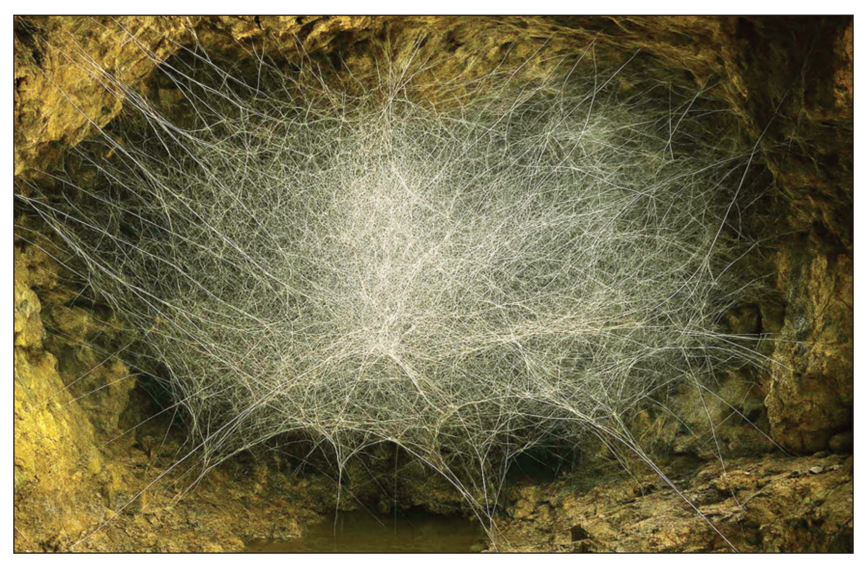

इसके बाद इन नमूनों की डीएनए जांच से पता चला कि यह जाला दो प्रजातियों का है। अध्ययन 17 अक्टूबर 2025 को एक शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ। शोधकर्ता वैज्ञानिक ने कहा कि प्राकृतिक दुनिया में अभी भी अनगिनत आश्चर्य बाकी हैं। जब मैंने जाला देखा, तब मन में ढेर सारी भावनाएं उमड़ीं। सल्फर गुफा अंधेरी और खतरनाक है। इसमें हाइड्रोजन सल्फाइड गैस भरी हुई है, जो हवा को जहरीला बनाती है। गुफा सल्फ्यूरिक एसिड से कटकर बनी है। मकड़ी का जाला गुफा की दीवार पर फैला है, एक विशाल सामूहिक संरचना। यह दुनिया का सबसे बड़ा मकड़ी जाला माना जा रहा है। टेगेनेरिया डोमेस्टिका (घरेलू घर मकड़ी या बार्न फनल वीवर): लगभग 69,000 मकड़ियां थी। प्राइनरिगोन वागन्स: 42,000 से ज्यादा मकड़ियां थी। ये मकड़ियां आमतौर पर अकेली रहती हैं। टेगेनेरिया प्राइनरिगोन को खा लेती है। लेकिन गुफा के अंधेरे में उनकी नजर कमजोर हो जाती है, इसलिए वे एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचातीं। बल्कि सहयोग करती-यह पहली बार देखा गया। कुल 111,000 मकड़ियां एक मकड़ी मेगासिटी जैसी बस्ती बना रही हैं। यह तंत्र पूरी तरह स्व-निर्भर है। सूरज की रोशनी न होने पर भी जीवन चल रहा है। गुफा में बहने वाली सल्फर-युक्त धारा से हाइड्रोजन सल्फाइड निकलता है। इससे सल्फर-ऑक्सीडाइजिंग बैक्टीरिया सफेद बायोफिल्म बनाते हैं। ये छोटे-छोटे मिडज (गैर-काटने वाले कीड़े) खाते हैं। मिडज गुफा के तालाबों में अंडे देते हैं। बादल की तरह उड़ते हैं, और मकड़ियां इन्हें खाकर जीवित रहती हैं। शोधकर्ताओं को मकड़ियों के पेट के विश्लेषण से जानकारी मिली की कि उनकी आंतों में बैक्टीरिया कम हैं। सतह की मकड़ियों से अलग है। डीएनए से साबित हुआ कि ये गुफा के लिए उनके हिसाब की हो गई हैं। शोधकर्ता कहते हैं कि कुछ प्रजातियां आश्चर्यजनक आनुवंशिक लचीलापन दिखाती हैं। चरम स्थितियां ऐसी व्यवहार पैदा करती हैं जो सामान्य में नहीं दिखते।

हर अमेरिकी को 1.7 लाख देंगे ट्रम्प, ये पैसे आए हैं टैरिफ से

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर दावा किया कि टैरिफ से अरबों डॉलर की कमाई हो रही है। उन्होंने कहा कि इस कमाई से अमीरों को छोड़कर हर अमेरिकी नागरिक को 2,000 डॉलर (करीब 1.7 लाख रुपए) का डिविडेंड मिलेगा। ट्रम्प ने पोस्ट में टैरिफ के आलोचकों को मूर्ख करार दिया। उन्होंने कहा कि टैरिफ के खिलाफ बोलने वाले लोग मूर्ख हैं। हमारी सरकार ने अमेरिका को दुनिया का सबसे अमीर और सम्मानित देश बना दिया है, जहां महंगाई न के बराबर है और शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर है। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि ये प्रॉफिट किसे मिलेगा, इसकी पात्रता मानदंड (जैसे आय सीमा क्या होगी) या समयसीमा पर कोई साफ जानकारी नहीं दी। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने ऐसा वादा किया। अक्टूबर में उन्होंने 1,000 से 2,000 डॉलर के छूट का संकेत दिया था। टैरिफ के कारण व्यवसाय अमेरिका में आ रहे टैरिफ से हो रहे प्रॉफिट के अलावा ट्रम्प ने व्यापार मामलों में राष्ट्रपति के पावर की सीमाओं पर सवाल उठाते हुए गुस्सा जताया। उन्होंने कहा अमेरिका के राष्ट्रपति के पास किसी विदेशी देश के साथ सभी व्यापार को रोकने की अनुमति है, दूसरे देश को लाइसेंस देने की अनुमति है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए टैरिफ लगाने की अनुमति नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि दूसरे देश हम पर टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन हम उनपर नहीं। सिर्फ टैरिफ की वजह से ही व्यवसाय अमेरिका में आ रहे हैं। टैरिफ के बिना हमारे पास कुछ भी नहीं है।

दिल्ली में धमाका दहशत में पाक करने लगा आपात बैठकें, ब्रिटेन ने कहा- सीमा से दूर रहें

इस्लामाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली में धमाके के बाद पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। इस फिदायीन हमले के बाद पाकिस्तान इतना घबरा गया है कि तीनों सेना प्रमुख आपातकाल बैठक करने लगे और राजस्थान की सीमा पर पाकिस्तानी वायुसेना ने पट्रोलिंग बढ़ा दी। वहीं ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों को एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि वे भारत और पाकिस्तान की सीमा से कम से कम 10 किलोमीर दूर रहें।

इसके अलावा वे जम्मू-कश्मीर की यात्रा ना करें। अमेरिकी दूतावास की तरफ से भी इस हमले की निंदा की गई है और अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वे बीड़ वाले इलाकों में जाने से बचें।

इसके अलावा फ्रांस के दूतावास ने भी अपने नागरिकों से सतर्क रहने को और भीड़ से दूर रहने को कहा है। ईरान, मिस्र समेत अन्य देशों ने इस हमले की निंदा की है और मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देर रात डीजी आईएसआई और एनएसए की बैठक बुलाई थी। दिल्ली में हुए धमाके के बाद पूरी दुनिया इस हमले की निंदा कर रही है। वहीं पाकिस्तान इसे फाल्स फ्लैग ऑपरेशन बता रहा है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी यूजर्स का कहना है कि भारत ने ही ये धमाके करवाए हैं। वहीं पाकिस्तानियों को अफगान यूजर्स ने कड़ी फटकार लगाई है। बता दें कि सोमवार शाम दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके चांदनी चौक के पास ही कार में विस्फोट हो गया था। इसमें कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई वहीं कई लोग घायल हो गए। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि धमाका इतना भयंकर था कि भूकंप जैसा महसूस हुआ।

ट्रंप सरकार ने एच-1बी वीजा पर सख्ती बढ़ाई, 175 कंपनियाँ जांच के घेरे में

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने विदेशी कर्मचारियों को दिए जाने वाले एच-1बी वीजा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। अमेरिकी श्रम विभाग ने इस वीजा के दुरुपयोग की शिकायतों के बाद 175 कंपनियों को जांच के दायरे में लिया है। सरकार का मानना है कि कई कंपनियाँ अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को नियुक्त कर रही हैं, जिससे स्थानीय रोजगार पर असर पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन की अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत यह कदम उठाया गया है। इस नीति के तहत अमेरिकी नागरिकों को नौकरियों में प्राथमिकता दी जा रही है। जाँच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या कंपनियाँ वीजा नियमों का उल्लंघन कर रही हैं या नहीं। इस सख्ती का सबसे बड़ा असर भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों पर पड़ने की आशंका है, क्योंकि अमेरिका में काम करने वाले अधिकांश भारतीय इसी वीजा के तहत कार्यरत हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम भारतीय तकनीकी क्षेत्र के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है और नए वीजा आवेदनों में कमी आ सकती है। अमेरिका में हर साल हजारों भारतीय पेशेवर एच-1बी वीजा के ज़रिए रोजगार प्राप्त करते हैं, जिन पर अब अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं।

बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान पका रहा खिचड़ी, भारत की बढ़ेगी टेंशन

पाक नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद ढाका पहुंचे, वकार से की मुलाकात

ढाका, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ढाका पहुंच गए हैं। नवीद ने ढाका में बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमां और एडमिरलन जमुल हसन के साथ मुलाकात की। उनके बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात करने की संभावना है। यह बैठकें पाकिस्तान-बांग्लादेश के द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के लिहाज से अहम मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और बांग्लादेश के सैन्य अधिकारियों के बीच हालिया महीनों में लगातार बैठकें हुई हैं। पाकिस्तान के बांग्लादेश में पुराने इतिहास को देखते हुए भारत की चिंता बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से बांग्लादेश की जमीन का इस्तेमाल पूर्वोत्तर भारत में अशांति फैलाने के लिए करने की चेतावनी एक्सपर्ट दे रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान की बांग्लादेश में दखल कोई ऐसी खिचड़ी पका सकती है, जिससे भारत की टेंशन बढ़ेगी। बांग्लादेश की रक्षा मंत्रालय के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस ने कहा है कि अशरफ और जमां ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने पर चर्चा की। दोनों ने द्विपक्षीय प्रशिक्षण, सेमिनारों और यात्राओं के जरिए सैन्य सहयोग के विस्तार की संभावनाओं पर भी चर्चा की। नवीद अशरफ की यह यात्रा पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज पीएनएस सैफ के चार दिवसीय सद्भावना यात्रा के लिए दक्षिण-पूर्वी चटगांव स्थित बांग्लादेश के मुख्य बंदरगाह के पास लंगर डालने के एक दिन बाद हो रही है। पाकिस्तानी नौसेना ने कहा है कि नवीद की यात्रा बांग्लादेश के साथ दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करने और समुद्री सहयोग को बेहतर बनाने के लिए है। अशरफ से दो हफ्ते पहले ही पाकिस्तान की ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा बांग्लादेश दौरा कर चुके हैं। उनकी मोहम्मद यूनुस के साथ मुलाकात विवादों में भी रही थी। इससे पहले आईएसआई के अधिकारी भी ढाका पहुंचे थे। शहबाज सरकार के कई मंत्रियों ने भी बीते दिनों में ढाका का दौरा किया। बांग्लादेश में बीते साल अगस्त में विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में सरकार चल रही है। दक्षिणपंथी रुख वाली यूनुस सरकार ने पाकिस्तान के साथ संबंधों को तरजीह दी है, जबकि भारत के लिए उनका रुख अच्छा नहीं रहा है।

अमेरिका ने बनाई ऐसी छतरी: लॉन्च होते ही मिसाइल को बना देगी कबाड़

वाशिंगटन, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने ऐलान किया है कि वह 2028 तक अंतरिक्ष में अपने 'स्पेस-बेस्ड मिसाइल इंटरसेप्टर' का असली परीक्षण करेगा। अमेरिका अब ऐसा स्पेस डिफेंस नेटवर्क बना रहा है जो दुश्मन की मिसाइल को उसके लॉन्च होते ही आसमान में खत्म कर दे- ताकि जंग की आग कभी अमेरिकी ज़मीन तक न पहुंच सके। लॉकहीड मार्टिन ने अपने वर्जीनिया स्थित कमांड एंड कंट्रोल प्रणाली का प्रोटोटाइप वातावरण तैयार किया है। यह ओपन आर्किटेक्चर सिस्टम समुद्र से लेकर अंतरिक्ष तक की रक्षा क्षमताओं को एकजुट कर रहा है। कंपनी ने बताया कि इस मिशन में कई इंडस्ट्री पार्टनर्स भी जुड़ चुके हैं ताकि अमेरिका को हर मोर्चे पर 'सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी बढ़त' मिले। यह वही हथियार है जो गोल्डन डोम प्रोजेक्ट का सबसे खतरनाक और

निर्णायक हिस्सा माना जा रहा है। एक ऐसा सिस्टम जो अंतरिक्ष से ही दुश्मन की मिसाइलों को लॉन्च के कुछ सेकंड में तबाह कर देगा। यह प्रोजेक्ट डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान शुरू हुआ था, जिसका लक्ष्य है अमेरिका को अभेद्य मिसाइल डिफेंस कवच देना- धरती से लेकर अंतरिक्ष तक। अमेरिकी रक्षा रणनीतिकारों के मुताबिक, बैलिस्टिक मिसाइलें और हाइपरसोनिक हथियार- जिनमें रॉकेट बूस्टर का इस्तेमाल होता है- सबसे ज्यादा कमजोर अपने शुरुआती 'बूस्ट फेज़' में होते हैं, यानी लॉन्च के ठीक बाद। अमेरिकी स्पेस फोर्स के प्रमुख जनरल चांस साल्ट्ज़मैन ने मार्च में एक इंटरव्यू में कहा था, हम सिर्फ स्पेस-बेस्ड इंटरसेप्टर नहीं चाहते - हम चाहते हैं कि वे मिसाइल को उसी 'बूस्ट फेज़' में मार गिराएं। हम चाहते हैं कि ये हमला हमारे देश से जितना दूर हो सके, वहीं असर दिखाए। इसलिए उन्हें बेहद तेज़ और सटीक होना होगा। लॉकहीड मार्टिन के सीईओ जिम टैकलेट ने अपने एक बयान में कहा, हम 2028 तक वास्तविक ऑन-ऑर्बिट इंटरसेप्टर टेस्ट करने जा रहे हैं- यह कोई लैब एक्सपेरिमेंट नहीं, बल्कि असली युद्ध-तैयार सिस्टम होगा। उन्होंने बताया कि कंपनी अब पूरी तरह ऑपरेशनल प्रोटोटाइप्स बना रही है- ऐसी मशीनें जो टेस्ट स्टैंड पर नहीं, बल्कि अंतरिक्ष में उड़ेंगी, मिसाइल को हिट करेंगी और उत्पादन के लिए तैयार होंगी। अगर लॉकहीड मार्टिन का यह प्रोजेक्टकामयाब हो गया, तो फिर एस-400 और आयरन डोम जैसे एयर डिफेंस की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। हालांकि, पेंटागन पूरी परियोजना पर चुप्पी साधे हुए है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञों के अनुसा गोल्डन डोम ऐसा ऑल-डोमेन डिफेंस सिस्टम बनेगा जो आने वाले दशकों तक अमेरिका की अंतरिक्षीय सैन्य ताकत का केंद्र होगा। लॉकहीड मार्टिन का यह मिशन सिर्फ एक परीक्षण नहीं - बल्कि यह संकेत है कि स्पेस अब जंग का नया मैदान बन चुका है। 2028 में जब गोल्डन डोम का इंटरसेप्टर अंतरिक्ष में सक्रिय होगा।

ओंस जाबूर ने गर्भावस्था की घोषणा की, टेनिस से लिया लंबा ब्रेक

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

ट्यूनिशिया की टेनिस स्टार और पूर्व विश्व नंबर 2 खिलाड़ी ओंस जाबूर ने सोमवार को यह घोषणा की है कि वह अपने पहले बच्चे की मां बनने वाली हैं। इसके साथ ही उन्होंने पेशेवर टेनिस से कुछ समय के लिए लंबा ब्रेक लेने का फैसला किया है।

31 वर्षीय जाबूर ने इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, मैंने खुद को रिफ्रेश और रिचार्ज करने के लिए थोड़ा ब्रेक लिया था... और अब लगता है, हमने अब तक की सबसे प्यारी वापसी की योजना बना ली है।

ट्यूनिशिया की इस स्टार खिलाड़ी, जिन्हें उनके प्रशंसक प्यार से मिनिस्टर ऑफ हैप्पीनेसकहते हैं, ने बताया कि वह अप्रैल में एक बेटे को जन्म देने वाली हैं। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल अपने करियर को कुछ समय के लिए विराम देकर परिवार और मातृत्व पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

जाबूर, जो इस समय विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर हैं, तीन बार ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट रह चुकी हैं और अब तक अपने करियर में पांच डब्ल्यूटीए सिंगल्स खिताब जीत चुकी हैं। ट्यूनिशिया की यह स्टार खिलाड़ी हाल के वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य और डिप्रेशन को लेकर भी खुलकर बात कर चुकी हैं। उन्होंने स्वीकार किया था कि लगातार चलने वाले टूर और व्यस्त कार्यक्रम के कारण उन्हें मानसिक रूप से काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

उनकी गर्भावस्था की घोषणा ऐसे समय आई है जब टेनिस जगत में खिलाड़ियों के अत्यधिक व्यस्त शेड्यूल और शारीरिक-मानसिक दबाव पर लगातार चर्चा हो रही है। फिलहाल, उनके प्रशंसक और साथी खिलाड़ी उन्हें नई जिंदगी की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। ओंस जाबूर ने वादा किया है कि वह मातृत्व के इस नए अध्याय के बाद टेनिस कोर्ट पर सबसे प्यारी वापसी करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

श्रेयस ने समुद्र तट पर धूप सेकने की तस्वीर साझा करते प्रशंसकों का आभार जताया अभी मैदान पर वापसी में लगेगा समय

मुम्बई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह अब ठीक है और इलाज के बाद तेजी से उबर रहे हैं। इसी के साथ ही श्रेयस ने समुद्र तट की एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें वह समुद्र तट पर धूप सेक रहे हैं। श्रेयस ने कठिन दौर में उनकी चिन्ता करने वाले प्रशंसकों के प्रति भी आभार जताया है। श्रेयस की इन तस्वीरों को देखकर प्रशंसकों को भी राहत मिली है। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में श्रेयस की पसलियों में गंभीर चोट लगी थी। श्रेयस ने सोशल मीडिया में अपनी एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह किसी समुद्र तट पर अपने एक दोस्त के साथ धूप सेंकते दिख रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, सूरज महान थेरपी कर रहा है। वापस आकर आभारी हूं। प्यार और फिक्र के लिए शुक्रिया। अय्यर की चोट बहुत ही घातक थी। उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था। बीसीसीआई के डॉक्टरों की टीम भी उनके पास अस्पताल में मौजूद रही। अय्यर के लिए प्रशंसकों की प्रार्थनाएं सफल रहीं और 1 नवंबर को उन्हें करीब एक सप्ताह बाद अस्पताल से छुट्टी मिली। श्रेयस अय्यर चोट से तो उबर गये हैं पर खेल के मैदान में वापसी के लिए उन्हें अभी इंतजार करना पड़ेगा।

ईडन गार्डन्स में जीत दर्ज करना भारतीय टीम के लिए नहीं होगा आसान, इस मैदान में करीब आधे मैच रहे हैं ड्रॉ

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर पहला मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम का लक्ष्य दो मैचों की सीरीज के पहले मैच को जीतना रहेगा हालांकि ये आसान नहीं होगा। इस मैदान पर भारतीय टीम का रिकार्ड कुछ खास नहीं रहा है। यहां मैच जीतना भारतीय टीम के लिए काफी कठिन रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस मैदान पर भारतीय टीम का जीत प्रतिशत केवल 31 का रहा है। ऐसे में कप्तान शुभमन गिल की राह आसान नहीं रहेगी। गौरतलब है कि साल 1934 में भारतीय टीम ने इस मैदान पर पहला मैच खेला था, वहीं अंतिम बार साल 2019 में वह यहां उतरी थी। भारतीय टीम ने यहां कुल 42 मैच खेले हैं इसमें उसे 13 मैच में जीत मिली है जबकि 9 में उसे हार में मिली है। वहीं 20 मैच ड्रॉ रहे। ईडन गार्डन्स में करीब आधे मैच ड्रॉ रहे हैं पर आजकल जिस प्रकार का आक्रामक खेल खेला जा रहा है उसमें इस मैच का परिणाम आना तय दिख रहा है। ईडन गार्डन्स के मैदान पर भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अभी तक कुल 3 ही टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें से 2 मैच भारतीय टीम ने जबकि एक मैच दक्षिण अफ्रीका ने जीता है।

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 13 नवंबर को आगरा स्थित अपने घर पहुंचेगी, स्वागत की तैयारी हुई, एक रोड शो भी रखा गया

आगरा। विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 13 नवंबर को आगरा में अपने घर पहुंचेगी। दीप्ति का आगरा पहुंचने पर भव्य स्वागत होगा। उनके घर पर भी स्वागत की तैयारियां चल रही हैं। दीप्ति का स्वागत करने के लिए जिला क्रिकेट संघ ने भी खासी तैयारी की है। एक रोड शो भी रखा गया है। यह रोड शो शहर के कई क्षेत्रों से गुजरेगा। रोड शो की शुरुआत सिकंदरा के आवास विकास स्थित भावना क्लार्क्स इन होटल के सामने से होगी। यहां से दीप्ति का रोड शो आगे बढ़ेगा। अंत में यह रोड शो स्टार नेक्स्ट क्रिकेट अकादमी पहुंचेगा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि रोड शो के दौरान विभिन्न जगहों पर दीप्ति का स्वागत होगा। लोग फूल बरसाकर और तालियां बजाकर अपनी खुशी प्रकट करेंगे। दीप्ति के स्वागत के लिए घर को भी सजाया गया है। घर की दीवारों पर नई पेंटिंग हुई है। आकर्षक लाइटें लगाई जा रही हैं। दीप्ति के माता-पिता भी बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा, बेटी के आने का सभी को इंतजार है। घर में उत्साह का माहौल है। हम सब बहुत उत्साहित हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी तैयारी में जुटे हुए हैं। क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील जोशन ने बताया कि रोड शो को यादगार बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। दीप्ति विजय रथ पर सवार होंगी। इस रथ पर सिर्फ दीप्ति और उनके भाई सुमित शर्मा ही होंगे।

एटलेटिको मैड्रिड पर अमेरिकी मालिकाना हक जल्द तय, एएससी बनेगा बहुसंख्यक शेयरधारक

मैड्रिड, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

स्पेन का दिग्गज फुटबॉल क्लब एटलेटिको मैड्रिड अब जल्द ही अमेरिकी मालिकाना हक़ के अधीन आने वाला है। क्लब ने सोमवार को घोषणा की कि अपोलो स्पोर्ट्स कैपिटल (एएससी) अगले साल की शुरुआत में क्लब का बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाएगा। हालांकि सौदे की वित्तीय जानकारी का खुलासा नहीं किया गया है। समझौते के अनुसार, मौजूदा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिगेल एंजेल गिल मारिन और अध्यक्ष एनरिक सेरेज़ो अपने पदों पर बने रहेंगे ताकि क्लब की दृष्टि और नेतृत्व में निरंतरता बनी रहे।

संयुक्त बयान में यह भी स्पष्ट किया गया कि यह समझौता मल्टी-क्लब स्वामित्व रणनीति का हिस्सा नहीं है। बयान में कहा गया कि एएससी का निवेश एटलेटिको की स्थिति को विश्व फुटबॉल के दिग्गज क्लबों में और मजबूत करेगा तथा क्लब की दीर्घकालिक सफलता की महत्वाकांक्षा को बल देगा।

एएससी और मौजूदा शेयरधारक क्लब के प्रबंधन के साथ मिलकर एटलेटिको मैड्रिड की वित्तीय मजबूती, खेल प्रतिस्पर्धा और सामुदायिक प्रभाव को बढ़ाने के लिए काम करेंगे।

अपोलो स्पोर्ट्स कैपिटल ने पहले मैड्रिड ओपन और मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में भी निवेश किया है। कंपनी ने कहा कि वह क्लब की दीर्घकालिक योजनाओं का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त पूंजी निवेश करेगी, जिसमें क्लब की टीमों में सुधार और सियुदाद डेल डिपोर्टे — क्लब के होम ग्राउंड मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम के पास बनने वाले खेल और मनोरंजन परिसर — का विकास शामिल है। 2011 से डिएगो सिमियोने के कोचिंग कार्यकाल में, एटलेटिको वर्तमान में ला लिगा में चौथे स्थान पर है। क्लब ने अब तक 11 बार स्पेनिश लीग खिताब जीता है, जिसमें आखिरी बार 2020-21 सीज़न में चैंपियन बना था। टीम 2014 और 2016 में चैंपियंस लीग फाइनल में भी पहुंची थी, हालांकि दोनों बार उसे रियल मैड्रिड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। एएससी के पोर्टफोलियो मैनेजर रॉब गिवोन ने एटलेटिको मैड्रिड को यूरोप की महान खेल संस्थाओं में से एक बताया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के स्ट्राइकर सेस्को चोटिल, स्लोवेनिया के अहम वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों से बाहर

मैनचेस्टर। स्लोवेनिया को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार फॉरवर्ड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी बेंजामिन सेस्को घुटने की चोट के कारण आगामी फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। सेस्को शनिवार को प्रीमियर लीग में टॉटनहैम हॉटस्पर के खिलाफ खेले गए मैच में 88वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए थे। हालांकि क्लब ने कहा है कि यह चोट गंभीर नहीं है, लेकिन खिलाड़ी को कैरींगटन ट्रेनिंग कॉम्प्लेक्स में निगरानी में रखा जाएगा और इस सप्ताह उनका मूल्यांकन जारी रहेगा। स्लोवेनिया को विश्व कप क्वालीफिकेशन की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए शनिवार को कोसोवो के खिलाफ जीत और 18 नवंबर को स्वीडन के खिलाफ कम से कम ड्रॉ की जरूरत है। वर्तमान में स्लोवेनिया ग्रुप बी में तीन अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। स्विट्जरलैंड (10 अंक) शीर्ष पर है, जबकि कोसोवो (7 अंक) दूसरे स्थान पर है। स्वीडन के पास केवल एक अंक है।

ऋचा घोष के नाम पर सिलीगुड़ी में बनेगा क्रिकेट स्टेडियम

कोलकाता,11 नवंबर (एजेंसियां)।

महिला विश्वकप विजेता क्रिकेट टीम की खिलाड़ी ऋचा घोष के नाम पर एक क्रिकेट स्टेडियम उनके गृहनगर सिलीगुड़ी बनने जा रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है सिलीगुड़ी में बनने जा रहे स्टेडियम का नाम ऋचा घोष रखा जाएगा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा की महिला विश्वकप जीतने में अहम भूमिका रही थी।

कप्तानी हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर जब से पहला आईसीसी खिताब जीत है तभी से खिलाड़ियों को इनाम दिये जाने के साथ ही उनका सम्मान भी हो रहा है। इसी कड़ी में ममता ने सिलीगुड़ी में कहा, '''ऋचा क्रिकेट स्टेडियम' चांदमणि टी एस्टेट में 27 एकड़ के भूखंड पर बनाया जाएगा। यह बंगाल की एक खेल प्रतिभा, ऋचा को सम्मानित करने के साथही उत्तर बंगाल के युवा क्रिकेटरों को प्रोत्साहित करने का एक तरीका है।''

उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार यह परियोजना शीघ्र शुरू करेगी।'' घोष को इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने बंग भूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया था। इसके साथ ही ऋचा को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नियुक्त किया गया और सोने की एक चेन भेंट की गई। ऋचा ने विश्वकप में 8 मैचों में 133.52 के उम्दा स्ट्राइक रेट के साथ 235 रन बनाए थे, उनका स्ट्राइक रेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी बैटर में सबसे अधिक था।

भारत-दक्षिण सीरीज 14 से , शुभमन सहित युवा खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम के युवा खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतना रहेगा। भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज के इतिहास पर नजर डालें तो इसमें सबसे अधिक रन सचिन तेंदुलकर ने बनाये हैं। वहीं विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं बाकि तीन खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के हैं। सचिन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुल 25 टेस्ट मैच खेले, जिनमें उन्होंने 1741 रन बनाए। उनका औसत 42.46 का रहा, जो उनके स्थिर प्रदर्शन और निरंतरता को दिखाता है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कैलिस ने भारत के खिलाफ 18 टेस्ट मैचों में 1734 रन बनाये, और उनका औसत 69.36 का रहा। कैलिस अपने समय के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक रहे हैं, उन्होंने कठिन हालातों में भी अपनी टीम को संभाला।

सीएसके के सैमसन को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने से अटकलें हुई तेज

मुम्बई, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जन्मदिन की बधाई दी है। सीएसके ने अपने सोशल मीडिया पर सैमसन को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'संजू, तुम्हें और शक्ति मिले! तुम्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' सैमसन को लेकर राजस्थान रॉयल्स के साथ चल रही ट्रेड डील को देखते हुए सीएसके का उन्हें बधाई देना और महत्वपूर्ण हो गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार सैमसन के बदल सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स के साथ रवींद्र जडेजा और सैम कुर्रन के साथ ट्रेड किया है। हालांकि अभी तक दोनों टीमों की ओर से इस पर कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है। सीएसके के एक अधिकारी ने कहा कि सभी जानते हैं कि हम सैमसन को शामिल करना चाहते हैं। हमने उन्हें खरीदने में अपनी रुचि दिखाय है पर रॉयल्स ने अभी तक जवाब नहीं दिया है। रॉयल्स प्रबंधन ने कहा है कि वे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि सैमसन सीएसके की ओर से खेलेंगे।

आईपीएल खिलाड़ी नियमों के अनुसार, किसी भी ट्रेड डील को औपचारिक रूप देने में 48 घंटे लगते हैं। इस अदला-बदली को आधिकारिक और पूरा होने में कुछ दिन लग सकते हैं। सैमसन एक दशक से भी ज्यादा समय से राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे हैं और उसके कप्तान भी रहे हैं। उन्होंने 11 सीजन में रॉयल्स की ओर से खेला है। साल 2013 में रॉयल्स में शामिल होने के बाद से ही वह इसके प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। साल 2014 सत्र से पहले, सिर्फ 19 साल की उम्र में, उन्हें टीम में बरकरार रखा गया था। वह साल 2021 में टीम के कप्तानी बने। पिछले सत्र में फिट नहीं होने के कारण वह काफी कम मैचों में ही कप्तानी कर पाये थे। हाल में उनका रॉयल्स से नाता पहले की तरह नहीं रहा और दोनो के बीच दूरियां आई है।

एटीपी फाइनल्स: जैनिक सिनर ने जीत के साथ की अभियान की शुरुआत

ट्यूरिन, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने एटीपी फाइनल्स में अपने खिताब बचाव अभियान की जोरदार शुरुआत की। सोमवार को ट्यूरिन के इनालपी एरेना में खेले गए राउंड-रॉबिन मुकाबले में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को 7-5, 6-1 से हराकर पहला मैच अपने नाम किया।

यह मुकाबला सिनर और ऑगर-अलियासिम के बीच अगस्त के बाद से चौथा था, और पिछली भिड़ंत के केवल आठ दिन बाद हुआ। नतीजा एक बार फिर वही रहा-सिनर ने धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए चोटिल कनाडाई खिलाड़ी को मात दी। दूसरे सेट के दौरान फेलिक्स को बाएं पिंडली में तकलीफ हुई, जिसके चलते उन्हें मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा।

सिनर ने फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को दी शिकस्त

इस जीत के साथ सिनर ने इंडोर हार्ड कोर्ट पर अपनी लगातार जीतों की लकीर 27 मैचों तक बढ़ा दी। उनकी आखिरी हार 2023 एटीपी फाइनल्स के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ आई थी। सिनर अब कार्लोस अल्कराज के साथ वर्ष के अंत में विश्व नंबर 1 बनने की दौड़ में हैं। सिनर को यह खिताब

बचाना जरूरी है ताकि वे शीर्ष स्थान की दौड़ में बने रहें, जबकि अल्कारेज अपने शुरुआती मैच में जीत के बाद अब केवल दो और मैच जीतकर यह स्थान सुरक्षित कर सकते हैं।

पहले सेट में सिनर ने बेहतरीन शुरुआत की, पहला गेम बिना कोई अंक गंवाए जीता और अपनी सर्व पर केवल तीन अंक खोए। उन्होंने पांच ब्रेक प्वाइंट बनाए और बैकहैंड तथा फोरहैंड दोनों में शानदार नियंत्रण दिखाया।

फेलिक्स ने हालांकि आठ ऐस लगाकर कड़ा मुकाबला किया और चार ब्रेक प्वाइंट बचाए, लेकिन सिनर ने 6-5 की बढ़त के समय निर्णायक ब्रेक हासिल कर पहला सेट जीत लिया।

सिनर ने कहा, यह मैच काफी कठिन था, खासकर पहले सेट तक। उन्होंने बहुत आक्रामक टेनिस खेली, इसलिए मैं खुश हूं कि मैं यह चुनौती पार कर सका। इस टूर्नामेंट में पहला मैच जीतना बहुत जरूरी होता है।

दूसरे सेट में सिनर ने 3-0 की बढ़त बना ली और इसी बीच फेलिक्स को पिंडली की समस्या के कारण मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। सिनर ने कहा, आशा है कि उनकी चोट गंभीर न हो। मैं चाहता हूं कि वे जल्द पूरी तरह फिट होकर लौटें।

फेलिक्स ने कुछ समय के लिए वापसी की कोशिश की, लेकिन सिनर ने एक और ब्रेक हासिल करते हुए मैच को अपने नाम किया। आखिरी गेम में उन्होंने एक ऐस के साथ जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों के सामने सिनर ने शानदार प्रदर्शन किया, कुछ बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स खेले और जीत के साथ पूरा स्टेडियम उनकी तारीफ में खड़ा हो गया।

भारत में त्यौहारों के दौरान अल्पकालिक और अस्थायी नौकरियों में जोरदार उछाल

सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अगस्त से अक्टूबर 2025 के बीच भारत में भर्ती गतिविधियों में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उपभोक्ता विश्वास में सुधार, आकर्षक त्योहारी ऑफ़र और भौगोलिक विस्तार इसके प्रमुख कारण रहे। कार्यबल समाधान प्रदाता एडेको इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तुलना में इस वर्ष अल्पकालिक (गिग) और अस्थायी नौकरियों में 25 प्रतिशत का उछाल देखा गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दशहरा से पहले और उसके बाद के हफ्तों में खुदरा, ई-कॉमर्स, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं, लॉजिस्टिक्स और आतिथ्य क्षेत्रों में अस्थायी कर्मचारियों की मांग तेज रही। एडेको ने 2025 के लिए 2.16 लाख 'गिग' और अस्थायी नौकरियों का अनुमान लगाया था, लेकिन सिर्फ तीन महीनों में ही अस्थायी भर्ती में 37 प्रतिशत और 'गिग वर्कर' तैनाती में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

महिला कर्मचारियों की भागीदारी में 30-35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, खासकर खुदरा, ग्राहक सेवा, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सेवा क्षेत्रों में। महानगरों जैसे दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में कुल भर्ती का 75-80 प्रतिशत हिस्सा रहा। हालांकि, मझोले और उभरते शहरों में भी तेजी आई, जहां सालाना वृद्धि 21-25 प्रतिशत रही। लखनऊ, जयपुर, कोयंबटूर, भुवनेश्वर, नागपुर और मैसूर में 21 प्रतिशत की वृद्धि, जबकि कानपुर, कोच्चि, विजयवाड़ा और वाराणसी नए अल्पकालिक रोजगार केंद्र बनकर उभरे।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत का रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ तक पहुंचा, डीपीएसयू का योगदान 70 प्रतिशत से अधिक

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि वर्ष 2024-25 में भारत का कुल रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें (डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटाकिंग) का योगदान (डीपीएसयू) 71.6 प्रतिशत था। मंत्री ने डीपीएसयू के निरंतर प्रयासों और देश की आत्मनिर्भरता में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात 6,695 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो भारत की स्वदेशी प्रणालियों में वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। 'मेड इन इंडिया' उत्पाद अब वैश्विक मंच पर सम्मान प्राप्त कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने डीपीएसयू के 16 संस्थानों को देश की आत्मनिर्भरता के मजबूत स्तंभ बताया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन का उदाहरण देकर स्वदेशी प्लेटफार्मों की क्षमता और विश्वसनीयता को रेखांकित किया। मंत्री ने सभी डीपीएसयू से महत्वपूर्ण तकनीकों का तीव्र स्वदेशीकरण, अनुसंधान एवं विकास, उत्पाद गुणवत्ता संवर्धन, समय पर डिलीवरी और निर्यात बढ़ाने की रणनीति अपनाने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट मापनीय लक्ष्यों के साथ स्वदेशीकरण और आर एंड डी रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। केंद्र सरकार ने आश्वासन दिया कि जहां भी विशेष हस्तक्षेप या सहायता की आवश्यकता होगी, वह तुरंत प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने स्टेट-ऑफ-द-आर्ट डीपीएसयू भवन का उद्घाटन किया और तीन प्रमुख समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान कर सहयोग और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया।

फेंटेनाइल संकट पर चीन की बड़ी कार्रवाई 13 रसायनों के निर्यात पर प्रतिबंध

वॉशिंगटन। चीन ने फेंटेनाइल जैसे खतरनाक सिंथेटिक ओपिओइड के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले 13 रसायनों के अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको को निर्यात पर सख्त प्रतिबंध लगा दिए हैं। ये रसायन वे प्रमुख घटक हैं जिनका दुरुपयोग अवैध दवा उद्योग में किया जा रहा है। अमेरिका में हर साल फेंटेनाइल की ओवरडोज़ से हजारों लोगों की मौत होती है, जिससे यह कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अहम माना जा रहा है। यह घोषणा दक्षिण कोरिया में हाल ही में हुई शी चिनफिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बाद आई है, जहां फेंटेनाइल संकट प्रमुख चर्चा का विषय था। दक्षिण कोरिया में शी चिनफिंग और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बाद चीन ने लिया फैसला मुलाकात के बाद ट्रंप ने कहा था कि चीन इस समस्या को खत्म करने में सहयोग करेगा और अमेरिका फेंटेनाइल से संबंधित शुल्क को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत करेगा। ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन की एक वरिष्ठ विशेषज्ञ के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने चीन से उसी तरह का सहयोग फिर से शुरू करने पर सहमति जताई है, जैसा 2024 के उत्तरार्ध में हुआ था। व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव एन्ना केली ने कहा कि राष्ट्रपति ने अवैध मादक पदार्थों के प्रवाह को रोकने के लिए सीमा सुरक्षा से लेकर नौकाओं पर कार्रवाई तक हर संभव कदम उठाए हैं। चीन के राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण आयोग ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर व्यवसायों से कर, सीमा शुल्क, इंटरनेट और विदेशी मुद्रा नियमों का पालन करने का आग्रह किया है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि रासायनिक उद्योगों में इन रसायनों के वैध उपयोग के कारण प्रवर्तन चुनौतीपूर्ण रहेगा।

रिलायंस पावर को जुलाई-सितंबर तिमाही में 87 करोड़ का लाभ, पिछले वर्ष के घाटे से उबरकर कंपनी ने मुनाफा दर्ज किया

नई दिल्ली। रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस पावर लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी को जुलाई-सितंबर तिमाही में 87 करोड़ रुपए का लाभ हुआ, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में उसे 352 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी की कुल आय 5.3 फीसदी बढ़कर 2,067 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 1,963 करोड़ रुपए थी। रिलायंस पावर ने बताया कि निदेशक मंडल ने 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक की विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड (एफसीसीबी) जारी कर पूंजी जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 5,305 मेगावाट है, जिसमें से 3,960 मेगावाट सासन पावर लिमिटेड के माध्यम से उत्पन्न होती है। कंपनी का कहना है कि यह पूंजी जुटाव उसकी भविष्य की विकास योजनाओं को गति देने में सहायक होगा ।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में शटडाउन खत्म होने की उम्मीद बढ़ गई है। माना जा रहा है कि सीनेट में अंतिम मतदान होने के बाद शटडाउन खत्म हो जाएगा। इसी उम्मीद के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स 400 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 103.67 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,832.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 527.29 अंक यानी 2.29 प्रतिशत की जबरदस्त छलांग लगा कर 23,531.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 47,417.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 104.58 अंक की मजबूती के साथ 9,787.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 105.33 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,055.51 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 390.03 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,959.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,620.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,003.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत फिसल कर 8,372.97 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.11 प्रतिशत टूट कर 26,619 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,540.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,119.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 187.40 अंक यानी 0.67 प्रतिशत उछल कर 28,056.91 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 169.24 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की छलांग लगा कर 51,081 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 1,306.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स 12 नवंबर को शेयर बाजार में होगी लिस्ट

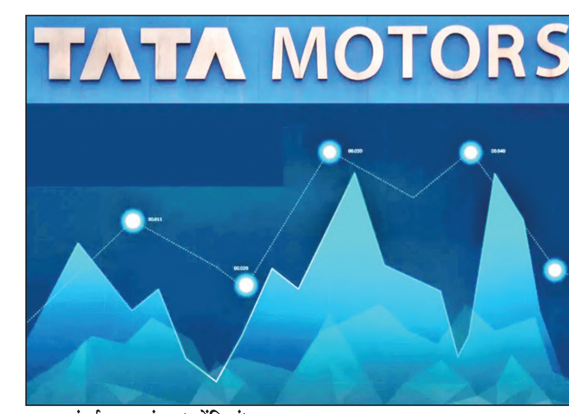

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

टाटा मोटर्स की नई कंपनी टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स (सीवी) 12 नवंबर बुधवार को शेयर बाजार में लिस्ट होने जा रही है। यह कंपनी टी ग्रुप कैटेगरी में लिस्ट होगी और प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 2 रुपए रखी गई है। यह कदम टाटा मोटर्स के डिमर्जर का हिस्सा है, जो 1 अक्टूबर 2025 से लागू हुआ।

कंपनी टी ग्रुप कैटेगरी में लिस्ट होगी, प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 2 रुपए रखी गई

डिमर्जर के बाद टाटा मोटर्स दो अलग-अलग कंपनियों में विभाजित हो गई है- 1. टाटा मोटर्स पीवी में पैसेंजर व्हीकल और इलेक्ट्रिक वाहन, जिसमें लग्जरी ब्रांड जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) शामिल है एवं 2. टाटा मोटर्स सीवी जिसमें ट्रक, बस और बड़े कमर्शियल वाहन शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अलग होने के बाद दोनों कंपनियां अपने-अपने कारोबार पर बेहतर ध्यान दे सकेंगी और तेजी से विकसित हो सकती हैं। टाटा मोटर्स पीवी की मुख्य ताकत जेएलआरहै, जो कुल मुनाफे का लगभग 90 फीसदी देती है। भारत में पैसेंजर व्हीकल कारोबार केवल 10 फीसदी योगदान देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जेएलआर फिलहाल कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जैसे साइबर अटैक, चीन में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अमेरिका-यूरोप में कम होती मांग। टाटा मोटर्स का डिमर्जर निवेशकों को दो स्पष्ट कारोबार हिस्सों में निवेश का अवसर देगा। कमर्शियल और पैसेंजर वाहनों की अलग-अलग रणनीति से दीर्घकालिक विकास की संभावना बढ़ सकती है, जबकि जेएलआर के अंतरराष्ट्रीय जोखिमों पर ध्यान रखना आवश्यक है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

1302 प्रत्याशियों के...

दूसरे चरण के चुनाव में राजग के घटक भाजपा के 53, जदयू के 44, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 15,राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के 04 प्रत्याशी और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के छह प्रत्याशी अखाड़े में उतरे थे। वहीं महागठबंधन के घटक राजद के 71, कांग्रेस के 37, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सात,भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माक्सर्ववादी लेनिनवादी (भाकपा माले) के 06, भारतीय कम्युनिट पार्टी (भाकपा) के चार और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का एक उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। मोहिनियां सुरक्षित सीट पर राजद ने श्वेता सुमन को चुनावी दंगल में उतारा था, लेकिन उनका नामांकन रद्द हो गया। राजद ने यहां निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व सासंद छेदी पासवान के पुत्र रवि शंकर पासवान को समर्थन दिया था। वहीं सुगौली सीट पर मुकेश सहनी की पार्टी विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के उम्मीदवार शशि भूषण सिंह का नामांकन रद्द हो गया था।वीआईपी ने यहां राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के पुत्र तेज प्रताप यादव की पार्टी जन शक्ति जनता दल के उम्मीदवार श्याम किशोर भारती को समर्थन दिया था।प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने 120 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे थे।गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से 121 सीटों पर प्रथम चरण के तहत 06 नवंबर को चुनाव संपन्न हुआ था। पहले चरण के मतदान में मतदाताओं ने 65.08 प्रतिशत मतदान दर्ज कर राज्य के चुनावी इतिहास में एक नया कीर्तिमान बनाया था।दूसरे चरण का मतदान आज शाम छह बजे संपन्न हो गया। 14 नवंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किये जायेंगे।

बिहार एक्जिट पोल...

नया रिकार्ड बनाया। पहले चरण में 121 सीटों पर 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि दूसरे चरण में आज 122 सीटों पर 68.76 प्रतिशत वोट पड़े। इस बार दोनों चरणों में रिकार्ड मतदान हुआ।

एक्जिट पोल एजेंसी पीपुल्स इनसाइट ने राजग को 133-148 सीटें दी हैं जबकि महागठबंधन को 87 से 102 सीटों पर जीतता हुआ दिखाया है।

चाणक्य स्ट्रेटजीज के सर्वे में राजग को 130-138 और महागठबंधन को 100-198 सीटें दी गयी हैं। जेवीसी ने राजग को 135-150 और विपक्षी महागठबंधन को 88-130 सीटें, पीमार्क ने राजग को 142-162 और महागबंधन को 80-98 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। मैट्राइज के एक्जिट पोल के अनुमानों के अुनसार सत्तारूढ राजग को 147-167 सीटें मिल सकती हैं और महागठबंधन की सीटों की संख्या 70 से 90 के बीच रहने का अनुमान है। डीबी रिसर्च ने राजग को 137-152 और महागठबंधन को 83-98 सीटें दी हैं। उसके सर्वे में प्रशांत किशोर की पार्टी को 2-4 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है।दैनिक भाष्कर के एक्जिट पोल में अनुमान है कि राजग को 145-160 और महागठबंधन को 73-91 सीटें मिल सकती हैं। पीपुल्स पल्स ने राजग को 133 से 159 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। उसके सर्वे में महागठबंधन की सीटों की संख्या 75 से 101 बीच बतायी गयी है।इससे पहले 2020 में हुए कांटे के चुनाव में राजग को 37.26 प्रतिशत मत के साथ 125 सीटें हासिल हुई थीं जबकि महागठबंधन को 37.23 प्रतिशत मत के साथ 110 सीटों पर सफलता मिली थी।

लाल किला विस्फोट...

रचने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज मैं बहुत भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में जो भयानक घटना हुई, उससे सभी बहुत दुखी हैं। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूँ। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल रात भर इस घटना की जांच कर रही सभी एजेंसियों के संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस साज़िश की तह तक जाएंगी। इसके पीछे जो भी साज़िश करने वाले हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। जो भी इसके लिए ज़िम्मेदार हैं, उन सभी को सज़ा मिलेगी।उल्लेखनीय है कि सोमवार शाम लाल किले के करीब एक कार में हुए इस विस्फोट में नौ लोग मारे गए और करीब 20 घायल हुए हैं ।

भविष्य के हर युद्ध का फैसला...

उन्होंने बारूद की खोज के बारे में भी बात की, जो एक महत्वपूर्ण क्षण था जिसने आधुनिक युद्ध रणनीति की नींव रखी।बारूद के आविष्कार के बाद, तकनीक ने युद्ध के परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करना शुरू कर दिया। इसने द्वंद्वयुद्ध के सबसे निचले स्तर पर युद्ध को प्रभावित किया, बेहतर हथियारों और बेहतर सुरक्षा वाले योद्धा के जीतने की संभावना बेहतर थी। बारूद की खोज से लेकर टेलीग्राफ, टैंक, विमान और परमाणु शस्त्रागार के आविष्कार तक - इन सभी ने रणनीति और कार्यनीति को प्रभावित किया।सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने इसके बाद द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनों द्वारा इस्तेमाल की गई सैन्य रणनीति मब्लिट्ज़क्रेगफ पर चर्चा की। जनरल अनिल चौहान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहली बार था जब तकनीक ने भूगोल को लगभग पूरी तरह से मात दे दी थी।

एससी ने 2 हफ्ते...

कि महीनों तक चली एसआईआर प्रक्रिया के बाद तैयार की गई राज्य की अंतिम मतदाता सूची में ङ्घमुसलमानों को अनुपातहीन तरीके से बाहरफ्र किया गया। निर्वाचन आयोग ने 30 सितंबर को बिहार की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करते हुए कहा था कि इसमें मतदाताओं की कुल संख्या लगभग 47 लाख घटकर 7.42 करोड़ रह गई है जो निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से पहले 7.89 करोड़ थी।

अंतिम संख्या हालांकि एक अगस्त को जारी की गई मसौदा सूची में दर्ज 7.24 करोड़ मतदाताओं से 17.87 लाख अधिक है। मृत्यु, प्रवास और मतदाताओं के दोहराव सहित विभिन्न कारणों से 65 लाख मतदाताओं के नाम मूल सूची से हटा दिए गए थे। मसौदा सूची में 21.53 लाख नए मतदाता जोड़े गए जबकि 3.66 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए जिससे कुल मतदाताओं की संख्या में 17.87 लाख की वृद्धि हुई है। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा की 121 सीट पर पहले चरण का चुनाव बृहस्पतिवार को हो गया, जबकि शेष 122 निर्वाचन क्षेत्रों में 11 नवंबर को मतदान होगा। मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी।

देश में सबसे ...

इस कानून - जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 कहा गया था - को संसद ने पारित तो कर दिया था, लेकिन इसे सीमा निर्धारण और जन-गणना के बाद लागू किया जाना है।उसी दिन अदालत ने असम के राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अंतिम रूप देने से संबंधित याचिकाओं पर भी एनआरसी समन्वयक को नोटिस जारी किया। ये याचिकाएं जमीयत उलेमा-ए-हिंद और ऑल असम माइनॉरिटीज स्टूडेंट्स यूनियन की ओर से दायर की गई थीं, जिनमें केंद्र से अंतिम एनआरसी के बाद की लंबित वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

इसरो ने गगनयान...

4.मेन पैराशूट : मॉड्यूल की गति को न्यूनतम कर सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए। सिस्टम की विशेषता यह है कि तीन में से केवल दो मेन पैराशूट भी सफल लैंडिंग के लिए पर्याप्त हैं। पैराशूट रीफ्ड इन्फ्लेशन तकनीक से खुलते हैं, जिसमें वे पहले आंशिक रूप से खुलते हैं और फिर कुछ समय बाद पूरी तरह फैलते हैं। यह प्रक्रिया पायरो-डिवाइस के माध्यम से नियंत्रित होती है।इस बार के परीक्षण में सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का अनुकरण किया गया, जिसमें दो मेन पैराशूट के बीच डिसरीफिंग (पूरी तरह खुलने) में देरी हुई। ऐसी स्थिति में लोड असमान रूप से वितरित होता है, लेकिन सिस्टम ने इसे बखूबी संभाला।परीक्षण के दौरान भारतीय वायुसेना के खङ-76 विमान से गगनयान मॉड्यूल के समान वजन वाला एक सिम्युलेटेड मॉडल करीब 2.5 किलोमीटर की ऊंचाई से गिराया गया। पैराशूट निर्धारित क्रम में खुले और मॉडल ने स्थिर गति से उतरते हुए सुरक्षित लैंडिंग की।इस सफलता में इसरो के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर , डीआरडीओ की एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट इस्टैब्लिशमेंट , भारतीय वायुसेना और भारतीय सेना की टीमों का संयुक्त योगदान रहा।यह उपलब्धि न केवल गगनयान मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर भी मानी जा रही है।

सिर्फ चार महीने ...

विभाग ने राहत एवं बचाव दल तैनात किया, लेकिन लगातार बारिश ने अभियान में बाधा डाली। चीनी राज्य मीडिया ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, यह हादसा क्षेत्र में चल रही असामान्य वर्षा के कारण हुआ, जिसे विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन से जुड़ा परिणाम मान रहे हैं।सोशल मीडिया पर पुल के गिरने का वीडियो तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में पुल का विशाल हिस्सा धीरे-धीरे नदी में गिरता दिखाई देता है। कई यूजर्स ने इसे इंजीनियरिंग की गंभीर लापरवाही बताया, जबकि कुछ ने इसे प्राकृतिक आपदा का नतीजा माना।चीन सरकार ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह हादसा निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, भूगर्भीय सर्वेक्षण की कमी और निगरानी की ढिलाई से जुड़ा हो सकता है।यह हादसा वर्ष 2021 के गेझोउबा ब्रिज दुर्घटना की याद दिलाता है, जिसमें 38 लोगों की मौत हुई थी। सिचुआन जैसे भूकंप-प्रवण क्षेत्र में बार-बार होने वाली ऐसी घटनाओं ने अब चीन में सुरक्षा मानकों की समीक्षा की मांग को तेज कर दिया है।

सुख-समृद्धि बढ़ाने के लिए घर में वास्तु चिन्हों का करें उपाय

घर में सुख, समृद्धि और धन का प्रवाह बढ़ाने के लिए वास्तु शास्त्र में कई सरल उपाय बताए गए हैं। ये उपाय ना केवल आर्थिक स्थिरता लाते हैं, बल्कि परिवार में शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। सही दिशा और सही तरीके से इन उपायों को अपनाने से धन चुंबक की तरह खिंचा चला आता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वास्तु के अनुसार यदि घर में कुछ प्रभावशाली चिन्ह को रखा जाए, तो घर में सुख-समृद्धि वास करती हैं। साथ ही बरकत और खुशहाली पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ मंगलकारी चित्र, छाप या मांडना से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। यह मंगल प्रतीक सुख, शांति, समृद्धि और शुभता लाते हैं। इन्हें घर के द्वार, मंदिर या दीवारों पर उचित दिशा में लगाना चाहिए। हल्दी के हाथ की छाप को पंचसूलक कहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह नकारात्मक शक्तियों को बाहर ही रोक देता है। वास्तु उपायों का पूरा लाभ पाने के लिए कुछ नियमों का पालन करें। स्वास्तिक, गुल्लक, और गंगाजल को साफ और पवित्र स्थान पर रखें। इन चीजों को सकारात्मक मन और श्रद्धा के साथ स्थापित करें। नियमित रूप से पूजा स्थल और लॉकर की साफ-सफाई करें। मंत्र जाप, जैसे 'ॐ श्री लक्ष्मी नारायणाय नमः' के साथ इन उपायों को करें। यह प्रभाव को कई गुना बढ़ाता है।

वास्तु विशेषज्ञ डा. अनीष व्यास ने बताया कि घर में प्रवेश हेतु एक द्वार ही रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर 3 दरवाजे शुभ नहीं होते हैं। घर में प्रवेश हेतु उत्तर और पूर्व की दिशा बेहतर होती है। दक्षिण की दिशा में भूलकर भी द्वार न दें। इससे घर में नकारात्मक शक्ति का आगमन होता है। घर की उत्तर-पूर्व दिशा में बृहस्पति देव का वास होता है। इसके लिए इस दिशा में पूजा घर रखें। मंदिर में देवी-देवताओं का मुख पूर्व की दिशा में रखें। कहते हैं कि मां लक्ष्मी को साफ-सफाई पसंद होती है इसलिए उनकी कृपा पाने के लिए घर के मुख्य दरवाजे को साफ रखें। घर के बाहर गंदगी फैली होने पर नकारात्मकता बढ़ती है। घर की उत्तर दिशा में मनी प्लांट लगाना लाभदायक होता है। इसके लिए हरे रंग के गमले का प्रयोग करें। अगर आप घर को हरा-भरा बनाना चाहते हैं तो इसी दिशा में कई और पौधे तथा लताएं लगा सकते हैं। इस बात का ध्यान हमेशा रखें कि इसका रंग हरा ही हो। वास्तु के अनुसार घर का रसोईघर दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। किचन की दीवारों पर लाल, नारंगी और गुलाबी रंग करें जबकि ड्राइंग रूम और काम करने का स्थान उत्तर दिशा में होना चाहिए। उत्तर दिशा में डस्टबिन, वॉशिंग मशीन, झाड़ू और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भूलकर भी इस दिशा में न रखें। ऐसा करने से धन की हानि होती है। घर के बाहर उत्तर दिशा में गूलर, पाकड़ आदि वृक्ष न लगाएं। इससे नेत्र संबंधी बीमारियां उत्पन्न होती हैं। साथ ही घर में बेर, केला, पीपल और अनार के पेड़ भी न लगाएं। इससे घर की बरकत चली जाती है।

वास्तु से लाएं सुख-समृद्धि

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में धन की कमी न हो और खुशहाली बनी रहे। वास्तु शास्त्र के सरल उपाय मेहनत के साथ-साथ धन और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं। मुख्य द्वार, लॉकर, और पूजा स्थल से जुड़े ये उपाय आसान हैं, लेकिन इनका प्रभाव गहरा है।

ओम:

ॐ अनहद नाद का प्रतीक है। ब्रह्मांड में इसी तरह का नाद लगातार गूंज रहा है। ॐ शब्द तीन ध्वनियों से बना हुआ है- अ, उ, म इन तीनों ध्वनियों का अर्थ उपनिषद में भी आता है। भूः लोक, भुवः लोक और स्वर्ग लोक का प्रतीक है। यह धर्म में हमारी आस्था को बढ़ाता है।

पंचसूलक

हल्दी के हाथ की छाप को पंचसूलक कहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह नकारात्मक शक्तियों को बाहर ही रोक देता है। मुख्य प्रवेश द्वार पर लगी पंचसूलक की छाप सुख, शांति, समृद्धि और शुभता लाती है।

मुख्य द्वार पर सही रंग का स्वास्तिक

वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को सकारात्मक ऊर्जा और धन का प्रवेश द्वार माना जाता है। स्वस्तिक शब्द को 'सु' और 'अस्ति' दोनों से मिलकर बना है। 'सु' का अर्थ है शुभ और 'आस्तिक' का अर्थ है होना यानी जिससे 'शुभ हो', 'कल्याण हो' वही स्वस्तिक है। द्वार पर और उसके बाहर आसपास की दोनों दीवारों पर स्वास्तिक का चिन्ह लगाने से वास्तुदोष दूर होता है और शुभ मंगल होता है। इससे दरिद्रता का नाश होता है। मुख्य द्वार की दिशा के अनुसार सही रंग का स्वास्तिक बनाएं। पूर्व दिशा में हरा, उत्तर में नीला, दक्षिण में लाल और पश्चिम में पीला स्वास्तिक शुभ है। यह ऊर्जा को संतुलित करता है और धन-समृद्धि को आकर्षित करता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

कमल

हिन्दू पुराणों के अनुसार कमल के फूल की उत्पत्ति भगवान विष्णु जी की नाभि से हुई है और कमल के फूल से ब्रह्माजी की उत्पत्ति मानी जाती है। कमल के पुष्प को ब्रह्मा, लक्ष्मी तथा सरस्वती जी ने अपना आसन बनाया है। कमल का फूल जल से उत्पन्न होकर कीचड़ में खिलता है परंतु वह दोनों से निर्लिप्त रहकर पवित्र जीवन जीने की प्रेरणा देता है। कहते हैं कि कमल के फूल की ही तरह सृष्टि और इस ब्रह्मांड की रचना हुई है और यह ब्रह्मांड इसी फूल की तरह है। मंदिरों के गुंबद और स्तंभों पर कमल की आकृति बनाई जाती है। यह शुभता और समृद्धि का प्रतीक है।

त्रिशूल

त्रिशूल 3 प्रकार के कष्टों दैनिक, दैविक, भौतिक के विनाश का सूचक भी है। यह महाकालेश्वर के 3 कालों (वर्तमान, भूत, भविष्य) का प्रतीक भी है। यह बुरी शक्तियों को रोकता है।

कलश

समुद्र मंथन के दौरान अंत में भगवान धन्वंतरि देव अमृत से भरा कलश लेकर निकले थे। यह कलश उसी का प्रतीक है। कलश को सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य देने वाला तथा मंगलकारी माना जाता है। कलश के मुख में भगवान विष्णु, गले में रुद्र, मूल में ब्रह्मा तथा मध्य में देवी शक्ति का निवास माना जाता है। कलश में जल होता है। उसके मुख पर श्रीफल रखते हैं। जल विष्णु और वरुण देव का प्रतीक है और श्रीफल माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है।

नमस्ते

यह स्वागत का चिन्ह है जो द्वार के दोनों ओर लगाया जाता है। यह अतिथियों के मन में सकारात्मक भाव को लाता है और सौहार्द और विनम्रता का संचार करता है।

शंख

शंख को नादब्रह्म और दिव्य मंत्र की संज्ञा दी गई है। शंख समुद्र मंथन के समय प्राप्त चौदह अनमोल रत्नों में से एक है। लक्ष्मी के साथ उत्पन्न होने के कारण इसे लक्ष्मी भ्राता भी कहा जाता है। शंख सूर्य व चंद्र के समान देवस्वरूप है जिसके मध्य में वरुण, पृष्ठ में ब्रह्मा तथा अग्र में गंगा और सरस्वती नदियों का वास है।

दीपक

सुन्दर और कल्याणकारी, आरोग्य और संपदा को देने वाले दीपक समृद्धि के साथ ही अग्नि और ज्योति का प्रतीक भी है।

मछली

वास्तु के अनुसार यह मछली का चित्र या छाप घर में खुशहाली और शांति को कायम करके उन्नति के रास्ते खोलती है। मछली अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, धन और शक्ति का प्रतीक है। इस छाप को आप अपने घर की उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में ही लगा सकते हैं।

लॉकर में रखें पीली सरसों

घर का लॉकर धन की स्थिरता का प्रतीक है। वास्तु के अनुसार, लॉकर को पश्चिम दिशा में रखें और उसमें थोड़ी सी पीली सरसों डालें। पीली सरसों बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा को रोकती है, जिससे धन सुरक्षित रहता है। इसे छोटे लाल कपड़े में बांधकर लॉकर में रखें। यह उपाय आर्थिक स्थिरता और बरकत को बढ़ाता है।

दक्षिण-पश्चिम में मिट्टी का गुल्लक

दक्षिण-पश्चिम दिशा स्थिरता और धन संग्रह के लिए शुभ मानी जाती है। इस दिशा में मिट्टी की गुल्लक रखें और उसमें समय-समय पर सिक्के या नोट डालें। बच्चों के हाथ से गुल्लक में पैसा डलवाना विशेष रूप से शुभ है। यह उपाय धीरे-धीरे धन संचय को बढ़ाता है और आर्थिक मजबूती देता है।

पश्चिम दिशा में लक्ष्मी-नारायण की फोटो

पश्चिम दिशा में लक्ष्मी-नारायण की फोटो लगाना धन और स्थिरता के लिए शुभ है। देवी लक्ष्मी धन की प्रतीक हैं और भगवान नारायण संरक्षण देते हैं। इस फोटो को पूजा स्थल या लिविंग रूम में लगाएं और रोज प्रणाम करें।

ईशान कोण में गंगाजल

उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) को वास्तु में सबसे पवित्र माना जाता है। पूजा स्थल में इस दिशा में गंगाजल की छोटी शीशी रखें। गंगाजल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और मानसिक शांति व आत्मिक संतुलन लाता है। समय-समय पर गंगाजल को ताजा करें और पूजा स्थल को साफ रखें। यह धन और सुख को आकर्षित करता है।

28 नवंबर से निम्न राशियों को मिलेगा किस्मत का साथ

500 साल बाद कर्मफल दाता शनि बनाएंगे दुर्लभ संयोग, आकस्मिक धन लाभ के योग

देवताओं के गुरु बृहस्पति एक निश्चित अवधि के बाद राशि परिवर्तन करते हैं। जिसका असर देश-दुनिया में देखने को मिल जाता है। बता दें कि गुरु 11 नवंबर 2025 को कर्क राशि में वक्री हो जाएंगे और 11 मार्च तक वक्री रहेंगे। इसी बीच गुरु 5 दिसंबर को मिथुन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। वहीं दूसरी ओर शनि भी मार्गी हो जाएंगेष इस समय शनि मीन राशि में वक्री अवस्था में विराजमान है। लेकिन नवंबर के अंत में वह इसी राशि में मार्गी हो जाएंगे। ऐसे में गुरु का वक्री होना और शनि का मार्गी होना मिलकर नए साल 2026 में बड़े बदलावों का संकेत दे रहा है। आइए जानते है गुरु के वक्री और शनि के मार्गी होने से किन राशि के जातकों को लाभ मिल सकता है। ये विश्लेषण चंद्र राशि के आधार पर किया जा रहा है।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार जब कोई शुभ ग्रह वक्री होता है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। बृहस्पति ग्रह ज्ञान, धन, धर्म और सद्कर्मों के प्रतीक माने जाते हैं। यह विवाह, संतान और सौभाग्य के भी कारक हैं। यदि किसी व्यक्ति की जन्म कुंडली में गुरु शुभ स्थिति में विराजमान हों, तो उसे भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। ऐसे जातकों के जीवन में सफलता के मार्ग स्वयं खुलने लगते हैं और उनके सभी कार्य सहजता से पूर्ण होते हैं। वहीं दूसरी ओर शनि का मार्गी होना भी कई राशि के जातकों के लिए लाभकारी हो सकता है।

मकर राशि –इस राशि में गुरु बृहस्पति कुंडली में सप्तम भाव (सातवें घर) में वक्री हो रहे हैं। ऐसे में वह एक राशि पीछे छठे भाव का फल भी देंगे। इसके अलावा शनि तीसरे भाव में मार्गी होंगे। गुरु की दृष्टि एकादश, लग्न और तीसरे भाव पर पड़ेगी। गुरु के सातवें भाव में मा4गी होने से इस राशि के जातकों को वैवाहिक जीवन में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है। अगर आपके जीवनसाथी नौकरी सर्च कर रहे हैं या फिर दोनों मिलकर कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो आपको काफी लाभ मिल सकता है। साझेदारी में किया गया कोई भी काम सफल हो सकते हैं। इसके अलावा अविवाहित जातकों के विवाह के योग भी प्रबल होंगे। आप जीवन में नई शुरुआत कर सकते हैं।

दिसंबर में गुरु छठे भाव में रहेंगे। ऐसे में विपरीत राजयोग बन रहा है। ऐसे में इस राशि के जातकों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों को सफलता हासिल हो सकती है। यदि किसी ऋण या लोन से संबंधित समस्या चल रही थी, तो उसका समाधान मिलेगा। आप प्रॉपर्टी, शिक्षा, वाहन या व्यवसाय के लिए लोन लेने में सफल रहेंगे। शनि महाराज की दृष्टि पंचम, नवम और द्वादश भाव पर पड़ने वाली है। ऐसे में इस अवधि में आपको कई छोटी यात्राओं के अवसर मिल सकते हैं, जो लाभदायक सिद्ध होंगे। इसके साथ ही विदेश यात्रा के योग भी बन रहे हैं। भाई-बहनों के साथ संबंधों में मधुरता और सहयोग बढ़ेगा।

तुला राशि –इस राशि के जातकों के लिए भी शनि का मार्गी और गुरु का वक्री होना अनुकूल साबित हो सकता है। इस राशि के दशम और नवम भाव में गुरु वक्री होंगे। इसके अलावा शनि छठे भाव में मार्गी होंगे। गुरु की दृष्टि धन भाव, चौथे भाव और छठे भाव पर पड़ेगी। ऐसे में इस राशि के जातकों को करियर के क्षेत्र में काफी लाभ मिल सकता है। नौकरी में चली आ रही समस्याएं समाप्त हो सकती है और नई नौकरी की भी तलाश पूरी हो सकती है। अगर आप किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं या प्रोफेशनल चुनौतियों से गुजर रहे हैं, तो अब आपकी मेहनत रंग लाने लगेगी। वाहन, संपत्ति या फिर घर खरीदने का सपना पूरा हो सकता है, क्योंकि गुरु की दृष्टि चौथे भाव में पड़ रही है। इसके अलावा रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन या वास्तु से जुड़े जातकों को काफी लाभ मिल सकता है। परिवार में किसी सदस्य का विवाह या संतान सुख प्राप्ति के योग भी बन सकते हैं। किस्मत का पूरा साथ मिल सकता है। अध्यात्म की ओर भी आपका काफी झुकाव हो सकता है।पारिवारिक मुद्दों से लेकर प्रॉपर्टी तक के कामों में अपार सफलता हासिल हो सकती है। धर्म-कर्म के मामले में भी आप बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले सकते हैं।

मीन राशि – इस राशि के जातकों के लिए गुरु का वक्री और शनि का मार्गी होना काफी लाभकारी हो सकता है। शनि के गुरु की राशि में मार्गी होने से नकारात्मक प्रभाव कम होने के साथ गुरु का प्रभाव ज्यादा देखने को मिल सकता है। इस राशि के लग्न भाव में शनि मार्गी और गुरु पंचम और चौथे भाव में वक्री होंगे। चौथे भाव में गुरु वक्री होकर उनकी दृष्टि नवम भाव, एकादश भाव और लग्न भाव में पड़ेगी। ऐसे में इस राशि के जातकों को शिक्षा के क्षेत्र में काफी लाभ मिल सकता है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों को लाभ मिल सकता है।

इसके साथ ही शिक्षा, अनुसंधान या रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए यह समय अनेक शुभ अवसर लेकर आ सकता है। संतान से जुड़ी अड़चनें समाप्त होंगी और उनसे प्रसन्नतादायक समाचार प्राप्त हो सकता है। जो लोग किसी संबंध में हैं, वे अपने रिश्ते को अधिक गहराई और समझदारी के साथ आगे बढ़ाएंगे। वक्री गुरु के प्रभाव से लाभ भाव सक्रिय रहेगा, जिससे आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा और सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी या व्यवसाय में परिवर्तन के इच्छुक लोगों को अप्रत्याशित रूप से सफलता मिल सकती है। लंबे समय से अटकी हुई धनराशि या निवेश से जुड़ा लाभ भी प्राप्त होने की संभावना है। साथ ही, माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा और संपत्ति या वाहन से संबंधित कोई रुका हुआ कार्य अब पूर्ण हो सकता है।

जेब में नहीं रुकता पैसा तो अपनाएं वास्तु के ये उपाय, पैसों से भर जाएगी तिजोरी

हर व्यक्ति को पैसे की जरूरत होती है। पैसा कमाने के लिए लोग दिन-रात कड़ी मेहनत करते हैं। कई बार ऐसा होता है कि लोग पैसा तो कमा लेते हैं, लेकिन वो ज्यादा देर तक टिकता नहीं है। पैसा जितनी जल्दी आता है, उतनी ही जल्दी खर्च भी हो जाता है। इसका कारण घर का वास्तु दोष भी हो सकता है। वास्तु के कुछ दोषों की वजह से मां लक्ष्मी की कृपा घर में टिक नहीं पाती। इसके लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं, जिसे अपनाकर इन दोषों को दूर किया जा सकता है और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त की जा सकती है।

घर की उत्तर दिशा को रखें साफ

वास्तु शास्त्र में घर की उत्तर दिशा को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिशा को धन का द्वार माना जाता है। ऐसे में इस दिशा में गंदगी नहीं होनी चाहिए। घर में मौजूद गंदगी नकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करती है। जिस घर में गंदगी होती है, वहां मां लक्ष्मी का आगमन नहीं होता है। घर की उत्तर दिशा में भगवान कुबेर की मूर्ति या तस्वीर लगाएं।

मकड़ी के जालों को करें साफ

वास्तु के अनुसार घर का मुख्य द्वार सबसे अहम होता है। इसे हमेशा साफ-सुथरा और सुंदर रखना चहिए। घर के मुख्य दरवाजे पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं और हर शुक्रवार को गंगाजल छिड़कें। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। वहीं, अगर घर में कहीं मकड़ी के जाले हैं तो उसे साफ कर दें। इसे धन के आगमन में बाधा खड़ी करने वाला माना जाता है।

इस दिशा में रखें तिजोरी

वास्तु के अनुसार, घर की तिजोरी को उत्तर दिशा की ओर मुंह करके रखना शुभ माना जाता है। तिजोरी के अंदर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर श्री यंत्र या चांदी का सिक्का रखें। यह उपाय धन को स्थिर रखता है और अचानक होने वाले खर्चो से बचाता है।

मां लक्ष्मी को चढ़ाए कमल का फूल

शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने से आर्थिक समस्याएं दूर होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मां लक्ष्मी को कमल का फूल अर्पित करने से धन, समृद्धि की प्राप्ति होती है। शाम के समय तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाने से देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और उनकी कृपा प्राप्त होती है।

विवाह पंचमी 25 को मनाई जाएगी,जानें सही तिथि, शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल अगहन या मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को विवाह पंचमी का पावन पर्व मनाया जाता है। यह दिन भगवान श्रीराम और माता सीता के दिव्य विवाह का प्रतीक माना जाता है। सनातन परंपरा के अनुसार, त्रेता युग में इसी तिथि पर भगवान श्रीराम और जनकनंदिनी माता सीता विवाह बंधन में बंधे थे। धार्मिक मान्यता है कि विवाह पंचमी के दिन भगवान राम और माता जानकी की विधिवत पूजा करने से जीवन में वैवाहिक सुख, प्रेम और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति होती है और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। ज्योतिषियों की मानें तो इस वर्ष विवाह पंचमी पर शुभ योग भी बन रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और अधिक बढ़ गया है।

विवाह पंचमी की तिथि और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि इस वर्ष 24 नवंबर की रात 9 बजकर 22 मिनट से प्रारंभ होगी और अगले दिन 25 नवंबर रात 10 बजकर 56 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदय तिथि के अनुसार इस साल विवाह पंचमी का पर्व 25 नवंबर 2025 को मनाया जाएगा।

विवाह पंचमी शुभ योग

ज्योतिष गणना के अनुसार, इस वर्ष विवाह पंचमी के दिन कई शुभ योगों का संयोग बन रहा है। इस दिन ध्रुव योग के साथ-साथ सर्वार्थ सिद्धि योग और शिववास योग का भी निर्माण होगा। माना जाता है कि इन पवित्र योगों में भगवान श्रीराम और माता सीता की आराधना करने से जीवन में सौभाग्य, समृद्धि और दांपत्य सुख की प्राप्ति होती है।

विवाह पंचमी का धार्मिक महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार, त्रेता युग में इसी शुभ तिथि पर भगवान श्रीराम और माता सीता का पवित्र विवाह संपन्न हुआ था। इसी कारण इस दिन को बड़े हर्षोल्लास के साथ विवाह पंचमी के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि जो साधक इस दिन भगवान श्रीराम और माता जानकी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही, उनके वैवाहिक जीवन में सुख, सौभाग्य और समृद्धि का वास होता है।

बोनी कपूर : हीरो बनना चाहते थे, लेकिन बन गए प्रोड्यूसर, छोटे भाई के लिए कुर्बान किया सपना

बॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में हर किसी का सपना कैमरे के सामने आने का होता है। कई लोग हीरो बनने की चाह लेकर इंडस्ट्री में कदम रखते हैं, लेकिन किस्मत उन्हें किसी और दिशा में ले जाती है। कुछ ऐसा ही बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर के साथ हुआ। आज वह इंडस्ट्री के सबसे सफल निर्माताओं में से एक माने जाते हैं, लेकिन कभी उन्होंने भी हीरो बनने का सपना देखा था, जिसे उन्होंने अपने छोटे भाई अनिल कपूर के सपनों के लिए छोड़ दिया। बोनी कपूर का जन्म 11 नवंबर 1953 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा था। उनके पिता, सुरिंदर कपूर, एक मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर थे, जिन्होंने अपने बेटों को फिल्मों की दुनिया में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। अनिल कपूर और संजय कपूर दोनों बोनी कपूर के छोटे भाई हैं। ऐसे माहौल में पले-बढ़े बोनी के अंदर भी फिल्मी दुनिया का आकर्षण था, लेकिन उनका सफर दूसरों से थोड़ा अलग रहा।

बचपन से ही बोनी को फिल्मों से बेहद लगाव था। उन्होंने हमेशा यह सपना देखा कि एक दिन वह खुद भी बड़े पर्दे पर हीरो की तरह नजर आएंगे। लेकिन किस्मत ने उनके लिए कुछ और लिखा था।

एक पुराने इंटरव्यू में बोनी कपूर ने बताया था कि वह भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इस दिशा में कदम नहीं बढ़ाया क्योंकि उनके भाई अनिल कपूर इस सपने को लेकर उनसे कहीं ज्यादा गंभीर थे।

बोनी ने कहा था, ''मेरा मन एक्टर बनने का था, लेकिन पक्का इरादा नहीं किया था। अनिल एक्टर बनने के लिए मुझसे ज्यादा गंभीर था, तो मैंने सोचा कि किसी को तो उसके पीछे खड़ा रहना चाहिए।'' इस तरह उन्होंने अपने भाई का करियर संवारने का फैसला किया और खुद कैमरे के पीछे चले गए। बोनी कपूर ने करियर की शुरुआत पिता की प्रोडक्शन कंपनी से की। धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मों के निर्माण और मार्केटिंग को बारीकी से समझा। साल 1983 में उन्होंने अपने बैनर 'नरगिस आर्ट्स' के तहत फिल्म 'वो सात दिन' का निर्माण किया, जिसने उनके भाई अनिल कपूर को बतौर हीरो लॉन्च किया। फिल्म को जबरदस्त सराहना मिली और यहीं से अनिल कपूर का करियर चमक उठा।

बोनी कपूर को भी बतौर निर्माता पहचान मिलने लगी। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक यादगार फिल्में बनाईं, जिसमें 'मिस्टर इंडिया', 'जुदाई', 'नो एंट्री', 'वांटेड', 'पुकार' और 'कंपनी' जैसी कई फिल्में शामिल हैं।

फिल्म 'मिस्टर इंडिया' बोनी कपूर के करियर की सबसे अहम फिल्म मानी जाती है। इस फिल्म में उनके भाई अनिल कपूर और श्रीदेवी मुख्य भूमिकाओं में थे। कहा जाता है कि इसी फिल्म के दौरान बोनी कपूर और श्रीदेवी के बीच नजदीकियां बढ़ीं। बाद में दोनों ने शादी कर ली और उनकी दो बेटियां जान्हवी कपूर और खुशी कपूर हैं। आज जान्हवी बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री हैं, जबकि खुशी भी फिल्मी दुनिया में नाम कमाने के लिए मेहनत कर रही हैं।

बोनी कपूर का करियर हमेशा उतार-चढ़ाव से भरा रहा। उनकी कुछ फिल्में बड़ी हिट साबित हुईं, तो कुछ बुरी तरह फ्लॉप भी रहीं। उन्होंने न सिर्फ हिंदी सिनेमा में, बल्कि दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने तमिल फिल्म 'नरकोंडा पारवाई' और तेलुगु फिल्म 'वकील साब' का निर्माण किया, जो दोनों ही बड़ी हिट रहीं।

अपने लंबे करियर में बोनी कपूर को कई पुरस्कार और सम्मान भी मिले। उन्हें 'मिस्टर इंडिया' के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म का अवॉर्ड मिला और 'पुकार' के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किया।

उनके जीवन में सबसे बड़ा झटका तब लगा जब 2018 में उनकी पत्नी श्रीदेवी का दुबई में निधन हो गया। इस हादसे ने बोनी कपूर को तोड़ दिया, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। आज भी वे श्रीदेवी को अपनी प्रेरणा बताते हैं और उनके नाम को हमेशा गर्व से याद करते हैं।

शिल्पा शेट्टी ने दिया फिटनेस चैलेंज, बस इस तरह उठाना होगा डम्बल

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी न सिर्फ अपने अभिनय के लिए बल्कि अपनी फिटनेस के लिए भी हमेशा चर्चा में रहती हैं। 50 साल की उम्र में भी उनकी फिटनेस कई युवा अभिनेत्रियों को टक्कर देती है। उनका फिटनेस सीक्रेट बहुत ही सिंपल है, रोजाना एक्सरसाइज करना और हेल्दी खाना खाना। शिल्पा का मानना है कि उम्र सिर्फ एक नंबर है और सही लाइफस्टाइल अपनाकर कोई भी हमेशा स्वस्थ और फिट रह सकता है। उनके फैंस और सोशल मीडिया फॉलोअर्स के लिए वह एक प्रेरणा की तरह हैं, जो उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए प्रेरित करती हैं। सोमवार को शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने फॉलोअर्स को एक खास फिटनेस चैलेंज दिया। वीडियो में शिल्पा एक हाथ पीठ के पीछे रखती हैं और दूसरे हाथ से झुककर डम्बल उठाने की कोशिश करती हैं। पहली बार में वह सफल नहीं होतीं, लेकिन दूसरी कोशिश में डम्बल उठाने में कामयाब हो जाती हैं।

इस वीडियो के कैप्शन में शिल्पा ने लिखा, ''यह देखने में आसान लगता है, लेकिन असल में यह चुनौतीपूर्ण है। आप भी इसे आजमाएं और अपनी वीडियो क्लिप साझा करें।''

इस तरह के छोटे-छोटे चैलेंज से वह अपनी फिटनेस जर्नी को रोचक बनाती रहती हैं और लोगों को प्रेरित करती हैं।

शिल्पा के सोशल मीडिया फीड पर अक्सर ऐसे वर्कआउट वीडियो मिलते हैं। इससे पहले उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह बेंच स्टेप्स और जंप्स करती दिख रही थीं। इस एक्सरसाइज को करते समय उन्होंने इसके फायदे भी बताए।

उन्होंने कहा कि यह एक्सरसाइज दिल की सेहत को बेहतर बनाती है और उसकी कार्यक्षमता बढ़ाती है। जब हम तेजी से कूदते और स्टेप करते हैं, तो हमारा दिल ज्यादा तेजी से काम करता है और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। यह कार्डियो एक्सरसाइज दिल को मजबूत बनाती है और शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर करती है। इसके अलावा, इस तरह की एक्टिविटी से कैलोरी बर्न होती है।

अभिनेत्री का कहना है कि अगर किसी को तेजी से वजन कम करना हो तो वह इस एक्सरसाइज को जरूर करें, क्योंकि यह मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। इसके साथ ही यह एक्सरसाइज मेंटल फोकस और कॉर्डिनेशन को भी बढ़ाती है। जब हम तेजी से कदम उठाते हैं और सही तरीके से लैंडिंग करते हैं, तो दिमाग और शरीर के बीच तालमेल बनता है। इससे मस्तिष्क तेज रहता है और संतुलन बेहतर होता है।

यामी गौतम से सीखी अभिनय की बारीकियां, वर्तिका सिंह ने बताया हक के सेट का अनुभव

पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकी वर्तिका सिंह ने कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'हक' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। किसी नए कलाकार के लिए पहला मौका खास होने के साथ ही और चुनौतीपूर्ण भी होता है, लेकिन वर्तिका ने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर अपने किरदार को निभाने में कोई परेशानी नहीं हुई। इंटरव्यू में वर्तिका ने अपने को-स्टार्स, खासकर इमरान हाशमी की तारीफ की। उन्होंने बताया कि इमरान जमीन से जुड़े बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे इमरान हाशमी के साथ काम करने पर किसी तरह का स्टारडम का दबाव महसूस नहीं हुआ। वह हर किसी को समान महत्व देते हैं, जिससे नए कलाकारों को एक अलग आत्मविश्वास मिलता है। इमरान के समान रवैये से मुझे अपने किरदार को बेहतर ढंग से निभाने का मौका मिला। वह हर सीन में काफी सहज रहे।'' वर्तिका ने यामी गौतम के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''यामी के ज्यादा सीन इमोशन्स से भरपूर थे, इसलिए सेट पर मजाक-मस्ती कम ही थी। उन्हें हर सीन से पहले अपने किरदार में डूबने के लिए उनके इमोशन्स से जुड़ना पड़ता था। यामी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैंने उनसे छोटे-छोटे हाव-भाव और किरदार में गहराई बनाए रखने के तरीके सीखे।'' अपने किरदार साइरा को लेकर वर्तिका ने कहा, ''मैंने खुद को पूरी तरह अपने किरदार में डुबो दिया। मैंने साइरा की मानसिकता और भावनाओं को समझने के लिए कविताएं भी लिखीं। साथ ही उसके अतीत, पालन-पोषण और जीवन की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए उसे पूरी तरह महसूस किया। मैंने इसके लिए नोट्स भी तैयार किए।''फिल्म 'हक' में इमरान हाशमी और यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी शाह बानो केस से प्रेरित है। इसमें यामी शाजिया नाम की महिला की भूमिका में हैं। कहानी में साइरा शाजिया के पति (इमरान हाशमी) के प्यार में पड़ जाती है और उससे दूसरी शादी कर लेती है, जिसके बाद कानूनी जंग शुरू होती है।

मुझे कलाकार के तौर पर चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं : सायंतनी घोष

स्टार प्लस की महाभारत में मत्स्य रानी सत्यवती का रोल एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने किया था। उनके किरदार की तारीफ हर किसी ने की थी। अब एक्ट्रेस टीवी सीरियल 'जगद्धात्री' में दिखने वाली हैं। उन्होंने सीरियल से जुड़े एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। सीरियल 'जगद्धात्री' जीटीवी पर आने वाला है। इसमें अपने किरदार माया देशमुख पर सायंतनी घोष ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल किरदार था। अभी तक मैंने कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। लेकिन, यह सबसे अलग है। कलाकार के तौर पर मुझे चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं और इसी वजह से मैंने इस रोल को एक्सेप्ट किया। उन्होंने कहा कि माया देशमुख घर और बिजनेस दोनों संभाल रही हैं। मुझे लगता है कि असल जिंदगी में हर महिला का जीवन ऐसे संघर्ष से भरा रहता है। इसी वजह से माया के किरदार ने मुझे ज्यादा प्रभावित किया। हमें पहले लोगों की सोच बदलने की जरूरत है। लोगों को लगता है कि महिलाएं एक्शन नहीं कर सकतीं, लेकिन जगद्धात्री ऐसा शो है, जिसे महिला लीड कर रही है और पुरुषों की तरह एक्शन कर रही है। शो नारी की शक्ति का प्रतीक है। मुझे इस शो से बहुत सारी उम्मीदें हैं। मैं दर्शकों से इस सीरियल को बहुत सारा प्यार देने की रिक्वेस्ट करूंगी। एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में आए बदलावों पर बात करते हुए कहा कि 20 साल में टेलीविजन इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए हैं। मैं भी समय के साथ खुद को बदलती हूं।

आजकल धैर्य की कमी देखी जा रही है। पहले शो सालों तक चलते थे। आज शो कुछ ही महीनों में खत्म हो जाते हैं। इतनी ज्यादा प्रतियोगिता है कि सीरियल की शेल्फ लाइफ कम हो गई है। इसमें बदलाव लाना चाहिए।

सायंतनी घोष ने कहा कि मेरा सफर टीवी शो 'नागिन' से शुरू हुआ था। मैंने 'महाभारत' और 'नामकरण' जैसे शोज किए हैं, जिनके लिए मुझे आज भी याद किया जाता है। लेकिन अब मैं कुछ अलग करना चाहती हूं और एक कलाकार होने के नाते आगे बढ़ना चाहती हूं। इसके लिए सीरियल 'जगद्धात्री' बेस्ट है, क्योंकि ये अलग है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप ख़ुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। अपने वरिष्ठों को नज़रअंदाज़ न करें। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्याद–तर झगड़ों लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। महिला सहकर्मी बहुत मददगार रहेंगी और अटके कामों को भली–भांति पूरा करने में सहयोग देंगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। छोटे भाई–बहन आपसे राय मांग सकते हैं अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपके जीवनसाथी के लबों की मुस्कान पल भर में आपका सारा दर्द ग़ायब करने की क़ाबिलियत रखती हे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शरीर के किसी अंगे में दर्द होने की संभावना है। लम्बे समय से अटके मुआ–वज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर–उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन इस दौरान आप शराब का सेवन करने से बचना चाहिए नहीं तो समय की बर्बादी हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्त और रिश्तेदार साथ में ज़्यादा वक़्त बिताने की मांग करेंगे लेकिन यह सभी दरवाज़े बन्द करके राजसी आनन्द लेने का समय है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। अगर आप सही लोगों को अपनी क्षमताएँ और प्रतिभा दिखाएंगे, तो जल्दी ही लोगों की निगाहों में आपकी नयी और बेहतर छवि होगी। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ थकान दूर करेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपके घर का कोई करीबी शख़्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड के साथ अभद्र व्यवहार न करें। नयी योजनाओं को शुरू करने के लिए बढ़िया दिन है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 नवंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 11:00 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 06:36 तक
योग : शुक्ल प्रातः 08:02 तक
करण : बालव प्रातः 10:59 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 06:36 तक
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रीकाल भैरवजयंती , गण्डमूल चालू है , बुधाष्टमी सुयोग, कालाष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान की सीमा पर पाक वायुसेना की पेट्रोलिंग

जयपुर एयरपोर्ट पर अलर्ट राजस्थान में कड़ी चौकसी

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके की गूंज अब राजस्थान तक पहुंच गई है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं, वहीं सरहद के उस पार पाकिस्तान ने भी अपनी गतिविधियां तेज़ कर दी हैं। सूत्रों के मुताबिक़, पाकिस्तानी वायुसेना ने सोमवार शाम से राजस्थान बॉर्डर के करीब 1,000 किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलिंग शुरू कर दी है। राजस्थान पुलिस, एटीएस और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने सभी जिलों में सुरक्षा घेरा मजबूत कर दिया है। जयपुर एयरपोर्ट पर सख़्त सुरक्षा, यात्रियों को पहले पहुंचने की एडवाइजरी

राजधानी जयपुर में भी सुरक्षा इंतज़ाम बढ़ा दिए गए हैं। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सिक्योरिटी लेयर तैनात की गई है। यात्रियों को एयरलाइन द्वारा तय समय से पहले एयरपोर्ट पहुंचने की सलाह दी गई है ताकि जांच प्रक्रिया में देरी न हो।एयरपोर्ट पुलिस, सीआईएसएफ और इंटेलिजेंस यूनिट मिलकर हर आगंतुक और वाहन की बारीकी से जांच कर रही हैं।

अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर सुरक्षा घेरा मजबूत किया गया है।ठउ के जवान दरगाह के बाहर तैनात हैं और जायरीन को कड़ी चेकिंग के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। एटीएस के आईजी विकास कुमार ने बताया कि राजस्थान में हाई अलर्ट जारी है और एजेंसियां अपने–अपने सेक्टर में सक्रिय हैं। धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम या एटीएस को दी जा सकती है। राज्य के डीजीपी ने सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी हैं। जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर और बाड़मेर जैसे बॉर्डर जिलों में तीन–स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। प्रत्येक थाने और चौकी को विशेष निगरानी जोन में शामिल किया गया है।

पाकिस्तानी वायुसेना की पेट्रोलिंग को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।इंटेलिजेंस इनपुट्स के मुताबिक़, पाकिस्तान ने राजस्थान सीमा से सटे इलाकों में अचानक अपनी हवाई गतिविधियां बढ़ा दी हैं। यह वही ज़ोन है जहाँ कुछ समय पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ड्रोन गतिविधियाँ पकड़ी गई थीं।

अन्ता उपचुनाव : सुरक्षा व शुचिता के लिए 20.93 करोड़ की बड़ी धरपकड़

बारा, 11 नवंबर (एजेंसियां)। जिला पुलिस अधीक्षक बारां अभिषेक अंदासु ने जानकारी दी कि अन्ता विधानसभा उप–चुनाव 2025 की निष्पक्षता और शांति सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने 06 अक्टूबर से 11 नवंबर 2025 की अवधि के दौरान मादक पदार्थ, अवैध शराब और संदिग्ध नकदी के विरुद्ध एक विशेष अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य चुनाव को प्रभावित करने वाले अवैध तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था।

एसपी अंदासु ने बताया कि पुलिस द्वारा की गई विभिन्न कार्रवाईयों के परिणामस्वरूप चुनाव के दौरान जब्त की गई सभी वस्तुओं की अनुमानित कुल कीमत ₹20 करोड़ 93 लाख 94 हजार 960 आँकी गई है, जो चुनाव की शुचिता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ी सफलता है।

पुलिस ने अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। आबकारी अधिनियम में कुल 65 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 675 लीटर अवैध शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत ₹3,03,410 है। एनडीपीएस एक्ट के कुल 06 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 121 किलो 765 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत ₹35,46,650 है।

जब्ती की सबसे बड़ी राशि अन्य प्रकार की कार्रवाईयों के अंतर्गत सामने आई। पुलिस ने कुल ₹17 लाख 64 हजार 250 की संदिग्ध नकदी जब्त की। इसके अतिरिक्त अन्य कार्यवाही के तहत जब्त की गई वस्तुओं की अनुमानित कीमत ₹20 करोड़ 37 लाख 80 हजार 650 है।

चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद साइलेंस पीरियड के दौरान सुरक्षा मानदंडों का पालन सुनिश्चित करने के लिए भी पुलिस मुस्तैद रही। अन्ता विधानसभा क्षेत्र में बाहरी क्षेत्र के भ्रमण करने वाले 28 वाहनों को भी जब्त किया गया ताकि बाहरी असामाजिक तत्वों के प्रवेश और चुनावी नियमों के उल्लंघन को रोका जा सके।

राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित

'घूमर महोत्सव' के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला 16 तक जारी

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित 'घूमर महोत्सव' के अंतर्गत जवाहर कला केंद्र, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार से 'घूमर लोकनृत्य कार्यशाला' की शुरुआत हुई। जयपुर कथक केंद्र के संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में पहले ही दिन प्रतिभागियों ने भरपूर उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। वरिष्ठ नृत्य गुरु अनीता प्रधान के निर्देशन में कार्यशाला के पहले दिन राजस्थान के प्रसिद्ध लोकनृत्य 'घूमर' की बारीकियाँ, जैसे हाथों की सुंदर मुद्राएँ, ताल की लय पर कदमों की थिरकन और घूमर की पारंपरिक नजाकत सिखाई गईं।

गौरतलब है कि 'घूमर महोत्सव' के अंतर्गत आयोजित यह कार्यशाला राजस्थान की लोकसंस्कृति और पारंपरिक नृत्य परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की एक सराहनीय पहल है। पारिजात दीर्घा–1 और 2 में शुरू हुई इस कार्यशाला में लगभग 80 से अधिक प्रतिभागी सक्रिय रूप से शामिल हुईं। कार्यशाला प्रतिदिन 16 नवम्बर तक दोपहर 3 से 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसमें भाग लेने की न्यूनतम आयु 12 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागी 12 नवम्बर, बुधवार तक जवाहर कला केंद्र की पारिजात दीर्घा–1 और 2 में आकर निः शुल्क आवेदन कर सकते हैं।

जिला कलेक्टर ने बीएलओ द्वारा घर–घर गणना प्रपत्र वितरण की समीक्षा

टोंक, 11 नवंबर (एजेंसियां)। जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना अग्रवाल ने बताया कि 4 नवम्बर से विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर के तहत बीएलओ द्वारा घर घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण का कार्य शुरु हो गया है। इस दौरान उन्होंने जिले वासियों से अपील करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना प्रपत्र काफी आसान बना दिया है। बीएलओ घर–घर जाकर प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और उसे भरने में सहायता भी करेंगे। लावा में किया गणना प्रपत्र वितरण प्रक्रिया का किया निरीक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मंगलवार को ग्राम पंचायत लावा पंहुचकर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र वितरण, ऑन लाईन प्रक्रिया, बीए–लओ एप पर एंट्री, रजिस्टर में रिकॉर्ड संधारण की जानकारी ली। साथ ही बीएलओ को पूरी गंभीरता एवं समयबद्ध सीमा में कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीओ) कपिल शर्मा, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एईआरओ) पवन मातवा, निर्वाचन विभाग के विष्णु बारेट भी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर टोंक कल्पना अग्रवाल ने मालपुरा उपखंड क्षेत्र के लावा में अन्नपूर्णा रसोई का औचक निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने रसोई घर में भोजन के स्वाद को भी जांचा तथा रसोई संचालक को भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

नागौर में मेड़ता सिटी थाने का सहायक उपनिरीक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी नागौर इकाई ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए रामस्वरूप, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस थाना मेड़ता सिटी, जिला नागौर को 20,000/- रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी नागौर को शिकायत मिली थी कि परिवादी के खिलाफ पुलिस थाना मेड़ता सिटी में दर्ज प्रकरण में मदद करने और परिवादी के अन्य परिवार जनों को गिरफ्तार न करने के एवज में 50,000/- रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। इस पर दिनांक 30.10.2025 को रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया, जिसमें आरोपी द्वारा 50,000/- रुपये की मांग कर जल्द से जल्द राशि देने के लिए दबाव बनाया गया। दिनांक 01.11.2025 को परिवादी के भाई को थाने बुलाकर डराया–धमकाया गया और 30,000/- रुपये रिश्वत प्राप्त किए गए। इसके बाद 20,000/- रुपये पूर्व में तयशुदा अनुसार देने के लिए परिवादी के परिचितों के साथ बार–बार सूचना भेजकर दबाव बनाया गया।

भेड़–बकरी के दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए स्थापित होंगे विशेष केंद्र : श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मार्च–2025 के बजट में की गई विभागीय घोषणाओं को निर्धारित अवधि में पूरा करें। राणा पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर विभाग के आयुक्त एवं सचिव विजय सिंह दहिया, महानिदेशक डॉ. प्रेम सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कैबिनेट मंत्री ने बैठक में निर्देश देते हुए कहा कि पशुपालन से जुड़ी सभी योजनाओं का लाभ हर पशुपालक तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने राज्य में बकरी और भेड़ के दूध के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष केंद्र स्थापित करने, भेड़ों की उच्च नस्लें बीपीएल परिवारों को निःशुल्क उपलब्ध कराने और भेड़–बकरी बीमा योजना को अगले वर्ष से पूरी तरह निःशुल्क करने की समीक्षा की। राणा ने कहा कि बकरी का दूध औषधीय गुणों से भरपूर होता है और इसके उत्पादन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया बल मिलेगा।

उन्होंने महिलाओं को डेयरी स्थापित करने के लिए एक लाख रुपये तक ब्याज–मुक्त ऋण देने, बकरी एवं भेड़ पालन को बढ़ावा देने के लिए बीटल, सिरोही, मुंजल जैसी उच्च आनुवंशिक नस्लें पशुपालकों को उपलब्ध करवाने, नस्ल सुधार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सैक्सड सोर्टिड सीमन प्रयोगशाला की स्थापना तथा पशु चिकित्सा संस्थाओं में दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता की भी समीक्षा की। मंत्री ने गौशालाओं की सुविधाओं में सुधार पर भी बल दिया।

लाल किला विस्फोट के बाद रेवाड़ी पुलिस ने चलाया सघन जांच अभियान

रेवाड़ी, 11 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके के बाद हरियाणा के रेवाड़ी में पुलिस एक्शन मोड में आ चुकी है। यहां से गुजर रहे वाहनों की सघन जांच की जा रही है और शहर में कई स्थानों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। दिल्ली–जयपुर नेशनल हाईवे से होकर रेवाड़ी से दूरी 70 किलोमीटर है। ऐसी स्थिति में यहां से गुरुग्राम समेत हरियाणा और अन्य राज्यों के वाहन बड़ी संख्या में गुजरते हैं। लाल किले के पास हुए धमाके के बाद रेवाड़ी पुलिस एक–एक वाहन की जांच कर रही है। इसके बाद ही उन्हें निकलने दिया जा रहा है। दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके के बाद रेवाड़ी राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ–साथ शहर के प्रमुख चौराहों जैसे नाई वाली चौक, झज्जर चौक, अंबेडकर चौक और बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात कर दिया गया है, जो हर गतिविधि पर निगरानी रख रहे हैं।

रेवाड़ी में 500 से ज्यादा पुलिस नाकों पर सघन जांच की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। पुलिस आने जाने वाले सभी वाहनों की जांच कर रही है और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि देखे पर तुरंत कार्रवाई कर रही है।

एसपी आईपीएस हेमेंद्र मीणा ने बताया कि पुलिस पूरी तरह से सतर्क है। सभी नाके पर वाहनों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हर प्रकार की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है, ताकि हर प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। पुलिस लगातार गश्त कर रही है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी संपूर्ण विश्व के मानवाधिकारों के प्रथम महानायक : सैनी

चंडीगढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के पावन अवसर पर मंगलवार को दूसरी पवित्र नगर कीर्तन यात्रा का शुभारंभ हरियाणा के पंचकूला जिले के पिंजौर स्थित पावन भूमि से हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार, गांव गोरखनाथ में अरदास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अरदास करते हुए प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, अंबाला का नाम श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी केवल सिख समुदाय या भारत के ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के मानवाधिकारों के प्रथम महानायक हैं। उन्होंने धर्म और देश की रक्षा हेतु सर्वोच्च बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिंजौर से आरंभ की गई यह दूसरी नगर कीर्तन यात्रा, गुरु जी के तप, त्याग, विचार और धर्म रक्षा के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का व्यापक अभियान है।

उन्होंने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में चार पवित्र नगर कीर्तन यात्राएं निकाली जा रही हैं जो हरियाणा के सभी जिलों से गुजरेंगी। इन यात्राओं का समापन 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा। अगले दिन, 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी वर्ष पर कुरुक्षेत्र में महासमागम का आयोजन होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का हरियाणा की पावन धरा से गहरा संबंध रहा है। वर्ष 1665 में उन्होंने सिख पंथ के मुख्यालय को धमतान (परगना जींद, बांगर देश - वर्तमान हरियाणा) में स्थानांतरित किया था। उसी वर्ष उन्होंने बांगर देश से

लोहगढ़ की यात्रा करते हुए जींद, कैथल, चीका, कराह, सियाना सईदा और पिहोवा में संगत से मिलकर उन्हें धर्म मार्ग पर चलने का संदेश दिया। इसके पश्चात गुरु जी ने कुरुक्षेत्र जिले के बारना गांव, थानेसर, लाडवा और यमुनानगर क्षेत्र में भी दौरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणावासियों का यह परम सौभाग्य है कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के पावन चरण इस भूमि पर कई बार पड़े। उन्होंने अपने प्रवास के दौरान संगतों को दिव्य ज्ञान प्रदान किया और धर्म की रक्षा के लिए प्रेरित किया। जहां–जहां वे पधारे, वहां स्थापित गुरुघर आज भी उनकी शिक्षाओं और आदर्शों की ज्योति को प्रज्वलित कर रहे हैं।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा हमारे महापुरुषों और गुरुओं के पर्वों को भव्य स्तर पर मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती को बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ राज्य स्तर पर मनाने का काम किया। अब श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को भी राज्य स्तर पर अत्यंत भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की अगुवाई हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जगदीश सिंह झिंडा कर रहे हैं, जो लगातार इन यात्राओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स का दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स शाखा ने बीटीएम स्थित कल्याण मंटप्पा में दीपावली स्नेह मिलन 2025 का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (क्षेत्र 5) साकेत रिटोलिया, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रवि राम सिंघानिया, राष्ट्रीय संयोजक वित्त नितेश टिबडेवाल, कर्नाटक प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सुशील कुमार बंसल, प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष जय प्रकाश अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला, शाखा सचिव अजय अग्रवाल, स्टार्स शाखा के संस्थापक अध्यक्ष मनोज पोद्दार सहित सभी पूर्व अध्यक्ष एवं बेंगलूरु स्थित सभी शाखाओं के अन्य पदाधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुदर्शन जैन के द्वारा किया गया। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने सभी अतिथिगणों, शाखा सदस्यों और उनके परिवार जनों को दीपावली की शुभकामना देते हुए बताया कि मंच परिवार के करीब 100 से अधिक सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुतियां दी। इस वर्ष नारी चेतना को केंद्र बिंदु में रखकर प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई, जिसमें मुख्य रूप से समाज में फैली हुई कुकृतियों जैसे कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, एसिड अटैक, दहेज प्रथा को दर्शाया गया। तत्पश्चात इन कुकृतियों के समाप्ति के हेतु महिलाओं को माता पार्वती, देवी दुर्गा और देवी काली के विकराल रूप में दिखाया गया और इस संदेश को देने की कोशिश की गई कि जब समाज में कुकृतियों का जन्म होता है तब नारी अलग अलग रूप में जन्म ले कर इन महिषासुर रूपी कुकृतियों का वध करती है। तत्पश्चात इसी क्रम में आज की नारी हर क्षेत्र में कितना आगे बढ़ चुकी है और अपना परचम पूरे विश्व में लहरा रही है, इस बात को भी रैंप शो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस दौरान शो स्टॉपर के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सम्मानित होने वाली राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मेघा पतंगी (दिव्यंजन, सदस्य विकास पतंगी की बहन) उपस्थित रही, उन्हें शाखा द्वारा विशिष्ट सम्मान देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों को शाखा कार्यकारिणी के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य प्रयाजोकों गुरु पूनवाणी बिल्डर्स, कंट्रीसाइड, एमजी मोटर्स, लम्हे-नाओ, बिकक्सो, जेड-क्लीनर्स, रामनिवास सूरजमल, बास्केट-ऑप्शन का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए मंच मोमेंटो, पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया। सुरेश एम जैन ने अपने अभिवादन में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम को बेहद शानदार कहते हुए कार्यकारिणी के सदस्यों की प्रशंशा की। उन्होंने शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला और सचिव अजय अग्रवाल को मंच पिन से सम्मानित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने अभिवादन में जनवरी 2026 में बेंगलूरु शहर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लघु अधिवेशन में सभी युवा साथियों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा बेंगलूरु स्थित सभी शाखाओं के आतिथ्य में राष्ट्रीय लघु अधिवेशन को कुशलतापूर्वक आयोजन करने की अपेक्षा रखी। शाखा सचिव अजय अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली से आए हुए कलाकारों ने अद्भुत राधे कृष्ण और कृष्ण-सुदामा की स्तुति पेश की। शाखा कोषाध्यक्ष निपुण सुंदरका ने बताया कि इस आयोजन में करीब मंच सदस्यों सहित लगभग 700 लोगों की उपस्थिति रही। शाखा उपाध्यक्ष प्रांजल सरावगी ने बताया कि सभी सदस्यों और अतिथियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का खूब आनंद लिया। कार्यक्रम संयोजक मनीष अग्रवाल एवं आकाश अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन को यादगार बनाने में प्रत्येक कार्यकारिणी सदस्यों के साथ हमारे मंच परिवार की नारी शक्ति नीता अग्रवाल, पल्लवी अग्रवाल, सोनम जैन, खुशबू जैन, प्रीति अग्रवाल, डॉ. ऋतू मोदी, ज्योति सुंदरका, मोनिका डोकानिया का मुख्य सहयोग रहा । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (जोन 5) साकेत रितोलिया, प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मेघा पतंगी की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम की सुंदरता में चार चांद लगा दिए।

लड्डुओं में नकली घी के इस्तेमाल मामले में जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाना चाहिए: टी.ए. सरवन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य टी.ए. सरवन ने कहा कि यह निश्चित है कि तिरुपति लड्डू प्रसाद बनाने में नकली घी का इस्तेमाल किया गया था और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इस संबंध में एक प्रेस बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मामला है जिससे करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। एसआईटी जाच ने पुष्टि की है कि तिरुपति तिरुमाला मंदिर (टीटीडी) में तैयार किए गए लड्डू प्रसाद में करोड़ों रुपये मूल्य के नकली घी का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने कहा कि

जांच में 250 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 68 लाख किलोग्राम नकली घी के इस्तेमाल की पुष्टि हुई है, जो निंदनीय है। सीबीआई और आंध्र पुलिस की जांच के आधार पर इस अवैध कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को उचित सजा दिए जाने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि जांच में इस आरोप की भी पुष्टि हुई है कि टीटीडी के लड्डू में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। ऐसा करने वालों को कतई माफ नहीं किया जाना चाहिए। प्रसाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, कर्नाटक सरकार जरूरत पड़ने पर अपने राज्य के प्रसिद्ध और उच्च-गुणवत्ता वाले नंदिनी घी की आपूर्ति करने को तैयार है। सरवण ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और टीटीडी प्रशासन से नंदिनी घी का इस्तेमाल करने की अपील की है।

पिता के इलाज के लिए लोन न मिलने पर व्यक्ति ने अपनी बाइक में आग लगा दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बसवेश्वरनगर में एक व्यक्ति ने अपने बीमार पिता के इलाज के लिए ऋण न मिलने पर कथित तौर पर अपनी दोपहिया गाड़ी में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि एक निजी कूरियर कार्यालय में काम करने वाला यशवंत अपने पिता के इलाज के खर्च के लिए पैसे जुटाने की पुरजोर कोशिश कर रहा था। उसने दोस्तों से मदद मांगी और अपनी दोपहिया गाड़ी गिरवी रखने की भी पेशकश की, लेकिन उन्होंने उसकी मदद करने से इनकार कर दिया। बाद में यशवंत ने स्थानीय साहूकारों से संपर्क किया, जिन्होंने भी यह कहते हुए ऋण देने से इनकार कर दिया कि उसकी गाड़ी पहले से ही ऋणाधीन है। निराश और हताश यशवंत ने अपनी बाइक सड़क के बीच में रोक दी, उस पर पेट्रोल डाला और अपना गुस्सा निकालने के लिए उसे आग लगा दी। आग देखकर घबराए राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, जो मौके पर पहुंची, आग बुझाई और यशवंत को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ सार्वजनिक उपद्रव मचाने का मामला दर्ज किया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में रिहा कर दिया गया।

भीषण कार ब्लास्ट में समस्तीपुर के पंकज कुमार की दर्दनाक मौत

समस्तीपुर/एजेंसियां।

राजधानी दिल्ली में सोमवार को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए भीषण कार ब्लास्ट ने पूरे देश को दहला दिया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 12 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। मरने वालों में बिहार के समस्तीपुर जिले के 22 वर्षीय पंकज सहनी भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, पंकज समस्तीपुर के खानपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर फतेहपुर वार्ड संख्या-7 के रहने वाले थे। उनके पिता रामबालक सहनी ने बताया कि पंकज दिल्ली में एक कैब सर्विस में ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। सोमवार को वह अपने एक रिश्तेदार को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहे थे, तभी लालकिला के पास कार ब्लास्ट की चपेट में आ गए। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि पंकज की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार के अनुसार, पंकज ने अपने दादा निकेश से शाम करीब 4:30 बजे आखिरी बार बात की थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि कपड़े नहीं धोए हैं। इसके कुछ देर बाद जब दादा ने फिर फोन किया तो मोबाइल बंद मिला। रात में ब्लास्ट की खबर मिलते ही परिजन पूरी रात उन्हें ढूंढते रहे, लेकिन कोई पता नहीं चला। मीडिया में जब कार ब्लास्ट की तस्वीरें सामने आईं, तो परिवार को यह भयावह सच्चाई पता चली कि पंकज की मौत हो चुकी है। इस खबर से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। घर में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पंकज के परिजन दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं ताकि उनके शव को लाया जा सके। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, दिल्ली में हुई दुखद घटना में मारे गए सभी लोगों के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि शोक संतप्त परिवारों को शक्ति और धैर्य मिले। देश की अग्रणी जांच एजेंसियां इस घटना की त्वरित और गहन जांच कर रही हैं, और दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने जांच एजेंसियों को निर्देश दिया है कि विस्फोट के हर पहलू की गहराई से जांच की जाए और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपी जाए।

दिल्ली विस्फोट: बेंगलूरु हवाई अड्डे पर यात्रियों से जल्दी पहुंचने का आग्रह

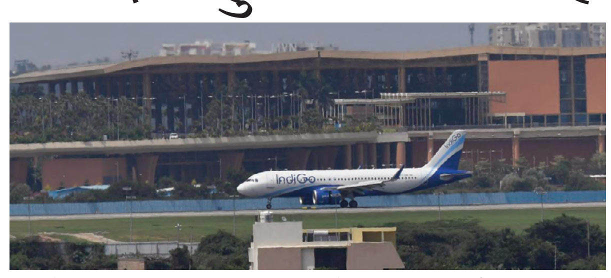

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दिल्ली के लाल किले के पास हुए एक कार विस्फोट के बाद, बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने मंगलवार को यात्रियों को सुरक्षा जांच पूरी करने के लिए समय से पहले पहुंचने की सलाह दी। हवाई अड्डे ने यात्रियों से उड़ान संबंधी अपडेट के लिए अपनी एयरलाइनों के संपर्क में रहने का आग्रह किया। हवाई अड्डे ने अपने एक सलाह में कहा देश भर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपायों में वृद्धि के कारण, हम सभी यात्रियों से अनुरोध करते हैं कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाएं और बीएलआर हवाई अड्डे पर समय से पहले पहुंचें। यात्रियों को यात्रा संबंधी औपचारिकताओं के लिए पर्याप्त समय देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सलाह में आगे कहा गया है इससे यात्रा सुगम होगी और बिना किसी देरी के सुरक्षा जांच पूरी करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। हम आपके सहयोग और समझ की सराहना करते हैं क्योंकि हम आपकी यात्रा को सुरक्षित और निर्बाध बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में विस्फोट हुआ, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और कई वाहन नष्ट हो गए।

देवेगौड़ा ने दिल्ली विस्फोटों पर चिंता व्यक्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि ऐसी स्थिति में एकजुट होकर इसका डटकर सामना करना चाहिए। इस संबंध में अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए उन्होंने प्रार्थना की कि ईश्वर विस्फोट में मारे गए लोगों और पीड़ितों के परिवारों को शक्ति प्रदान करें। उन्होंने घायलों के

शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस विस्फोट से काफी परेशानी हुई है और केंद्र सरकार ने तुरंत कई सुरक्षा उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि वह घटना की गहन जांच कराने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि दिल्ली में हुए भीषण विस्फोट में बहुमूल्य जान-माल के नुकसान और घायलों से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

नयनदहल्ली फ्लाईओवर के नीचे निर्माण मजदूर मृत मिला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ब्यातारायणपुरा पुलिस सीमा क्षेत्र में नयनदहल्ली फ्लाईओवर से कूदकर 29 वर्षीय एक निर्माण मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रसनजीत दास के रूप में हुई है, जो पिछले तीन महीनों से मैसूरु में रह रहा था और निर्माण मजदूर के रूप में काम कर रहा था। पुलिस के अनुसार, दास अपने दोस्त मिथुन के साथ बेंगलूरु से व्हाइटफील्ड जा रहा था। वहां से, वह कथित तौर पर पश्चिम बंगाल में अपने गृहनगर जाने की योजना बना रहा था। हालांकि, दोपहर लगभग 3.30 बजे, एक ऑटोरिक्शा में यात्रा करते समय, दास ने अचानक ड्राइवर को रुकने के लिए कहा और फ्लाईओवर से कूद गया। उसे गंभीर चोटें आईं और उसे पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, मिथुन ने पुलिस को बताया कि दास कुछ समय से आत्महत्या की प्रवृत्ति दिखा रहा था। उसके साइट इंचार्ज, जो उसकी मानसिक परेशानी से वाकिफ थे, ने उसे घर लौटने की सलाह भी दी थी। ब्यातारायणपुरा पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद सघन जांच तेज, मुजफ्फरपुर में लंबी दूरी की ट्रेनों और बॉर्डर पर पैनी नजर

पटना/एजेंसियां।

दिल्ली में ब्लास्ट की घटना के बाद रेल पुलिस अलर्ट पर है। रेल पुलिस की दोनों इकाइयां आरपीएफ और जीआरपी के अलावा बीएसएपी की टीम भी सघन जांच अभियान चला रही है। रेल पुलिस द्वारा सभी महत्वपूर्ण स्टेशन और जंक्शन पर जांच की जा रही है। रेल एसपी बीना कुमारी इस जांच को लेकर खुद निगरानी कर रही हैं। इसके अलावा रेल क्षेत्र मुजफ्फरपुर के साथ-साथ आसपास के सभी स्टेशनों पर सघन

जांच अभियान तेज कर दिया गया है। रेल पुलिस डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीम एक साथ लंबी दूरी की ट्रेनों और नेपाल बॉर्डर से आने वाली ट्रेनों पर नजर रख रही है। रेल पुलिस द्वारा यात्रियों और उनके सामानों की सघन जांच की जा रही है। इस दौरान स्टेशन परिसर, सर्कुलेटिंग एरिया और आने वाली ट्रेनों पर जांच चलाई जा रही है। दिल्ली ब्लास्ट की घटना और बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वहीं रेल पुलिस द्वारा मुजफ्फरपुर रेल क्षेत्र के अंतर्गत सभी स्टेशनों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रेल एसपी बीना कुमारी ने कहा कि हमने चुनाव और रेल सुरक्षा को लेकर विशेष जांच अभियान शुरू किया है। हमारा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम है। रेल पुलिस के आरपीएफ, जीआरपी और इडअझ जवानों की संयुक्त टीम बनाई गई है। सभी आने-जाने वाले यात्रियों की जांच की जा रही है और हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। हमारा सुरक्षा तंत्र पूरी तरह अलर्ट मोड में है। हजारों की संख्या में रेल पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है और सभी स्टेशनों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

जेडीएस कोर कमेटी का पुनर्गठन: कृष्णा रेड्डी अध्यक्ष नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने पार्टी की कोर कमेटी का पुनर्गठन किया है और पूर्व चिंतामणि विधायक और पूर्व डिप्टी स्पीकर एम. कृष्णा रेड्डी को कमेटी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। अरकालगुडु विधायक ए. मंजू को कोर कमेटी का संयोजक नियुक्त किया गया है। पूर्व विधायक राजवेंकटपला नायक डोरे, पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना, सांसद एम. मल्लेश बाबू, पूर्व मंत्री डी.सी. थम्मन्ना, अल्कोडा हनुमंथप्पा, एच.के. कुमारस्वामी, सी.एस. पुट्टाराजू, पूर्व विधायक एच.एस. शिवशंकर, के.एम. थिम्मारायप्पा, ए. मंजूनाथ, डोड्डप्पागौड़ा पाटिल नारीबोला, के.जी. प्रसन्नकुमार, विधायक करेम्मा नायक, नेमिराज नायक, समृद्धि मंजूनाथ, शरणुगौड़ा कंडाकुरा, विधान परिषद सदस्य इंचारा गोविंदराजू और वरिष्ठ नेता सी.वी. चंद्रशेखर को कोर कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है।

युवक की पीट-पीटकर हत्या

पटना/एजेंसियां।

जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र के इजरता गांव में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बसंत मांझी के 25 वर्षीय पुत्र सोनू मांझी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सोनू मांझी का अपने ही गांव की एक युवती से लंबे समय से प्रेम संबंध था। बताया जाता है कि प्रेमिका ने सोनू को मिलने के लिए अपने घर बुलाया था। सोनू जब प्रेमिका के घर पहुंचा तो दोनों आपस में बातचीत कर रहे थे, तभी प्रेमिका के पिता बबलू पासवान और अन्य परिजनों ने उन्हें देख लिया। इसके बाद परिजनों ने सोनू को पकड़कर बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। पिटाई के दौरान सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर सोनू के परिजन मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए

अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पालीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया है। इधर, मामले की सूचना मिलते ही डीएसपी राजीव चंद्र सिंह और इंस्पेक्टर सुमन कुमार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए प्रेमिका और उसके पिता बबलू पासवान को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी राजीव चंद्र सिंह ने बताया कि हत्या के मामले में दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com